रांची, मंगलवार
07.07.2026
वर्ष : 11, अंक : 215, पृष्ठ : 12
मूल्य : दो रूपए

बिहान भारत

रांची से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
खबरें हमारी, विश्वास आपका

website : www.bihanbharat.org | bihanbharat@gmail.com | @bihan_bharat | Bihan Bharat | @bihanbharat | RNI NO - JHAHIN/2015/73988

संक्षिप्त खबरें

ट्रक और बोलेरो की टक्कर में 5 की मौत, 4 गंभीर

सीहोर। मध्य प्रदेश के सीहोर जिले में सोमवार को एक तेज रफ्तार ट्रक और बोलेरो गाड़ी के बीच जोरदार भिड़ंत हो गई। इस दुर्घटना में 5 लोगों की मौत हो गई है जबकि 4 अन्य गंभीर रूप से घायल हैं। टक्कर इतनी भयानक थी कि बोलेरो के परखच्चे उड़ गए और शव गाड़ी के मलबे में ही फंसे रह गए। यह हादसा सोमवार दोपहर करीब 2:45 बजे आष्टा और शुजालपुर के बीच स्थित ग्राम मेना गोदी के पास घटित हुआ। चश्मदीदों ने बताया कि टक्कर का प्रभाव इतना जबरदस्त था कि बोलेरो में सवार 3 लोग हवा में उछलकर करीब 15-20 फीट दूर जाकर गिरे। वहीं, बोलेरो चला रहे ड्राइवर का खून से सना शव और अन्य यात्री गाड़ी के क्षतिग्रस्त हिस्से में ही बुरी तरह फंस गया। हादसे में दो लोगों के पैर टूट गए, जबकि अन्य के सिर और छाती में गंभीर अंदरूनी चोटें आई हैं।

पश्चिम बंगाल से राज्यसभा की तीन सीटों पर उपचुनाव 24 जुलाई को

कोलकाता। पश्चिम बंगाल से राज्यसभा की तीन रिक्त सीटों पर उपचुनाव के लिए निर्वाचन आयोग ने कार्यक्रम घोषित कर दिया है। तृणमूल कांग्रेस छोड़ चुके पूर्व राज्यसभा सांसद सुखेंदुशेखर राय, सुस्मिता देव और प्रकाशचिक बराइक के इस्तीफे के बाद रिक्त हुई इन तीनों सीटों के लिए 24 जुलाई को मतदान होगा। उसी दिन मतगणना भी कराई जाएगी, जबकि पूरी चुनाव प्रक्रिया 27 जुलाई तक पूरी कर ली जाएगी। निर्वाचन आयोग के अनुसार, नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 14 जुलाई निर्धारित की गई है। नामांकन पत्रों की जांच 15 जुलाई को होगी, जबकि नाम वापस लेने की अंतिम तिथि 17 जुलाई है। 24 जुलाई को सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक मतदान होगा और शाम 5 बजे से मतगणना शुरू होगी। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस की हार के बाद पार्टी में राजनीतिक उथल-पुथल तेज हो गई है। इसी क्रम में राज्यसभा के तीनों सांसदों ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया और पार्टी भी छोड़ दी। सबसे पहले 8 जून को सुखेंदुशेखर राय ने इस्तीफा दिया। इसके बाद 10 जून को सुस्मिता देव और 11 जून को प्रकाशचिक बराइक ने भी अपना इस्तीफा सौंप दिया। इस्तीफे के बाद प्रकाशचिक बराइक ने पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी की सार्वजनिक रूप से प्रशंसा की थी। वहीं, सुस्मिता देव ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा से मुलाकात की थी। सुखेंदुशेखर राय भी लोकसभा के पूर्व तृणमूल सांसदों के साथ बैठकों में नजर आए थे।

प्रधानमंत्री मोदी का इंडोनेशिया में भव्य स्वागत, राष्ट्रपति सुबियांतो स्वयं पहुंचे हवाई अड्डे

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपनी यात्रा के पहले चरण में सोमवार को इंडोनेशिया पहुंचे, जहां इंडोनेशिया राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने प्रोटोकॉल तोड़ते हुए स्वयं हवाई अड्डे पर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया।

प्रधानमंत्री मोदी के इंडोनेशिया में भव्य स्वागत में वहां की वायु सेना का सुरक्षा दस्ता भी शामिल था। सुरक्षा दस्ते ने प्रधानमंत्री मोदी के विमान को एस्कॉर्ट किया। राष्ट्रपति के अलावा इंडोनेशिया विदेश मंत्री सुगियोनो, सचिवालय मंत्री प्रासेत्यो हादी और कैबिनेट सचिव टेडी इंद्र विजया सहित चार मंत्री भी उनके स्वागत के लिए वहां मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री मोदी की 6 से 11 जुलाई तक तीन देशों इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड की यात्रा पर है। इंडोनेशिया में वह राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे और साझेदारी में हुई प्रगति की समीक्षा करेंगे। इसके अलावा वह भारतीय समुदाय से भी मुलाकात करेंगे और योग्याकार्ता में प्रसिद्ध प्रम्बानन मंदिर परिसर का दौरा करेंगे।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर उनके पहुंचने की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी राजकीय यात्रा पर जकार्ता पहुंचे हैं। आगमन पर हवाई अड्डे पर राष्ट्रपति ने उनका विशेष स्वागत किया। इसके अलावा चार मंत्री भी प्रधानमंत्री के स्वागत के लिए उपस्थित रहे। 2018 में व्यापक रणनीतिक साझेदारी के स्तर पर संबंधों को उन्नत करने के बाद से इंडोनेशिया की यह प्रधानमंत्री की पहली द्विपक्षीय यात्रा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर कहा, मैं जकार्ता पहुंच गया हूं। हवाई अड्डे पर राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने व्यक्तिगत रूप से मेरा स्वागत किया, जिससे मैं अत्यंत भावुक हो गया। 2018 में, हमने अपने दोनों देशों के बीच संबंधों को एक व्यापक रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाया, जिससे हमारे लोगों को अनेक लाभ प्राप्त हुए हैं। इस यात्रा के दौरान, राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो और मैं विभिन्न क्षेत्रों में इस साझेदारी को और अधिक गति प्रदान करने के उद्देश्य से चर्चा करेंगे। राष्ट्रपति प्रबोवो और मैं योग्याकार्ता में स्थित प्रंबानन मंदिर परिसर का भी दौरा करेंगे। यह यात्रा हमारे दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक संबंधों को और अधिक मजबूत करेगी। इंडोनेशिया में रहते हुए, मैं भारतीय समुदाय के साथ संवाद स्थापित करने के अवसर की भी प्रबल प्रतीक्षा कर रहा हूं।

मुख्यमंत्री ने की पर्यटन, खेल और कला-संस्कृति विभाग की समीक्षा

झारखंड में इको टूरिज्म का विकास राज्य सरकार की प्राथमिकता : मुख्यमंत्री

बिभा संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सोमवार को झारखंड मंत्रालय में पर्यटन, कला-संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। बैठक में वित्तीय वर्ष 2025-26 की उपलब्धियों और वर्तमान कार्ययोजनाओं की समीक्षा करते हुए उन्होंने अधिकारियों को सभी योजनाओं का प्रभावी एवं समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से इको टूरिज्म को बढ़ावा देने, भूमिगत कोयला खदान क्षेत्रों को पर्यटन से जोड़ने, स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी की स्थापना की कार्ययोजना तैयार करने तथा राज्य के कलाकारों का व्यापक डाटाबेस विकसित करने पर जोर दिया।

बैठक में विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं, खेल अवसंरचना, पर्यटन स्थलों के विकास, धार्मिक एवं सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण तथा युवाओं से संबंधित कार्यक्रमों की विस्तृत समीक्षा की गई। इस दौरान विभागीय मंत्री सुदिव्य कुमार भी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि राज्य के भूमिगत कोयला खदान क्षेत्रों की पहचान कर वहां पर्यटन विकास की संभावनाओं का विस्तृत अध्ययन किया जाए और उसके आधार पर कार्ययोजना तैयार की जाए। उन्होंने कहा कि झारखंड प्राकृतिक, ऐतिहासिक, धार्मिक और इको टूरिज्म की अपार संभावनाओं वाला राज्य है, जिसे योजनाबद्ध तरीके से विकसित कर राष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर नई पहचान दिलाई जा सकती है।

हेमंत सोरेन ने सरायकेला-खरसावां, पूर्वी सिंहभूम, गिरिडीह, लातेहार, हजारीबाग, रांची सहित अन्य जिलों में इको टूरिज्म की संभावनाओं वाले स्थलों के विकास के लिए शीघ्र कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। साथ ही राज्य की समग्र पर्यटन नीति तैयार करने पर भी बल दिया, ताकि पर्यटन क्षेत्र का सुनियोजित और दीर्घकालिक विकास सुनिश्चित किया जा सके।

मुख्यमंत्री ने पतरातू घाटी को राज्य के प्रमुख पर्यटन स्थलों में बताते हुए पतरातू व्यू पॉइंट के निर्माण कार्य में तेजी लाने तथा पतरातू समेत अन्य उपयुक्त पर्यटन स्थलों पर रोपवे विकसित करने की संभावनाओं का अध्ययन करने के निर्देश दिए। वहीं लातेहार जिले के नेतरहाट में ग्लास वॉच टावर और ग्लास ब्रिज के निर्माण, कोयल व्यू पॉइंट पर कॉटेज विकसित करने, ट्रैकिंग सुविधाओं के विस्तार तथा लोध फॉल क्षेत्र में इको टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए भी आवश्यक कार्ययोजना तैयार करने को कहा।

खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग की समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को आर्थिक तंगी के कारण अन्य कार्य करने के लिए विवश नहीं होना चाहिए। उन्होंने ऐसे खिलाड़ियों का डाटाबेस तैयार करने तथा आर्थिक रूप से कमजोर खिलाड़ियों के लिए विशेष प्रोत्साहन योजनाएं बनाने के निर्देश दिए।

उन्होंने खेलगांव स्थित मेगा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स की वर्तमान स्थिति की समीक्षा करते हुए उसके रखरखाव, वित्तीय प्रबंधन, खिलाड़ियों की मूलभूत सुविधाओं और प्रशिक्षकों के लिए बेहतर व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने की कार्ययोजना तैयार करने को कहा। साथ ही झारखंड में स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी की स्थापना की संभावनाओं पर विस्तृत प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश भी दिए।

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि विभिन्न खेलों के नामचीन खिलाड़ियों और विशेषज्ञों को झारखंड आमंत्रित किया जाए तथा राज्य के खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों को देश के उत्कृष्ट खेल प्रशिक्षण केंद्रों और अकादमियों का एक्सपोजर विजिट कराया जाए, ताकि उनके कौशल और प्रदर्शन में और सुधार हो सके।

कला-संस्कृति विभाग की समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने विभिन्न कला विधाओं से जुड़े कलाकारों का व्यापक डाटाबेस तैयार करने के निर्देश दिए। विभाग ने बताया कि अब तक लगभग 12 हजार कलाकारों का पंजीकरण किया जा चुका है। इस पर मुख्यमंत्री ने सभी पंजीकृत कलाकारों की सूची संबंधित जिलों को भेजकर सत्यापन कराने तथा अन्य राज्यों के स्कूल ऑफ फाइन आर्ट्स और कला संस्थानों के साथ समन्वय स्थापित कर कलाकारों के एक्सपोजर विजिट आयोजित करने को कहा। उन्होंने कहा कि इससे झारखंड की कला एवं संस्कृति को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान मिलेगी।

बैठक के अंत में मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्यटन क्षेत्र के विकास से राज्य की धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान मजबूत होगी, साथ ही स्थानीय लोगों के लिए रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। उन्होंने अधिकारियों को सभी पर्यटन परियोजनाओं को निर्धारित समयसीमा में उच्च गुणवत्ता और आधुनिक मानकों के अनुरूप पूरा करने के निर्देश दिए।

बैठक में मुख्य सचिव अविनाश कुमार, पर्यटन, कला-संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग के सचिव मुकेश कुमार, पर्यटन निदेशक नमन प्रियेश लकड़ा, खेल निदेशक छवि रंजन सहित विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

दिल्ली में बड़े आतंकी हमले की साजिश नाकाम, शाहजाद भट्टी नेटवर्क के 6 गुर्गे गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने पाकिस्तानी आतंकी शाहजाद भट्टी के नेटवर्क पर बड़ी कार्रवाई करते हुए दो मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। इनमें एक मॉड्यूल दिल्ली में किसी महत्वपूर्ण सरकारी प्रतिष्ठान या पुलिस स्थापना पर पेट्रोल बम से हमला करने की साजिश रच रहा था, जबकि दूसरा मॉड्यूल पाकिस्तान से ड्रोन के जरिए भेजे गए हथियारों की तस्करी कर रहा था। पुलिस ने दिल्ली, उत्त प्रदेश और पंजाब से जुड़े छह आरोपितों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से तीन पेट्रोल बम, तीन अत्याधुनिक पिस्टल, पांच जिंदा कारतूस, दो कारें, एक चोरी की बाइक, मोबाइल फोन और पाकिस्तानी हैंडलरों से हुई बातचीत के डिजिटल साक्ष्य बरामद हुए हैं।

स्पेशल सेल के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त प्रमोद कुशवाहा ने सोमवार को पुलिस मुख्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि यह कार्रवाई स्पेशल सेल की नॉर्दर्न रेंज (एनडीआर) की टीम ने की। पूरी कार्रवाई डीसीपी प्रवीण त्रिपाठी की निगरानी में एसीपी विवेक कुमार त्यागी तथा इंस्पेक्टर सुनील रजैन और इंस्पेक्टर धीरज की टीम ने अंजाम दी। दोनों मामलों में भारतीय न्याय संहिता और आर्म्स एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत स्पेशल सेल थाने में एफआईआर दर्ज की गई है।

जांच में सामने आया कि पहला मॉड्यूल पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई से जुड़े हैंडलर राना हुनैन के इशारे पर काम कर रहा था। राना हुनैन, शाहजाद भट्टी का करीबी सहयोगी बताया गया है। पुलिस के मुताबिक मॉड्यूल का मकसद दिल्ली में किसी महत्वपूर्ण सरकारी प्रतिष्ठान या पुलिस स्थापना की रेकी कर पेट्रोल बम से हमला करना था। स्पेशल सेल ने विजय घाट इलाके से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। इनके कब्जे से तीन पेट्रोल बम, 2,000 रुपये नकद, एक चोरी की मोटरसाइकिल और ऐसे मोबाइल फोन बरामद हुए हैं जिनमें पाकिस्तानी हैंडलरों के साथ चैट, फोटो और वीडियो मिले हैं। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान मुजफ्फरनगर निवासी 24 वर्षीय दानिश उर्फ चांद मियां और 20 वर्षीय सलमान के रूप में हुई है। पूछताछ में दानिश ने बताया कि अप्रैल 2026 में सोशल मीडिया के जरिए उसकी पहचान राना हुनैन से हुई थी। इसके बाद उसे दिल्ली आकर संवेदनशील ठिकानों की रेकी करने और हमला करने का जिम्मा दिया गया। काम पूरा होने पर उसे 20 हजार रुपये देने का वादा किया गया था।

झारखंड में दो दिनों की बारिश से जनजीवन प्रभावित, 7-8 जुलाई के लिए भी येलो अलर्ट

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड की राजधानी रांची समेत राज्य के कई जिलों में पिछले दो दिनों से लगातार हो रही बारिश ने जनजीवन को प्रभावित कर दिया है। भारी वर्षा के कारण शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में जलजमाव की स्थिति बन गई है, जिससे लोगों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मौसम विभाग ने 7 और 8 जुलाई के लिए भी राज्य के कई हिस्सों में भारी बारिश, तेज हवाओं और वज्रपात की आशंका जताते हुए येलो अलर्ट जारी किया है।

राजधानी रांची में सोमवार तड़के से रुक-रुक कर बारिश होती रही। हालांकि दोपहर बाद मौसम में कुछ सुधार हुआ और बारिश थमने के साथ आसमान साफ हुआ, लेकिन कई इलाकों में सड़कों पर जमा पानी देर तक लोगों के लिए परेशानी का कारण बना रहा।

अपर बाजार के सेवा सदन रोड, गाड़ीखाना, हरमू रोड, अरगोड़ा और पंडरा रोड सहित कई क्षेत्रों में जलजमाव की स्थिति देखने को मिली। सड़कों पर पानी भर जाने से वाहनों की रफ्तार धीमी पड़ गई, जबकि पैदल राहगीरों को भी काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। कई स्थानों पर नालियों का पानी सड़क पर आ जाने से यातायात प्रभावित रहा।

मौसम विज्ञान केंद्र ने चेतावनी दी है कि 7 और 8 जुलाई को राज्य के कई जिलों में भारी वर्षा के साथ 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। कुछ स्थानों पर वज्रपात की भी आशंका है। विभाग ने लोगों को खराब मौसम के दौरान अनावश्यक यात्रा से बचने और सुरक्षित स्थानों पर रहने की सलाह दी है।

लगातार बारिश के कारण राज्य के विभिन्न शहरों के तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई।

ईडी ने पूर्व वित्त मंत्री रामेश्वर उरांव के बेटे रोहित उरांव से की पूछताछ

बिभा संवाददाता

रांची। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने झारखंड सरकार के पूर्व वित्त मंत्री रामेश्वर उरांव के बेटे रोहित उरांव से सोमवार को दिनभर पूछताछ की। ईडी ने रोहित से सुबह 11 बजे से रात आठ बजे तक पूछताछ की।

रोहित उरांव ईडी के दूसरे समन पर पूछताछ में शामिल होने के लिए ईडी के रांची एयरपोर्ट रोड स्थित क्षेत्रीय कार्यालय में पहुंचे थे। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि ईडी ने उनसे पूर्व की उत्पाद नीति के दौरान शराब के धंधे में निवेश, योगेंद्र तिवारी व अधिकारियों-नेताओं के करीबी रहे प्रेम प्रकाश से संबंधों पर भी ईडी ने उनसे पूछताछ की है। रोहित उरांव ने अपने जवाब से ईडी के अधिकारियों को संतुष्ट करने का प्रयास किया है। अब ईडी उनके जवाब की समीक्षा कर रही है।

जांच के क्रम में ही मंगलवार को ईडी पूर्व वित्त मंत्री रामेश्वर उरांव से भी पूछताछ करेगी। रामेश्वर उरांव लोहरदगा सीट से कांग्रेस के विधायक हैं। ईडी को जानकारी मिली थी कि पूर्व की उत्पाद नीति के दौरान रोहित उरांव ने शराब के धंधे में काले धन का निवेश किया, जिसमें योगेंद्र तिवारी और प्रेम प्रकाश का भी सहयोग मिला।

इन्हीं सभी बिंदुओं पर रोहित उरांव से पूछताछ की गई है। रोहित उरांव से चार साल पुराने इंफोर्समेंट केस इंफार्मेशन रिपोर्ट (ईसीआइआर) के आधार पर ईडी ने पूछताछ की है। ईडी ने देवघर में दर्ज चार अलग-अलग प्राथमिकियों के आधार पर 31 मार्च 2022 को ईसीआइआर दर्ज की थी। इसके बाद देवघर और जामताड़ा से जुड़े करीब 15 अन्य प्राथमिकियों को भी अपने इस ईसीआइआर से अटैच किया था।

ये प्राथमिकियां अवैध तरीके से दूसरे की जमीन पर कब्जा व फर्जी दस्तावेज पर खरीद-बिक्री, अवैध बालू कारोबार व अवैध तरीके से शराब की खरीद-बिक्री से संबंधित थीं।

केस दर्ज करने के बाद ईडी ने 23 अगस्त 2023 को झारखंड सरकार के तत्कालीन वित्त मंत्री रामेश्वर उरांव व शराब माफिया योगेंद्र तिवारी के आवास सहित 36 ठिकानों पर छापेमारी की थी। इस छापेमारी में रामेश्वर उरांव के बेटे रोहित उरांव के ठिकाने से 30 लाख रुपये नकदी मिले थे।

उल्लेखनीय है कि इससे पहले ईडी ने रोहित उरांव को पहला समन जारी कर 29 जून को और रामेश्वर उरांव को 30 जून को पूछताछ के लिए बुलाया था। हालांकि, दोनों ने व्यक्तिगत कारणों का हवाला देते हुए तीन-तीन सप्ताह का समय मांगा था। ईडी ने उनके अनुरोध पर विचार करने के बाद केवल एक सप्ताह की मोहलत दी और दूसरा समन जारी करते हुए रोहित उरांव को छह जुलाई तथा रामेश्वर उरांव को सात जुलाई को ईडी कार्यालय में उपस्थित होने का निर्देश दिया था।

चम्पत राय और अनिल मिश्रा का इस्तीफा मंजूर, ट्रस्ट के कार्यकारी महासचिव बने कृष्ण मोहन

एजेंसी

अयोध्या। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थक्षेत्र ट्रस्ट की राम जन्मभूमि परिसर में सोमवार को हुई महत्वपूर्ण बैठक में ट्रस्ट के महासचिव चम्पत राय और सदस्य डॉ. अनिल मिश्रा का त्यागपत्र स्वीकार कर लिया गया। साथ ही ट्रस्ट के सदस्य कृष्ण मोहन को कार्यकारी महासचिव नियुक्त किया गया। श्रद्धालुओं की भावनाओं को देखते हुए ट्रस्ट ने अब तक की भेंट, दान और चढ़ावे की धनराशि को सार्वजनिक करते हुए कहा कि कोई भी दानकर्ता यहां आकर अपनी भेंट या दान का सत्यापन कर सकता है।

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंददेव गिरि महाराज ने बैठक में लिये गए फैसलों की मीडिया को जानकारी दी। उन्होंने कहा कि ट्रस्ट की बैठक में सदस्यों का कोरम पूरा हुआ और इस बैठक में ट्रस्ट के सदस्य के. पारासरन आभासी रूप से जुड़े। बैठक में मंदिर के दान में चोरी की घटना को अत्यंत दुर्भाग्य और आहत करने वाली बताया गया। बैठक में ट्रस्ट के महासचिव चम्पत राय और ट्रस्टी डॉ अनिल मिश्र द्वारा नैतिक रूप से अपने अपने पदों से दिए गए त्यागपत्र पर ट्रस्ट के नियमों के अनुरूप चर्चा की गयी। बैठक के दौरान सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता एवं ट्रस्टी के. पारासरन ने सदस्यों को बताया कि ट्रस्ट का नियम है कि अगर कोई सदस्य त्यागपत्र देता है तो त्यागपत्र स्वीकार हो जाएगा। ऐसे में नैतिक आधार पर महामंत्री चम्पत राय और ट्रस्टी अनिल मिश्र का त्यागपत्र स्वीकार कर लिया गया है। साथ ही ट्रस्टी कृष्ण मोहन को कार्यकारी महासचिव नियुक्त किया गया है। इनकी मदद के लिए एक समिति भी गठित की गयी। इसके अलावा गोपाल नगरकोटे का नाम विशिष्ट आमंत्रित सदस्य सूची से हटा दिया गया है।

22 जुलाई को होगी ट्रस्ट की पुन: बैठक

गोविंद देव गिरि ने बताया कि 22 जुलाई को ट्रस्ट की पुन: बैठक होगी। बैठक में ट्रस्ट के नए सदस्यों की नियुक्ति पर विचार किया जाएगा। तब तक एसआईटी की फाइनल रिपोर्ट आ जाएगी। दान चोरी करने वाले अन्य अपराधियों के खिलाफ भी कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने कहा कि राम मंदिर के लिए दान की गयी 2800 वस्तुतों की सूची बनी है और अगर किसी भी दानदाता के मन में संशय है तो वे ट्रस्ट के अयोध्या कार्यालय आकर देख सकते हैं। सभी वस्तुओं को पूरी तरह से सुरक्षित रखा गया है।

चोरी करने वालों को दंड दिलाना प्राथमिकता

बैठक में कार्यकारी महासचिव कृष्ण मोहन ने अपनी प्राथमिकताएं गिनाते हुए कहा कि पहला काम चढ़ावा चोरी करने वाले अपराधियों को दंड दिलाना और मंदिर प्रबंधन में अब तक रहीं कमियां दूर करना है। ट्रस्ट के सदस्य समाज में राम मंदिर की पुन: प्रतिष्ठा और विश्वास बनाएंगे।

सार्वजनिक की गई धनराशि

ट्रस्ट की ओर से बताया गया कि आज की बैठक में प्रमुख रूप से दानपात्रों से प्राप्त राशि की गणना की प्रक्रिया में अनियमितता, उसकी जांच और कार्यवाही, महामंत्री और एक न्यासी के न्यासी पद से त्यागपत्रों, मीडिया में चल रही चर्चाओं, भावी अन्तरिम व्यवस्थाओं आदि विषयों पर विचार हुआ। अब तक निधि समर्पण अभियान एवं कॉर्पस दान के माध्यम से प्राप्त कुल राशि 3,264 करोड़ रुपये में से 2,370 करोड़ रुपये निर्माण एवं पूंजीगत व्यय में उपयोग की गई है। प्रारम्भ से लेकर 31 मार्च 2026 तक कुल चढ़ावा 582 करोड़ रुपये प्राप्त हुआ, जिसमें से 391 करोड़ रुपये की राशि संचालन व्यय में उपयोग ली गई। शेष राशियां बैंक खातों में उपलब्ध है। ये समस्त वित्तीय सूचनाएं समय—समय पर ट्रस्ट ने मीडिया के समक्ष प्रस्तुत की हैं।

दाघानि DVC
राष्ट्र निर्माण के प्रति समर्पित
दामोदर घाटी निगम
चंद्रपुरा ताप विद्युत केन्द्र की ओर से
डीवीसी के 79वें स्थापना दिवस (7 जुलाई) की
हार्दिक शुभकामनाएं।
"हमसे है लाखों चेहरों पर मुस्कान"

ग्रामीण प्रतिभाओं का सम्मान, शिक्षा के प्रति हमारी प्रतिबद्धता जारी रहेगी : मंत्री शिल्पी नेहा

बिभा संवाददाता

बेड़ो: प्रखंड स्थित एस.एस.+2 उच्च विद्यालय में सोमवार को आयोजित भारत रत्न स्वर्गीय राजीव गांधी प्रतिभा सम्मान समारोह में कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। समारोह में वर्ष 2026 की मैट्रिक एवं इंटरमीडिएट परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 254 मेधावी विद्यार्थियों को प्रशस्ति-पत्र एवं मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। इसके साथ ही 429 विद्यार्थियों के बीच साइकिल तथा 1,000 आम के पौधों का भी वितरण किया गया।

अपने संबोधन में मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि ग्रामीण विद्यार्थियों को शिक्षा के माध्यम से आगे बढ़ाने की उनकी प्रतिबद्धता लगातार जारी रहेगी। उन्होंने बताया कि करीब दो दशक पहले पूर्व मंत्री बंधु तिर्की ने ग्रामीण क्षेत्र के मेधावी विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करने के उद्देश्य से इस सम्मान समारोह की शुरूआत की थी। विधायक नहीं रहने के दौरान भी उन्होंने इस परंपरा को जारी रखा और आज उसी सोच को आगे बढ़ाने का अवसर उन्हें जनप्रतिनिधि के रूप में मिला है।

उन्होंने कहा कि सीमित संसाधनों के बावजूद ग्रामीण विद्यार्थियों की सफलता उनके कठिन परिश्रम, अभिभावकों के त्याग और शिक्षकों के समर्पण का परिणाम है। उन्होंने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को समाज और राष्ट्र निर्माण की सबसे बड़ी शक्ति बताते हुए सरकारी शिक्षा व्यवस्था की चुनौतियों, निजी विद्यालयों की बढ़ती फीस, ऊंचे कटऑफ, नई शिक्षा नीति के बाद इंटरमीडिएट स्तर पर हुए बदलाव, संसाधनों की कमी तथा समय पर परीक्षाएं नहीं होने जैसे मुद्दों पर चिंता व्यक्त की।

मंत्री ने भारत निर्वाचन आयोग के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान का उल्लेख करते हुए कहा कि 30 जून से 30 जुलाई तक प्रत्येक मतदाता को अपना एन्यूमरेशन फॉर्म भरकर बीएलओ के पास जमा करना आवश्यक है। उन्होंने शिक्षित युवाओं से गांव-गांव जाकर विशेष रूप से बुजुर्ग एवं अशिक्षित मतदाताओं की सहायता करने की अपील की।

उन्होंने बेड़ो बाजार के समीप जर्जर सड़क के संबंध में कहा कि एनएचएआई के साथ समन्वय जारी है और बरसात के बाद सड़क निर्माण कार्य शुरू कराया जाएगा। साथ ही संभावित एल नीनो की स्थिति को देखते हुए किसानों से कम पानी वाली फसलों की खेती अपनाने तथा मिलेट मिशन से जुड़ने की अपील करते हुए बताया कि योजना के तहत किसानों को प्रति एकड़ 3,000 रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जा रही है।

विशिष्ट अतिथि पूर्व मंत्री बंधु तिर्की ने कहा कि वर्ष 2005 में शुरू हुआ यह सम्मान समारोह आज ग्रामीण शिक्षा आंदोलन का स्वरूप ले चुका है। उन्होंने कहा कि शिक्षा समाज के स्थायी विकास की आधारशिला है और इसी उद्देश्य से मांडर विधानसभा क्षेत्र में शिक्षा को मजबूत बनाने का प्रयास लगातार जारी है। उन्होंने कहा कि इस मंच से सम्मानित अनेक विद्यार्थी आज विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान दे रहे हैं, जो इस पहल की सफलता का प्रमाण है।

इस अवार पर प्रखंड विकास पदाधिकारी राहुल उरांव, अंचलाधिकारी, राजकुंवर सिंह,प्रखंड अध्यक्ष करमा उरांव, उप प्रमुख मुदास्सिर हक, जिला परिषद सदस्य बेरोनिका उरांव, मजकुर सिद्दीकी, देवनीश तिग्गा, मो. फहीम, पंचू मिंज, रोशन तिर्की, सिलवेस्टर कच्छप, नवल सिंह, मीर मुस्लिम, सोमरा लोहरा, रवि उरांव, रुस्तम, मंटु उरांव, चिना, तौकीर सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, शिक्षक, अभिभावक एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

मैट्रिक: प्रथम –कोमल लकड़ा (95.20%), द्वितीय –अनामिका कुमारी (93.80%), तृतीय –नमन गुप्ता (92.20%)।
इंटरमीडिएट (विज्ञान): प्रथम –राहुल कुमार (89.40%), द्वितीय –शिवानी कुमारी (86.00%), तृतीय –विकास कुमार (84.00%)।
इंटरमीडिएट (कला): प्रथम –मानसी खन्ना (86.80%), द्वितीय –करुणा कुमारी (86.60%), तृतीय –अनिशा कच्छप (86.00%)।
इंटरमीडिएट (वाणिज्य): प्रथम –नीलम कुमारी (86.60%), द्वितीय –संगीता मिंज (84.00%), तृतीय –शिवानी केरकेट्टा (79.80%)।

बारिश ने खोली जल निकासी व्यवस्था की पोल, जी टाइप के रजा नगर में सड़क बनी तालाब

बिभा संवाददाता

खलारी। लगातार हो रही बारिश ने खलारी प्रखंड के जी टाइप स्थित रजा नगर समेत आसपास के इलाकों में जल निकासी व्यवस्था की पोल खोलकर रख दी है। नालियों की समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण सड़कें तालाब में तब्दील हो गई हैं। कई दिनों से सड़क पर पानी जमा रहने से लोगों का जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो गया है।स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि बरसात शुरू होते ही हर साल यह समस्या विकराल रूप धारण कर लेती है। बारिश का पानी 10 से 15 दिनों तक सड़कों पर जमा रहता है, लेकिन इसके स्थायी समाधान के लिए अब तक कोई ठोस पहल नहीं की गई है। जलजमाव के कारण लोगों को रोजमर्रा के कामकाज के लिए भी पानी से होकर गुजरना पड़ रहा है।सबसे ज्यादा परेशानी स्कूली बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं को उठानी पड़ रही है। कई बार सड़क पर पानी इतना अधिक भर जाता है कि बच्चों का स्कूल जाना तक मुश्किल हो जाता है। वहीं लंबे समय तक गंदा पानी जमा रहने से मच्छरों का प्रकोप बढ़ गया है, जिससे डेंगू, मलेरिया सहित अन्य संक्रामक बीमारियों का खतरा भी मंडराने लगा है।ग्रामीणों ने प्रशासन से अविलंब जल निकासी की समुचित व्यवस्था कराने और स्थायी समाधान के लिए प्रभावी कदम उठाने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि समय रहते समस्या का समाधान नहीं किया गया तो बरसात के पूरे मौसम में लोगों को इसी तरह परेशानियों का सामना करना पड़ेगा।

संक्षिप्त खबरें

बेड़ो थाना में मानसिक रूप से विक्षिप्त महिला को मिली सुरक्षा, परिजनों की तलाश जारी

बेड़ो(बिभा): बेड़ो थाना क्षेत्र में एक मानसिक रूप से विक्षिप्त महिला घूमते हुए मिली, जिसे स्थानीय लोगों की सूचना पर बेड़ो थाना लाकर सुरक्षित रखा गया है। महिला अपना नाम चंद्रमणि उरांव बता रही है। उसके अनुसार उसके पिता का नाम पुणे उरांव, माता का नाम बंधाएन उरांव तथा भाईयों का नाम रमेश उरांव, सूका उरांव एवं राजू उरांव है। महिला ने अपना पता ग्राम बरवाटोली, बूढ़ी पाड़ा, जिला गुमला बताया है। पुलिस द्वारा महिला के परिजनों से संपर्क करने का प्रयास लगातार किया जा रहा है ताकि उसे सकुशल उसके घर पहुंचाया जा सके। उक्त जानकारी थाना प्रभारी कफिल अहमद ने दी।

सुप्रीम कोर्ट की पहल 'समाधान समारोह' में शामिल होकर आपसी सहमति से करें विवादों का समाधान : डालसा सचिव

जमशेदपुर(बिभा) । भारत के सर्वोच्च न्यायालय के निदेर्शानुसार समाधान समारोह (विशेष लोक अदालत)-2026 का आयोजन किया जा रहा है। इस विशेष अभियान का उद्देश्य न्याय को सरल, सुलभ एवं त्वरित बनाना तथा आपसी सहमति से लंबित वादों का सौहार्दपूर्ण समाधान सुनिश्चित करना है। डालसा सचिव कुमार सौरभ त्रिपाठी ने बताया कि इस अभियान के अंतर्गत 21 अप्रैल 2026 से प्रारंभ हुए ऐसे मामलों, जिनकी सुनवाई 21, 22 एवं 23 अगस्त 2026 को प्रस्तावित विशेष लोक अदालत में की जानी है, उन्हें आपसी समझौते के माध्यम से निस्तारित करने का अवसर प्रदान किया जाएगा। इसके लिए पूर्व-सुलह बैठकों का आयोजन जिला, अनुमंडल एवं तालुका विधिक सेवा प्राधिकरणों तथा मध्यस्थता केंद्रों में किया जा रहा है। डालसा सचिव ने कहा कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, पूर्वी सिंहभूम ने सभी संबंधित पक्षकारों से अपील की है कि वे इस विशेष लोक अदालत में बढ़-चढ़कर भाग लें तथा अपने मामलों का सौहार्दपूर्ण समाधान कर समय, धन एवं अनावश्यक मुकदमेबाजी से बचें। इस अभियान में भाग लेने के इच्छुक पक्षकारों के लिए गूगल फॉर्म भी उपलब्ध कराया गया है। गूगल फॉर्म भरने की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2026 निर्धारित की गई है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, पूर्वी सिंहभूम के सचिव ने आम जनता से अपील की है कि वे इस सुनहरे अवसर का लाभ उठाएं और आपसी सहमति से अपने विवादों का स्थायी एवं सम्मानजनक समाधान प्राप्त करें।

जेएलकेएम ने दीपक और रतिया गंझू को रांची जिला का वरीय उपाध्यक्ष मनोनीत किया

खलारी(बिभा): झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (जेएलकेएम) ने संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूत बनाने के उद्देश्य से रांची जिले में संगठनात्मक विस्तार करते हुए दीपक कुमार महतो एवं रतिया गंझू को रांची जिला का वरीय उपाध्यक्ष मनोनीत किया है। यह नियुक्ति पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष एवं डुमरी विधायक जयराम कुमार महतो के निर्देश पर की गई।पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व ने दोनों नेताओं को संगठन की मजबूती और जनसरोकारों से जुड़े मुद्दों पर सक्रिय भूमिका निभाने की जिम्मेदारी सौंपी है। नियुक्ति के बाद दीपक कुमार महतो और रतिया गंझू ने केंद्रीय अध्यक्ष, केंद्रीय पदाधिकारियों एवं शीर्ष नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संगठन ने उन पर जो विश्वास जताया है, उस पर वे पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ खरा उतरने का प्रयास करेंगे।दोनों नेताओं ने कहा कि उनकी प्राथमिकता संगठन को गांव-गांव तक मजबूत करना, अधिक से अधिक युवाओं एवं आम लोगों को पार्टी से जोड़ना, कार्यकताओं के साथ समन्वय स्थापित कर संगठन का विस्तार करना तथा जनता की समस्याओं को प्रमुखता से उठाकर उनके समाधान के लिए निरंतर संघर्ष करना होगा। उन्होंने विशेष रूप से विस्थापितों, मजदूरों, किसानों, युवाओं एवं वंचित वर्ग के अधिकारों की लड़ाई को मजबूती से आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता भी जताई।दीपक कुमार महतो और रतिया गंझू की नियुक्ति पर रांची एवं खलारी क्षेत्र के जेएलकेएम कार्यकताओं और समर्थकों में उत्साह का माहौल है। पार्टी नेताओं और कार्यकताओं ने दोनों को नई जिम्मेदारी मिलने पर बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में संगठन रांची जिले में और अधिक मजबूत होगा।

भंडरा डैम से लापता 10 वर्षीय बालक आयुष गोप का शव बरामद, परिजनों में मचा कोहराम

बिभा संवाददाता

इटकी : इटकी थाना क्षेत्र के भंडरा गांव से रविवार दोपहर से लापता 10 वर्षीय बालक आयुष गोप का शव सोमवार को भंडरा डैम से बरामद कर लिया गया। शव मिलने के बाद पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई, जबकि परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। जानकारी के अनुसार, आयुष गोप रविवार दोपहर साइकिल लेकर घर से निकला था, लेकिन देर शाम तक वापस नहीं लौटा। इसके बाद परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। खोजबीन के दौरान भंडरा डैम के समीप उसकी साइकिल और चप्पल मिलने पर डूबने की आशंका जताई गई। सूचना मिलते ही इटकी थाना प्रभारी शिवनारायण तिवारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और स्थानीय ग्रामीणों व गोताखोरों की मदद से देर रात लगभग दो बजे तक डैम में तलाश अभियान चलाया गया, लेकिन सफलता नहीं मिल सकी। सोमवार सुबह पुनः स्थानीय गोताखोरों ने खोज अभियान शुरू किया। करीब दो घंटे की अथक मशक्कत के बाद डैम के बीचोबीच से आयुष का शव बरामद किया गया। घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जुट गए। मासूम का शव बाहर निकलते ही परिजनों का विलाप सुनकर मौजूद लोगों की आंखें भी नम हो गईं। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए रिम्स, रांची भेज दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। प्रारंभिक तौर पर इसे डूबने की घटना माना जा रहा है, हालांकि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मृत्यु के वास्तविक कारणों की पुष्टि हो सकेगी।

बिजली मेंटेनेंस के कार्य को लेकर आज विद्युत आपूर्ति रहेगी बाधित

रांची(बिभा) : जिले के कई इलाकों में बिजली मेंटेनेंस का कार्य 7 जुलाई मंगलवार को किया जाएगा, इस दौरान सुबह 11 बजे से शाम के 3 बजे तक आर्यपुरी, रातू रोड और टंगराटोली, पिस्का मोड़, तारा बाबू लेन, नीयर कुन्दन टायर सहित आसपास के क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। इरबा ग्रीड के न्यू वे से 33 केवी लाइन को जोड़ने के कारण 33 केवी सिकिदिरी-विकास फीडर का शटडाउन लिया जाएगा। इस दौरान, विद्युत आपूर्ति अवर प्रमंडल ओरमांझी अंतर्गत सांडी पीएसएस, ब्लॉक चौक पीएसएस, चायबागान पीएसएस एवं चुट्टूपालू पीएसएस के सभी 11केवी फीडर से जुड़े क्षेत्रों की बिजली सप्लाई दोपहर 12 बजे से शाम के 3 बजे तक बाधित रहेगी।

भाजपा सिल्ली मंडल कार्यालय में मनाई गई डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती

बिभा संवाददाता

सिल्ली: भारतीय जनता पार्टी सिल्ली मंडल कार्यालय में सोमवार को डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। इस अवसर पर भाजपा कार्यकताओं ने डॉ. मुखर्जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। मंडल अध्यक्ष अम्बुज रजक ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी एक महान राष्ट्रभक्त, शिक्षाविद् और जनसंघ के संस्थापक थे। उन्होंने एक देश-एक निशान-एक विधान के सिद्धांत के लिए अपना सर्वस्व बलिदान कर दिया। उनके विचार और राष्ट्रवाद आज भी हम सभी के लिए प्रेरणा स्त्रोत हैं। इस मौके पर जिला मंत्री पूर्णिमा सिंह देव, राजेंद्र प्रसाद साय, भेगराज प्रसाद, हरिहर महतो, मेघनाथ महतो, कृष्णा रविदास समेत कई भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

डीबीटी के माध्यम से प्रत्येक लाभुकों के बैंक खाते में हस्तांतरित की गयी चार महीने की 4-4 हजार की पेंशन राशि

रंची(बिभा) : राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी सर्वजन पेंशन योजना के अंतर्गत रांची जिले में अप्रैल 2026 से जुलाई 2026 तक (चार महीने) की पेंशन राशि का भुगतान कर दिया गया है।उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी, रांची श्री मंजूनाथ भजन्त्री के निदेर्शानुसार प्रथम चरण में 1,59,358 लाभुकों के बैंक खातों में उइळ के माध्यम से 63 करोड़ 74 लाख 32 हजार की राशि हस्तांतरित की गई है। प्रत्येक लाभुक के खाते में (चार महीने की) 4,000 की पेंशन राशि भेजी गई है। अनगड़ा, चान्हो, तमाड़ एवं शहर अंचल के लाभुकों का पेंशन भुगतान प्रक्रियाधीन है। जिन लाभुकों के बैंक खाते में अभी तक पेंशन राशि प्राप्त नहीं हुई है, उन्हें अपने बैंक खाते से आधार सीडिंग कराना अनिवार्य है। साथ ही जिला प्रशासन द्वारा वैसे सभी लाभुकों से अनुरोध किया गया है कि वे अपने संबंधित प्रखंड/अंचल कार्यालय में भौतिक सत्यापन अवश्य कराएं, ताकि उन्हें योजना का लाभ निर्बाध रूप से मिलता रहे।

अड़की में एकदिवसीय सुब्रतो कप सह छोटा विजेता फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन

खूँटी (बिभा)। जिले अड़की प्रखंड के प्रोजेक्ट बालिका विद्यालय परिसर चड़ापीढ़ी मैदान में सोमवार को एकदिवसीय सुब्रतो कप सह छोटा विजेता फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया??। कार्यक्रम में उपस्थित प्रखंड विकास पदाधिकारी गुलजार अंजुम एवं अतिथियों के द्वारा दीप प्रज्वलित कर टूनामेंट का विधिवत शुभारम्भ किया गया। प्रतियोगिता में प्रखंड के मध्य एवं उच्च विद्यालय की टीमों में हिस्सा लिया लिटिल चैंप फुटबॉल प्रतियोगिता अंडर -12 में प्रथम पुरस्कार मध्य विद्यालय अड़की एवं दूसरे स्थान पर आवासीय उच्च विद्यालय हूंठ ने अपना स्थान बनाया। वहीं, अंडर-15 सुब्रतो फुटबॉल प्रतियोगिता में बालक वर्ग से प्रथम पुरस्कार राजकीय मध्य विद्यालय अड़की एवं द्वितीय पुरस्कार आवासीय उच्च विद्यालय हूंठ ने प्राप्त किया। आगे बताते चले कि अंडर -15 बालिका वर्ग में प्रथम स्थान कस्तूरबा बालिका आवासीय विद्यालय अड़की एवं द्वितीय स्थान प्लस टू सह उच्च विद्यालय सिंदरी ने प्राप्त किया। साथ ही, अंडर -17 में बालक वर्ग से प्रथम स्थान आवासीय उच्च विद्यालय हूंठ तथा दूसरा स्थान उत्क्रमित उच्च विद्यालय कोटा ने हासिल किया। वहीं बालिका वर्ग से प्रथम स्थान कस्तूरबा आवासीय बालिका विद्यालय अड़की तथा द्वितीय स्थान पर प्लस टू सह उच्च विद्यालय सिंदरी ने अपना स्थान बनाया।

प्रतियोगिता समापन के पश्चात मुख्य अतिथि द्वारा सभी विजेता एवं उपविजेता टीमों के खिलाड़ियों को ट्रॉफी एवं सर्टिफिकेट देकर पुरस्कृत किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रखंड संसाधन व्यक्ति राज किशोर प्रसाद, विपुल हालदार, मुकेश जायसवाल, संगीता देवी सुचिता होरो, संजय कुमार यादव, स्टेला टोप्पो रंजीत कुमार महतो मलाय गोराई, ठाकुर दयाल शर्मा, अंतू लोहार, सुख सहाय, महेश्वर महतो एवं अमित मुंडा का सराहनीय योगदान रहा।

इनर व्हील क्लब ऑफ जमशेदपुर ईस्ट का 16वां इंस्टॉलेशन समारोह संपन्न, संचिता डे बनीं अध्यक्ष

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर। इनर व्हील क्लब ऑफ जमशेदपुर ईस्ट का 16वां इंस्टॉलेशन समारोह गोलमुरी क्लब में गरिमापूर्ण वातावरण में आयोजित किया गया। समारोह में संचिता डे ने वर्ष 2026-27 के लिए क्लब की अध्यक्ष के रूप में पदभार ग्रहण किया। मुख्य अतिथि प्रसिद्ध समाजसेवी एवं रोटेरियन मैत्रेयी चक्रवर्ती सहित इनर व्हील क्लब के डिस्ट्रिक्ट पदाधिकारी तथा जमशेदपुर के विभिन्न इनर व्हील क्लबों के अध्यक्ष एवं सचिव उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान पूर्व सचिव अंजू बाला ने वर्ष 2025-26 में क्लब द्वारा किए गए सेवा कार्यों की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की। पूर्व अध्यक्ष डॉ. मीना मुखर्जी ने अपने कार्यकाल में सहयोग देने के लिए सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए नई अध्यक्ष संचिता डे को पदभार सौंपा।

समारोह का सफल संचालन डॉ. नीलम सिन्हा ने किया। वर्ष 2026-27 की नई कार्यकारिणी में डॉ. मीना मुखर्जी, अंजू बाला , मधुमिता रॉय, संपा उपाध्याय , विनीता एवं रश्मि नारायण ने पदभार ग्रहण किया। समारोह में क्लब के सभी सदस्य उपस्थित रहे।

नारायण प्राइवेट आईटीआई, लुपंगडीह में श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाई गई डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती

शिक्षा, राष्ट्रवाद और सेवा के प्रतीक थे डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी : डॉ. जटाशंकर पांडे

बिभा संवाददाता

चांडिल : नारायण प्राइवेट आईटीआई, लुपंगडीह (चांडिल) में भारत के महान शिक्षाविद्, प्रखर राष्ट्रवादी विचारक, भारतीय जनसंघ के संस्थापक एवं स्वतंत्र भारत के प्रथम उद्योग एवं आपूर्ति मंत्री डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर संस्थान के शिक्षकगण, कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में संस्थान के संस्थापक डॉ. जटाशंकर पांडे ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी उन्होंने ने कहा कि उनका संपूर्ण जीवन राष्ट्र की एकता, अखंडता, शिक्षा, औद्योगिक विकास तथा जनसेवा के लिए समर्पित रहा। उन्होंने बताया कि डॉ. मुखर्जी कम आयु में ही कलकत्ता विश्वविद्यालय के कुलपति बने तथा स्वतंत्र भारत के प्रथम उद्योग एवं आपूर्ति मंत्री के रूप में देश के औद्योगिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

बाद में उन्होंने भारतीय जनसंघ की स्थापना कर राष्ट्रवादी विचारधारा को नई दिशा प्रदान की। अगस्त, 1946 में मुस्लिम लीग ने जंग की राह पकड़ ली और कलकत्ता में भयंकर बर्बरतापूर्वक अमानवीय मारकाट हुई। उस समय कांग्रेस का नेतृत्व सामूहिक रूप से राष्ट्रसेवी था। महापुरुषों का जीवन युवाओं के लिए सदैव प्रेरणास्त्रोत रहेगा। इस अवसर पर मुख्य रूप से एडवोकेट निखिल कुमार, प्राचार्य जयदीप पांडे जी, शांति राम महतो, भगत लाल तेली,प्रकाश महतो, शुभम साहू, देवाशीष मंडल, शशि भूषण महतो, पवन महतो, कृष्णा पद महतो, अजय मंडल,गौरव महतो उपस्थित रहे।

बेड़ो भाजपा मंडल ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पंडित दीनदयाल उपाध्याय को किया नमन

बिभा संवाददाता

बेड़ो. भाजपा मंडल की बैठक सोमवार को सरस्वती शिशु विद्या मंदिर के सभागार में आयोजित की गई. बैठक की शुरूआत डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्रों पर दीप प्रज्वलन एवं पुष्पांजलि अर्पित कर की गई.बैठक की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष बलराम सिंह ने की. इस अवसर पर पूर्व विधायक गंगोत्री कुजूर, रीपू सूदन साहू, विंध्याचल महतो और राजीव रंजन अधिकारी ने संबोधित किया.

वक्ताओं ने पार्टी के पुरोधा डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती पर उनके जीवन और विचारों पर प्रकाश डाला. उन्होंने कहा कि ₹एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान नहीं चलेंगे₹ का नारा देकर डॉ. मुखर्जी ने राष्ट्र की एकता और अखंडता के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया. वक्ताओं ने कार्यकताओं से उनके विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया.बैठक में एसआईआर और बीएलए-2 के कार्यों की समीक्षा भी की गई तथा आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों पर चर्चा हुई. इस अवसर पर भोगेन सोरेन, राकेश केसरी, आनंद साहू, अरुण गुप्ता, गणेश महतो, कमलेश महतो, पार्थ प्रतिम दास गुप्ता, रंजन कुमार गुप्ता, बिरसा उरांव सहित भाजपा के कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे. बैठक के अंत में मनोज कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन किया

मैक्लुस्कीगंज भ्रमण से विद्यार्थियों ने इतिहास, संस्कृति और प्रकृति को करीब से जाना

बिभा संवाददाता

खलारी। पीएम श्री जीएमएस विद्यालय, खलारी के विद्यार्थियों के लिए सोमवार का दिन यादगार रहा। विद्यालय की ओर से आयोजित शैक्षणिक भ्रमण में कक्षा 6, 7 और 8 के 110 छात्र-छात्राओं ने मैक्लुस्कीगंज के प्रमुख ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक स्थलों का भ्रमण कर क्षेत्र की विरासत और प्राकृतिक सौंदर्य को करीब से देखा-समझा।भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने जागृति विहार, डेगाडेगी नदी, राणा कॉटेज, बिरहोर जनजाति की बस्ती, बीएन कॉलेज मैक्लुस्कीगंज तथा रेलवे स्टेशन का अवलोकन किया। शिक्षकों ने प्रत्येक स्थल के इतिहास, सामाजिक महत्व और विशेषताओं की जानकारी देते हुए विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं का समाधान भी किया।शैक्षणिक यात्रा को विधायक प्रतिनिधि मोनू रजक और पूर्व मुखिया आशा देवी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। विद्यालय प्रबंधन ने बताया कि इस तरह के भ्रमण विद्यार्थियों को पुस्तकीय ज्ञान से आगे बढ़कर वास्तविक जीवन से सीखने का अवसर प्रदान करते हैं। साथ ही उनमें इतिहास, संस्कृति और पर्यावरण के प्रति रुचि एवं सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित होती है।इस अवसर पर उत्तरा कुमार, गिरधर मिश्र, अमित संतोष मिंज, सुमन कुमारी, बॉबी गुप्ता, लखन भगत, संजय साहू, मधु कुमारी, पूर्व मुखिया आशा देवी, एसएमसी सदस्य गीता कुजूर सहित विद्यालय के शिक्षक, अभिभावक प्रतिनिधि एवं अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे।

खेलगांव शूटिंग रेंज की बदहाल व्यवस्था पर सख्त हुए मुख्यमंत्री, विश्वस्तरीय सुविधाएं विकसित करने के दिए निर्देश

बिभा संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सोमवार को रांची के खेलगांव स्थित टिकैत उमराव सिंह शूटिंग रेंज का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने रेंज की आधारभूत संरचना, रखरखाव, आधुनिक उपकरणों की उपलब्धता, खिलाड़ियों की सुरक्षा व्यवस्था और प्रशिक्षण सुविधाओं का विस्तृत जायजा लिया। परिसर की बदहाल स्थिति पर नाराजगी जताते हुए उन्होंने अधिकारियों को समयबद्ध ढंग से सुधार कार्य पूरा करने और शूटिंग रेंज को विश्वस्तरीय सुविधाओं के अनुरूप विकसित करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने 10, 25 और 50 मीटर शूटिंग रेंज का निरीक्षण कर वहां उपलब्ध सुविधाओं का बारीकी से अवलोकन किया। उन्होंने खिलाड़ियों को दिए जा रहे प्रशिक्षण, सुरक्षा मानकों, अभ्यास व्यवस्था और आधुनिक उपकरणों की उपलब्धता के संबंध में अधिकारियों से विस्तृत जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान विभागीय मंत्री सुदिव्य कुमार भी उपस्थित रहे।

हेमंत सोरेन ने इस मौके पर कहा कि झारखंड खेल प्रतिभाओं की धरती है और राज्य के खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर प्रदेश का नाम रोशन किया है। ऐसे में उन्हें विश्वस्तरीय प्रशिक्षण, अत्याधुनिक खेल सुविधाएं और बेहतर अभ्यास का वातावरण उपलब्ध कराना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को प्रशिक्षण व्यवस्था और सुदृढ़ करने तथा ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों से आने वाले प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को भी समान अवसर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि खेल केवल प्रतिस्पर्धा का माध्यम नहीं, बल्कि युवाओं में अनुशासन, आत्मविश्वास और व्यक्तित्व विकास का भी प्रभावी साधन है। उन्होंने शूटिंग रेंज के समग्र विकास के लिए विस्तृत कार्ययोजना तैयार कर उसका समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करने को कहा। साथ ही खिलाड़ियों के अभ्यास के लिए सभी आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराने, उपकरणों के उन्नयन, नियमित रखरखाव और तकनीकी व्यवस्थाओं को निर्धारित मानकों के अनुरूप दुरुस्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इन प्रयासों से झारखंड के खिलाड़ियों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं की तैयारी के लिए राज्य में ही बेहतर वातावरण उपलब्ध हो सकेगा।

निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने शूटिंग राइफल से निशाना लगाकर रेंज की कार्यप्रणाली का भी अनुभव लिया। उन्होंने वहां अभ्यास कर रहे खिलाड़ियों से बातचीत कर प्रशिक्षण, उपकरणों और उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की। इसके अलावा अग्नि सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण करते हुए अग्निशामक यंत्र और फायर हाइड्रेंट से संबंधित मॉक ड्रिल की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को नियमित रूप से मॉक ड्रिल आयोजित करने, सीसीटीवी निगरानी व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने तथा सुरक्षा संबंधी सभी मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से भारतीय विदेश सेवा के अधिकारी मोहम्मद शाहिद आलम एवं सुशील प्रसाद ने शिष्टाचार मुलाकात की

बिभा संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से झारखंड मंत्रालय में भारतीय विदेश सेवा (2010 बैच) के अधिकारी मोहम्मद शाहिद आलम एवं सुशील प्रसाद ने शिष्टाचार मुलाकात की। मौके पर मुख्यमंत्री एवं उनके बीच झारखंड सरकार द्वारा संचालित प्रमुख विकासात्मक योजनाओं तथा राज्य में निवेश एवं आर्थिक विकास की संभावनाओं पर चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने राज्य के विकासात्मक लक्ष्यों को आगे बढ़ाने के लिए अंतरराष्ट्रीय साझेदारियों के महत्व पर भी बल दिया, जिनमें प्रवासन एवं गतिशीलता पार्टनरशिप, वन्यजीव पर्यटन की संभावनाएं, कौशल विकास एवं शिक्षा क्षेत्र में सहयोग तथा भारतीय प्रवासी समुदाय की सहभागिता शामिल रहा। साथ ही मुख्यमंत्री एवं भारतीय विदेश सेवा के अधिकारियों के बीच झारखंड की शासन व्यवस्था एवं विकास यात्रा से संबंधित महत्वपूर्ण पहलुओं पर चर्चा हुई। इस अवसर पर राज्य के मुख्य सचिव श्री अविनाश कुमार उपस्थित रहे।

उल्लेखनीय है कि भारतीय विदेश सेवा के अधिकारी मोहम्मद शाहिद आलम वर्तमान में लंदन स्थित भारत के उच्चायोग में कार्यरत हैं, जबकि सुशील प्रसाद नैरोबी स्थित भारत के उच्चायोग में पदस्थापित हैं। भारतीय विदेश सेवा के ये दोनों अधिकारी मध्यावधि प्रशिक्षण कार्यक्रम में सम्मिलित होने हेतु झारखंड प्रवास पर हैं।

संक्षिप्त खबरें

हिन्दपीढ़ी थाना के नए प्रभारी ने पदभार ग्रहण किया

रांची: हिंदपीढ़ी थाना के नए थाना प्रभारी के रूप में अरुण महथा ने पदभार ग्रहण किया। पदभार संभालने के बाद थाना परिसर में पुलिस पदाधिकारियों एवं कर्मियों ने उन्हें बुके भेंट कर उनका स्वागत किया।इस अवसर पर नए थाना प्रभारी अरुण महथा ने कहा कि क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखना, अपराध पर प्रभावी नियंत्रण करना तथा आम जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान उनकी प्राथमिकता होगी। उन्होंने लोगों से पुलिस के साथ सहयोग बनाए रखने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को देने की अपील की।

रिम्स में टीबी के मरीजों को बांटी गई पोषण किट

रांची : रांची स्थित राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) में सोमवार को सेंट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टीट्यूट (सीएमपीडीआई) के कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) सहयोग और आरके एचआईवी एड्स रिसर्च एंड केयर सेंटर के संयुक्त तत्वावधान में निक्षय पोषण योजना के तहत क्षयरोग (टीबी) मरीजों के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान 60 टीबी मरीजों के बीच पोषण किट का वितरण किया गया। कार्यक्रम का आयोजन जिला यक्ष्मा पदाधिकारी डॉ. सिद्धेश्वर बास्की के नेतृत्व तथा रिम्स के टीबी एवं चेस्ट विभागाध्यक्ष डॉ. बृजेश मिश्रा की देखरेख में किया गया। डॉट्स केंद्र के प्रभारी डॉ. टी.के. मिश्रा ने मरीजों को पोषण किट वितरित किए। इस मौके पर उन्होंने कहा कि टीबी उन्मूलन के राष्ट्रीय लक्ष्य को हासिल करने में दवाओं के साथ संतुलित पोषण की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि सामाजिक संस्थाओं और कॉरपोरेट क्षेत्र के सहयोग से मरीजों को बेहतर पोषण उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ में मदद मिल रही है। इस अवसर पर प्रोजेक्ट को-ऑर्डिनेटर दीपक कुमार ने बताया कि आरके एचआईवी एड्स रिसर्च एंड केयर सेंटर के माध्यम से पिछले पांच महीनों में रांची जिले के 1,550 टीबी मरीजों को नियमित रूप से पोषण किट उपलब्ध कराई गई है। उन्होंने कहा कि इस पहल का उद्देश्य मरीजों को पौष्टिक आहार उपलब्ध कराकर उनके स्वास्थ्य लाभ में सहयोग करना और 'टीबी मुक्त भारत' अभियान को गति देना है। कार्यक्रम में प्रोजेक्ट को-ऑर्डिनेटर दीपक कुमार, गुड्डू ठाकुर, उत्सव राज, संस्थान के प्रतिनिधियों तथा रिम्स डॉट्स केंद्र के टीबीएचवी संजय कुमार झा, बसंत भगत, एएनएम बेबी, लैब टेक्नीशियन राजवंश राम, अंजना मेरी टोप्पो, वेरोनिका तिग्गा सहित अन्य स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित रहे। इस अवसर पर मरीजों से नियमित दवा लेने, पौष्टिक आहार अपनाने तथा चिकित्सकीय परामर्श का पालन करने की अपील भी की गई।

रिम्स-2 की मामले की सुनवाई पूरी होने तक न हो कोई नगडी में निर्माण कार्य : एनसीएसटी

बिभा संवाददाता

रांची। राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग (एनसीएसटी) की सदस्य डॉ आशा लकड़ा ने सोमवार को सर्कुलर रोड स्थित न्यू सर्किट हाउस में कुल 15 मामलों की सुनवाई की। इस दौरान उन्होंने कांके प्रखंड स्थित नगड़ी में 222 एकड़ भूमि पर बनने वाले रिम्स-2 मामले की सुनवाई की। उन्होंने बताया कि सुनवाई के दौरान शिकायतकर्ताओं ने अपना पक्ष रखा। संबंधित अधिकारियों ने रिम्स-2 के लिए अधिगृहित की गई 222 एकड़ भूमि और रैयतों की सूची सौंपी। हालांकि उन्होंने यह जानकारी नहीं दी कि अब तक कितने रैयतों को उनकी अधिगृहित भूमि का मुआवजा राशि भुगतान किया गया। संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि एक माह के अंदर जिन रैयतों को उनकी अधिगृहित भूमि का मुआवजा राशि का भुगतान कर दिया गया है, उसकी विस्तृत रिपोर्ट आयोग को उपलब्ध कराएं।

साथ ही आयोग की ओर से विभागीय अधिकारियों को सख्त चेतावनी दी गई है कि जब तक इस मामले की सुनवाई आयोग में चल रही है, तब तक अधिगृहित की गई भूमि पर रिम्स-2 से संबंधित किसी प्रकार का निर्माण कार्य नहीं कराया जाए। उन्होंने कहा कि आयोग ने इस मामले को गंभीरता से लिया है। जिस भूमि पर राज्य सरकार की ओर से रिम्स-2 का निर्माण कराने की योजना है, वह उपजाऊ भूमि है। संबंधित जमीन रैयतों के आजीविका का एकमात्र साधन है। इसलिए राज्य सरकार की ओर से किसी बंजर या परती भूमि पर रिम्स-2 का निर्माण कराया जाए।

सिमडेगा, खूंटी, पूर्वी और प. सिंहभूम में भी बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं की जरूरत

आशा लकड़ा ने कहा कि राज्य के लोगों के लिए पूर्व से ही रिम्स में स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध है। सिमडेगा, खूंटी, पूर्वी और पश्चिमी सिंहभूम में भी बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं की आवश्यकता है। इन जिलों के लोग भी बेहतर स्वास्थ्य सुविधा के लिए रिम्स पहुंचते हैं। गुमला, चैनपुर और डुमरी जैसे क्षेत्रों में डॉक्टर और एंबुलेंस सेवा का अभाव है। इसलिए विभिन्न बीमारियों से पीड़ित ग्रामीण बेहतर इलाज के लिए रिम्स पहुंचते है। राज्य सरकार को इन क्षेत्रों में भी बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जानी चाहिए। वहीं, बोकारो जिले के वैध कारो में वन विभाग और जिला प्रशासन की ओर से काटे गए लाखों पेड़ से संबंधित मामले की सुनवाई करते हुए उन्होंने कहा कि तत्कालीन सीओ ने भी पेड़ काटने की कार्रवाई को गलत ठहराया था। इसलिए जब तक इस मामले की जांच से संबंधित कार्रवाई पूरी नहीं हो जाती, खनन संबंधी कार्यों पर रोक लगाई जाए।

इसी प्रकार, नामकुम थाना क्षेत्र में शिकायतकर्ता की भूमि पर जबरन कब्जा किए जाने से संबंधित मामले की जांच कर संबंधित अधिकारी को निर्देश दिया गया कि पूर्व में जिस अधिकारी के माध्यम से संबंधित जमीन की रजिस्ट्री की गई, उनके विरुद्ध कार्रवाई की जाए।

मंत्री शिल्पी ने भरा अपना एन्यूमरेशन फॉर्म, नागरिकों से भी समय पर फॉर्म भरने की अपील

बिभा संवाददाता

रांची : झारखंड सरकार की कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने भारत निर्वाचन आयोग द्वारा संचालित विशेष गहन पुनरीक्षण 2026 के अंतर्गत अपना एन्यूमरेशन फॉर्म भरते हुए सभी पात्र मतदाताओं से भी निर्धारित समय सीमा के भीतर अपना फॉर्म भरने की अपील की।

मंत्री ने कहा कि सही और अद्यतन मतदाता सूची ही सशक्त लोकतंत्र की आधारशिला है। प्रत्येक पात्र नागरिक की जिम्मेदारी है कि वह अपना एन्यूमरेशन फॉर्म समय पर भरकर जमा करे, ताकि किसी भी योग्य मतदाता का नाम मतदाता सूची से वंचित न रहे।

उन्होंने कहा, मैंने अपना एन्यूमरेशन फॉर्म भर दिया है, क्या आपने भरा? यदि आपने अभी तक फॉर्म नहीं भरा है, तो आज ही यह कार्य पूरा करें। फॉर्म जमा करने की अंतिम तिथि 29 जुलाई 2026 है। अंतिम समय का इंतजार न करें।

मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने सभी नागरिकों से अपने परिवार, रिश्तेदारों एवं आसपास के लोगों को भी इस अभियान के प्रति जागरूक करने और अधिक से अधिक लोगों को समय पर एन्यूमरेशन फॉर्म भरने के लिए प्रेरित करने का आग्रह किया।

ट्रेजरी स्कैम और फर्जी बैंक गारंटी घोटाले पर उठे सवालों का जवाब नहीं मिला जनता को : बाबूलाल

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने परिवहन विभाग में एक गंभीर वित्तीय अनियमितता का आरोप लगा कर राज्य सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाया है। उन्होंने मुख्यमंत्री को संबोधित करते हुए कहा है कि ट्रेजरी स्कैम और फर्जी बैंक गारंटी घोटाले पर उठे सवालों का जवाब अभी तक जनता को नहीं मिला है। इसी बीच एक और गंभीर वित्तीय अनियमितता परिवहन विभाग से सामने आ रही है। यह दशार्ता है कि राज्य में हर जगह, हर विभाग में भ्रष्टाचार का बोलबाला है और सरकार इस पर तनिक भी गंभीर नहीं है।

मरांडी ने सोमवार को सोशल मीडिया के एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा है कि झारखंड में ड्राइविंग लाइसेंस और आरसी कार्ड की प्रिंटिंग का कार्य करने वाली गुड़गांव की रोजमार्टा कंपनी के साथ राज्य सरकार का अनुबंध 22 फरवरी 2026 को समाप्त हो गया था। इसके बाद केवल 22 मार्च 2026 तक का विस्तार दिया गया। इसके बावजूद पिछले लगभग तीन महीनों से बिना किसी वैध अनुबंध और बिना अधिकृत एक्सटेंशन के वही कंपनी कार्य कर रही है और परिवहन विभाग उसे करोड़ों रुपये का भुगतान भी कर रहा है।

मरांडी ने सवालिया लहजे में पूछा है कि आखिर किस नियम के तहत बिना वैध अनुबंध के भुगतान किए जा रहे हैं। इसकी अनुमति किस अधिकारी ने दी। क्या वित्त विभाग को इसकी जानकारी है। क्या सक्षम प्राधिकारी या कैबिनेट से इसकी स्वीकृति ली गई थी या फिर सब कुछ पर्दे के पीछे तय किया गया।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को इस मामले में जवाब देना चाहिए कि यदि किसी आम ठेकेदार का अनुबंध समाप्त हो जाए, तो क्या उसे एक दिन भी बिना एग्रीमेंट के सरकारी कार्य करने दिया जाएगा। यदि नहीं, तो रोजमार्टा कंपनी के लिए अलग नियम क्यों। उसे यह विशेष संरक्षण किसके इशारे पर मिल रहा है।

उन्होंने कहा कि झारखंड की जनता जानना चाहती है कि इस पूरे मामले की जिम्मेदारी कौन लेगा। क्या सरकार इस प्रकरण की निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच कराएगी और दोषियों पर कठोर कार्रवाई करेगी, या फिर इस मामले में भी ट्रेजरी स्कैम की तरह कुछ छोटे कर्मचारियों पर कार्रवाई कर असली जिम्मेदारों को बचाने का प्रयास होगा।

जेपीएससी की 14 वीं सिविल सर्विस पीटी परीक्षा का परिणाम अविलंब रद्द कर सीबीआई जांच की अनुशंसा करें राज्य सरकार: प्रतुल शाहदेव

बिभा संवाददाता

रांची। भारतीय जनता पार्टी के झारखंड प्रदेश के मुख्य प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने जेपीएससी की हालिया प्रतियोगिता परीक्षाओं और परिणामों पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि हेमंत सोरेन सरकार के संरक्षण में जेपीएससी अब योग्यता नहीं, बल्कि अव्यवस्था, अपारदर्शिता और छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ का प्रतीक बन चुका है ।उन्होंने कहा कि एक ओर सिविल सेवा परीक्षा में 103 पदों के लिए 2204 अभ्यर्थियों को सफल घोषित कर दिया जाता है, लेकिन कटऑफ तक जारी नहीं किया जाता, तीनों सदस्यों के हस्ताक्षर तक नहीं होते और मेरिट सूची पर गंभीर सवाल खड़े हो जाते हैं। दूसरी ओर बैकलॉग पीटी परीक्षा में 832 अभ्यर्थियों का एक साथ कोई अता-पता नहीं रहता, जिससे पूरी चयन प्रक्रिया संदेह के घेरे में आ जाती है। यह सामान्य प्रशासनिक भूल नहीं, बल्कि लाखों युवाओं के भविष्य के साथ किया जा रहा क्रूर मजाक है।

प्रतुल शाहदेव ने कहा कि झारखंड में प्रतियोगी परीक्षाएं अब प्रतिभा की नहीं, बल्कि अनिश्चितता, भ्रम और मानसिक प्रताड़ना की परीक्षा बन गई हैं। वर्षों तक परीक्षा नहीं होती, फिर परिणाम आते हैं तो वे विवादों से घिर जाते हैं। कभी मॉडल उत्तर गलत, कभी कटऑफ गायब, कभी हस्ताक्षर नहीं, कभी सैकड़ों अभ्यर्थियों का कोई रिकॉर्ड नही ।प्रतुल ने कहा कि अब जेपीएससी को ह्यझारखंड का भविष्य बर्बाद आयोग और 'झारखंड परीक्षा संकट आयोग' कहना अतिश्योक्ति नहीं होगा।

प्रतुल शाहदेव ने कहा कि ओएमआर शीट में भी बड़े पैमाने पर धांधली की खबरें आ रही है ।उन्होंने उदाहरण देते हुए एक ओएमआर शीट दिखाते हुए बताया कि इस परीक्षार्थी को पहले प्रश्न पत्र में 48 नंबर आए हैं 100 में ।दूसरे पेपर में उसे 97/100 आना चाहिए सफल होने के लिए। परीक्षा विशेषज्ञों के अनुसार यह संभव ही नहीं है। इसलिए पूरी परीक्षा जो है वह संदेह के घेरे में है।

प्रतुल शाहदेव ने कहा कि भाजपा मांग करती है कि जेपीएससी की पीटी परीक्षा को रद्द करते हुए सरकार सीबीआई जांच की अनुशंसा करें। हालिया विवादित परीक्षाओं और परिणामों की भी सीबीआई जांच कराई जाए, सभी कटऑफ, मेरिट निर्धारण की प्रक्रिया और मूल्यांकन का पूरा विवरण सार्वजनिक किया जाए तथा दोषी अधिकारियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए।

मतदाताओं के इन्यूमरेशन फॉर्म भरने में बीएलओ के साथ बीएलए 2 भी निभा रहे अहम भूमिका

7 दिन में लगभग 1 करोड़ मतदाताओं तक पहुंची इन्यूमरेशन फॉर्म

रांची: मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य की प्रगति साझा करते हुए बताया कि राज्य में मतदाताओं के इन्यूमरेशन फॉर्म भरने की प्रक्रिया बेहद तेजी और सुचारू रूप से चल रही है. उन्होंने कहा कि बूथ लेवल अधिकारियों के साथ-साथ मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों द्वारा नियुक्त बूथ लेवल एजेंट भी अपनी जिम्मेदारी को बखूबी समझते हुए जमीनी स्तर पर अत्यंत महत्वपूर्ण और सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं. दोनों के आपसी समन्वय के कारण ही राज्य में विशेष गहन पुनरीक्षण के शुरूआती 7 दिनों के भीतर ही बीएलओ राज्य के लगभग 39.73% कुल 1,05,13,490 मतदाताओं तक सफलतापूर्वक पहुंच चुकी है, जहां घर-घर जाकर पात्र भारतीय नागरिकों का इन्यूमरेशन फॉर्म उपलब्ध कराया गया है.

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि मतदाता सूची का यह विशेष गहन पुनरीक्षण एक पूर्णतः सहभागी प्रक्रिया है, जिसे बिना सबके सहयोग के शत-प्रतिशत सफल नहीं बनाया जा सकता. उन्होंने कहा कि एक शुद्ध, पारदर्शी और त्रुटिहीन मतदाता सूची बनाने के लिए सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों से भी इस अभियान में बढ़-चढ़कर सहयोग करने की अपेक्षा है. उन्होंने राजनीतिक दलों से अपील की कि वे बूथ स्तर पर अपने बीएलए-2 की सक्रियता और उपस्थिति निरंतर बनाए रखें ताकि स्थानीय स्तर पर पात्र भारतीय नागरिकों को ससमय इन्यूमरेशन फॉर्म उपलब्ध कराया जा सक एवं इसका डिजिटाइजेशन भी किया जा सके.

के रवि कुमार ने कहा कि मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों द्वारा नियुक्त बीएलए 2 अपने मतदान केंद्र क्षेत्र के 5 श्रेणी 1.एब्सेंट, 2.शिफ्टेड, 3. डेथ, 4.डुप्लीकेट एवं 5. रिफ्यूज टू साइन (गैर भारतीय) सूची के मतदाता को छोड़कर प्रतिदिन 50 मतदाताओं के इन्यूमरेशन फॉर्म अपने बीएलओ को जमा कर सकते हैं. बशर्ते उन्हें इनके सत्यापन हेतु प्रमाण पत्र भी अपने स्तर से जारी करने होंगे. बीएलए 2 द्वारा दिए गए प्रमाण पत्र में उनके द्वारा निम्न घोषणा एवं सत्यापन अनिवार्य है:झ

मैं एतद्द्वारा घोषित करता/करती हूँ कि मेरे द्वारा दी गई सूचना मुझे सौंपे गए निर्वाचक नामावली (वोटर लिस्ट) के भाग के उचित सत्यापन पर आधारित है और मैं झूठी घोषणा करने के लिए लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 31 के दंडात्मक प्रावधानों से अवगत हूँ. दिनांक, (बी.एल.ए. के पूर्ण हस्ताक्षर),पूरा नाम, दल (पार्टी) का नाम.

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण में बीएलए 2 एवं बीएलओ द्वारा संग्रहित किये गए इन्यूमरेशन फॉर्म को बीएलओ/ बीएलओ सुपरवाईजर द्वारा नियमानुसार वेरिफाई करते हुए इसके डिजिटाइजेशन का कार्य किया जाएगा. उन्होंने कहा कि बीएलए 2 एब्सेंट, शिफ्टेड, डेथ, डुप्लीकेट एवं रिफ्यूज टू साईन (गैर भारतीय) श्रेणी के मतदाताओं की सूची तैयार करेंगें एवं बीएलए 2 के साथ होने वाले बैठक में बीएलओ द्वारा बनाए गए सूची से मिलान भी कराएंगे. उन्होंने कहा कि बीएलए 2 द्वारा वेरिफिकेशन के उपरांत ही एएसडीडी सूची का प्रकाशन किया जाएगा. 5 अगस्त को होने वाले मतदाता सूची के ड्राफ्ट पब्लिकेशन के समय इस सूची को भी प्रकाशित किया जाएगा.

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि विगत के विशेष गहन वाले मतदाता सूची से मैपिंग को सुपीरियर डॉक्यूमेंट के रूप में माना गया है जिन मतदाताओं की मैपिंग हो गई है उन्हें सामान्यतः किसी अन्य प्रकार के दस्तावेज समर्पित नहीं करने होंगे. उन्होंने कहा बीएलओ जब घर घर जाएं तो मतदाताओं से उनका यथासंभव मैपिंग अवश्य कराएं.

रॉंची मंडल के तहत विभिन्न श्रेणियों के लिए ई-नीलामी सूचना

सं.: सी/आरएनसी/ई-ऑक्शन/2026 **दिनांक: 03.07.2026**

भारत के राष्ट्रपति के लिए तथा उनकी ओर से वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, दक्षिण पूर्व रेलवे, रॉंची-834003 द्वारा रॉंची मंडल के तहत ई-नीलामियां आमंत्रित की जाती हैं। सूचीपत्र आईआरईपीएस की वेबसाइट पर पहले की प्रकाशित कर दिया गया है। विवरण नीचे उल्लेखित है: **क्रम सं. एवं श्रेणी; सूचीपत्र सं.; सम्पत्ति का विवरण; नीलामी शुरू; नीलामी समाप्त होने की तारीख** क्रमशः निम्नलिखित हैं: **(1) विज्ञापन;** आरएनसीएडीवीटी51; रॉंची मंडल के तहत वाणिज्यिक प्रचार संविदा (05 अदद आउट ऑफ होम, ट्रेन की बाहरी सतह-05) के लिए ई-नीलामी; 14.07.2026 को 11.00 बजे; 14.07.2026 को 13.00 बजे। **(2) पे एंड यूज;** आरएनसी-पेएनयूज35; रॉंची मंडल के तहत रामगढ़ स्टेशन में पे एंड यूज शौचालय के संचालन एवं प्रबंधन के लिए ई-नीलामी; 15.07.2026 को 10.30 बजे; 15.07.2026 को 11.00 बजे। **(3) कैटरिंग;** आरएनसीसीएटीजी41; रॉंची मंडल के तहत 44 अदद कैटरिंग इकाइयों के लिए ई-नीलामी; 16.07.2026 को 11.00 बजे; 17.07.2026 को 11.00 बजे। **(4) कैटरिंग;** आरएनसीसीएटीजीगुड्सशेड; रॉंची मंडल के तहत नामकोम एवं गोला रोड में कैंटीन गुड्स शेड के लिए ई-नीलामी; 17.07.2026 को 10.00 बजे; 17.07.2026 को 10.00 बजे। **(5) पार्किंग;** आरएनसीपार्किंग54; टांगरबँसली, सिल्ली, ईरगाँव, बानो, सुईसा तथा ईटकी रेलवे स्टेशनों पर पार्किंग के प्रबंधन के लिए ई-नीलामी; 17.07.2026 को 13.00 बजे; 17.07.2026 को 14.20 बजे। **(6) बैटरी संचालित कार;** आरएनसीबीओसी28; हटिया स्टेशन में बैटरी संचालित कार के संचालन के लिए ई-नीलामी; 20.07.2026 को 12.00 बजे; 20.07.2026 को 12.30 बजे। **(7) डिजिलॉकर;** आरएनसीडिजिलॉकर4; हटिया रेलवे स्टेशन में डिजिटल लॉकर सुविधा के संचालन के लिए ई-नीलामी; 21.07.2026 को 11.00 बजे; 21.07.2026 को 11.30 बजे। **टिप्पणी:** प्रत्याशित बोलीदाताओं से आईआरईपीएस की वेबसाइट (**www.ireps.gov.in**) पर ई-नीलामी पट्टा प्रारूप देखने का अनुरोध किया जाता है। ऊपर उल्लेखित सूचीपत्र के अंतर्गत लॉट वार विवरण उपलब्ध है।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, रॉंची

दक्षिण पूर्व रेलवे
मुस्कान के साथ सेवा
(PR-426)

डॉक्टर दंपति के घर से लाखों के जेवरात व नकदी की चोरी, सीसीटीवी भी ले गए चोर

बिभा संवाददाता

बोकारो । शहर के बोकारो थर्मल स्थित डीवीसी अस्पताल में कार्यरत एक डॉक्टर दंपति के आवास से बीती रात अज्ञात चोरों ने अलमारी का ताला तोड़कर लाखों रुपए के जेवरात और नकदी चुरा ले गए। घटना की जानकारी अस्पताल प्रशासन व पुलिस को दी गई है और मामले की जांच जारी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, पीड़ित दंपति में अस्पताल के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. संजय कुमार और उनकी पत्नी, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. संगीता रानी, शामिल हैं। दोनों का आवास संख्या टाइप वन/03 बताया जा रहा है। चोरों ने कमरे में रखी आलमीरा का ताला तोड़कर करीब 15 लाख रुपए मूल्य के जेवरात तथा लगभग 35 हजार रुपए नगद उठा लिए।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि चोरों ने चोरी के समय घर में लगे सीसीटीवी कैमरे भी अपने साथ ले जाने का खुला प्रयास किया, जिससे जांच में बाधा उत्पन्न हुई है। सीसीटीवी कैमरा चोरी होने से आगंतुकों और आस-पास के सीसीटीवी फुटेज पर निर्भर रहकर ही अपराधियों की पहचान करनी पड़ेगी।

घटना की सूचना मिलने के बाद स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और प्राथमिक जांच शुरू कर दी। घर की तलाशी और पैरों के निशान, ताले के टूटे होने तथा आसपास के घरों के कैमरा फुटेज बरामद करने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस ने कहा कि पड़ोसियों से पूछताछ की जा रही है और निकटवर्ती इलाकों के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

पुलिस थाना प्रभारी ने कहा, श्घटनास्थल का सुरक्षा चिन्हांकन कर कर छानबीन की जा रही है। प्रारंभिक पूछताछ में अभी तक कोई सुबूत हाथ नहीं लगा है, लेकिन हम सभी संभावित पहलुओं की जांच कर रहे हैं। उन्होंने आम लोगों से भी अपील की है कि यदि किसी को संदिग्ध गतिविधि दिखाई दी हो या किसी के पास संदिग्ध वस्तु/कम्पोनेंट हो तो तुरंत पुलिस को सूचित करें। मामले ने अस्पताल परिसर व आसपास के आवासीय क्षेत्रों में चिंता बढ़ा दी है।

पुरानी वारंटियों पर सख्त कार्रवाई: बोकारो पुलिस ने 9 फरारों को न्यायिक हिरासत में भेजा

बिभा संवाददाता

बोकारो। पुलिस अधीक्षक नाथू सिंह मीणा के निदेर्शानुसार बीती रात्रि को जिले में अपराधिक घटनाओं की रोकथाम तथा लंबित मामलों के निष्पादन हेतु समकालीन अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान जिले के आठ थानों में सक्रिय जांच-पड़ताल कर वारंटियों की खोजबीन की गई।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक, अभियान में कुल 9 विशेष रूप से वांछित अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया जिन पर विभिन्न संगीन धाराओं के तहत पिछले पाँच से सात वर्षों से फरार थे। गिरफ्तार आरोपियों को त्वरित कानूनी कार्रवाई के बाद न्यायिक हिरासत में भेजा गया। गिरफ्तारों में चतरोचट्टी, पेटरवार, ललपनिया, कसमार, जरीडीह, पेंकनारायणपुर, चन्द्रपुरा तथा चास मुंह सहित कई क्षेत्रों से आरोपी शामिल हैं। एसपी नाथू सिंह मीणा ने बताया कि अभियान का मकसद जिले में शांति-व्यवस्था बनाए रखना और पुराने लंबित मामलों का शीघ्र निष्पादन करना था। अभियान के दौरान कुल 100 गैर जमानती वारंटों का निष्पादन भी किया गया। इसके अतिरिक्त एक संपत्ति कुर्की की कार्रवाई भी अंजाम दी गई।

पुलिस ने कहा कि यह समन्वित मुहिम अपराधियों को चिन्हित कर उनमें फैले भय को कम करने तथा पीड़ितों को न्याय दिलाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। आगे भी ऐसे समकालीन अभियानों को निरंतर जारी रखा जाएगा ताकि जिले में कानून-व्यवस्था और सुरक्षा बनाए रखी जा सके। पुलिस विभाग ने नागरिकों से अपील की है कि कोई भी संदिग्ध सूचना होने पर अपने नजदीकी थाना या हेल्पलाइन पर सूचित करें। अधिकारियों ने आश्वस्त किया कि आप की सूचनाओं को गोपनीय रखा जाएगा और शीघ्र कार्रवाई की जाएगी।

बोकारो में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125 वीं जयंती मनाई गई

बिभा संवाददाता

बोकारो। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) बोकारो नगर के तत्वावधान में सोमवार को भारतीय जनसंघ के संस्थापक और प्रखर राष्ट्रवादी डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती का आयोजन सेक्टर 1 बी स्थित सूर्य सरोवर पर आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा बोकारो नगर अध्यक्ष विशाल गौतम ने की।

कार्यक्रम में भाजपा के वरिष्ठ नेताओं व कार्यकताओं ने डॉ. मुखर्जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। अध्यक्षता के दौरान विशाल गौतम ने कहा कि डॉ. मुखर्जी का आदर्श जीवन और विचार राष्ट्रसेवा तथा अखंड भारत के संकल्प को प्रेरित करते हैं। उन्होंने कहा, श्देश की एकता और अखंडता के लिए उनका बलिदान कभी भुलाया नहीं जा सकता। आज हम सभी उनके दिखाए मार्ग पर चलने का संकल्प दोहराते हैं।श् निवर्तमान विधायक बिरंची नारायण ने भी समारोह में भाग लेते हुए डॉ. मुखर्जी के योगदान और उनके राष्ट्रव्यापी दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि मुखर्जी के विचार वर्तमान पीढ़ी के लिए मार्गदर्शक हैं।

कार्यक्रम में नगर महामंत्री अमित कुमार, लालबाबू सिंह, राज रंजन, मनोज झा, बबलू पांडेय के साथ-साथ युवा मोर्चा के महामंत्री लालबाबू कुमार, ज्ञानचंद साहू, रहा कुमार, कुश कुमार, राकेश कुमार, शंकर त्रिपाठी, दयानंद त्रिपाठी, अतुल सिंह और लक्ष्य कुमार सहित भाजपा बोकारो के समस्त पदाधिकारी व बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती पर वृक्षारोपण कर दी गयी श्रद्धांजलि

बोकारो(बिभा) : स्वच्छ भारत अभियान, झारखंड प्रदेश के प्रदेश संयोजक शशि भूषण ओझा 'मुकुल' के नेतृत्व में सोमवार को पर्यावरण-मित्र चौक, कैंप 2 स्थित पर्यावरण-मित्र वाटिका में भारतीय जनसंघ के संस्थापक और राष्ट्रवादी चिंतक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती के अवसर पर वृक्षारोपण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम के दौरान मुकुल ने कहा कि डॉ. मुखर्जी का सम्पूर्ण जीवन राष्ट्रभक्ति, सांस्कृतिक चेतना और अखंड भारत के संकल्प को समर्पित रहा। उन्होंने कहा, एक राष्ट्र में दो विधान, दो निशान और दो प्रधान नहीं चलेंगे का नारा देकर देश को एक करने के लिए डॉ. मुखर्जी ने प्राणों की आहुति दी। इनके आदर्श, त्याग और बलिदान हम सभी के लिए प्रेरणा स्रोत हैं। मुकुल ने बताया कि भारतीय जनता पार्टी के प्रत्येक कार्यकर्ता को उनके जीवन मूल्यों को आत्मसात करके राष्ट्रसेवा में लगना चाहिए। वृक्षारोपण कार्यक्रम में मृणाल कांत चौबे, ललित प्रसाद, अखिलेश ओझा, अभय कुमार गोलू, बबलू पांडेय, अमित सिंह, राज रंजन, रोहित कुमार सिंह सहित कई प्रमुख भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। आयोजकों ने कहा कि इस श्रेणी के कार्यक्रमों के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ प्रेरणादायक व्यक्तित्वों की स्मृति को भी जिन्दा रखा जाएगा।

डीपीएस चास में सीबीएसई बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 11 मेधावी विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति

चास (बोकारो)(बिभा)। शिक्षा में उत्कृष्टता को बढ़ावा देने की अपनी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए डीपीएस चास ने सीबीएसई बोर्ड परीक्षा 2026 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 11 मेधावी विद्यार्थियों को कुल ?6 लाख की छात्रवृत्ति प्रदान की। विद्यालय परिसर में आयोजित सम्मान समारोह में विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति देकर उनकी प्रतिभा एवं उपलब्धियों का सम्मान किया गया। छात्रवृत्ति योजना का उद्देश्य प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करना तथा अन्य छात्रों को भी उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित करना है। इस अवसर पर प्रेषित अपने संदेश में विद्यालय के प्रो वाइस चेयरमैन श्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी पूंजी उसके शिक्षित और संस्कारित युवा होते हैं। मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित करना केवल उनकी उपलब्धियों का उत्सव नहीं, बल्कि शिक्षा के प्रति समाज की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। उन्होंने विद्यार्थियों से मेहनत, अनुशासन और नैतिक मूल्यों को जीवन का आधार बनाकर आगे बढ़ने की प्रेरणा दी।

खुटरी मे सहिया का चयन

बोकारो(बिभा)। जरीडीह प्रखंड अंतर्गत खुटरी पंचायत के उत्क्रमित मध्य विद्यालय ठाकुर टांड़ में रविवार को राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन के द्वारा नयी स्वास्थ्य सहिया के चुनाव के लिए ग्राम सभा का आयोजन किया गया। अध्यक्षता मुखिया लीलावती देवी ने की।बैठक मे सर्व समिति से सुमन लता सोरेन का चयन किया गया। मौके पर महेश शर्मा, सुनीता देवी ,सहिया मीना देवी ,वार्ड सदस्या रेखा देवी, अनीता देवी, अनिल तिवारी ,धनीलाल मांझी , सुरजन मरांडी, बिंदेश्वर मरांडी, दीपक ,खगेंद्र, विमल टुडू समेत दर्जनों लोग मौजूद रहे।

बोकारो स्टेशन बना आवारा कुत्तों का आशियाना, यात्रियों में असुविधा और सुरक्षा की चिंता

बोकारो(बिभा) : शहर के प्रमुख परिवहन केंद्र बोकारो रेलवे स्टेशन पर हाल के बारिश के दिनों में आवारा कुत्तों की संख्या में तेज बढ़ोतरी देखी जा रही है। यात्रियों और स्टेशन कर्मचारियों ने शिकायत की है कि भारी बारिश के दौरान बड़े समूहों में ये कुत्ते प्लेटफॉर्म, खराब छतों वाली जगहों और स्टेशन परिसर में शरण ले रहे हैं, जिससे यात्रियों को बैठने, टिकट लेना और ट्रेन पकड़ने में असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। यात्री कहना है कि कई बार इन कुत्तों के कारण प्लेटफॉर्म पर धक्का-मुक्की और घबराहट की स्थिति बन जाती है। कुछ यात्रियों ने बताया कि विशेषकर शाम के समय और भीड़ घटने पर कुत्ते प्लेटफॉर्म के बेन्च और सीढ़ियों पर आराम करते दिखाई देते हैं, जिससे बुजुर्ग और बच्चों को डर लगता है। एक ओर रेलवे अधिकारी स्टेशन की स्वच्छता और बेहतर व्यवस्थाओं की सराहना करते नहीं थकते, वहीं दूसरी ओर स्टेशन परिसर में बढ़ती आवारा कुत्तों की मौजूदगी व्यवस्था पर सवाल खड़े कर रही है। यात्रियों का कहना है कि इस समस्या के समाधान के लिए रेलवे प्रशासन को जल्द प्रभावी कदम उठाने चाहिए।

जिला स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी में जीजीपीएस बोकारो का परचम तीन परियोजनाओं को मिला सम्मान

बिभा संवाददाता

बोकारो। गुरु गोबिंद सिंह पब्लिक स्कूल , बोकारो के विद्यार्थियों ने साइंस फॉर सोसाइटी, बोकारो एवं विज्ञान जागरण समिति, झारखंड के संयुक्त तत्वावधान में 4 जुलाई 2026 को डीएवी पब्लिक स्कूल, सेक्टर-4, बोकारो स्टील सिटी में आयोजित जिला स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी-2026 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया। विद्यालय की तीनों टीमों ने विभिन्न वर्गों में पुरस्कार अर्जित कर अपनी वैज्ञानिक सोच, नवाचार एवं रचनात्मक क्षमता का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। जूनियर ग्रुप-1 में कक्षा श्क्क-इ के श्रेयश आनंद एवं कक्षा VII-G के सुतनु विनायक ने 'तालाब से ऊर्जा उत्पादन' परियोजना के माध्यम से प्रथम स्थान (विजेता) प्राप्त किया। उनकी परियोजना 'कार्बन फुटप्रिंट को कम करने तथा पृथ्वी के संरक्षण हेतु स्मार्ट समाधान' विषय पर आधारित थी। जूनियर ग्रुप-2 में कक्षा VIII-C के शारिक शबाब हुसैन एवं आदित्य कुमार ने 'सही कचरा प्रबंधन– पहचानें, निर्णय लें और उचित निस्तारण करें' परियोजना के लिए सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया। उनकी परियोजना 'समाज के हित में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के अभिनव उपयोग' विषय पर आधारित थी।

सीनियर ग्रुप में कक्षा IX-H की अनन्या भारती एवं कक्षा क-ए के सिद्धार्थ रमन ने 'मनोसखा (मन का खयाल, सबसे बड़ा सवाल)' परियोजना प्रस्तुत कर द्वितीय रनर-अप का सम्मान अर्जित किया। उनकी परियोजना 'स्वास्थ्य के लिए तकनीकी नवाचार' विषय पर आधारित थी।

विद्यालय के प्राचार्य अभिषेक कुमार ने इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर सभी विजेता विद्यार्थियों, उनके अभिभावकों एवं मार्गदर्शक शिक्षकों को हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता विद्यार्थियों की वैज्ञानिक सोच, रचनात्मकता, अनुशासन, कठोर परिश्रम तथा नवाचार के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का उत्कृष्ट परिणाम है।

उन्होंने कहा कि गुरु गोबिंद सिंह पब्लिक स्कूल विद्यार्थियों में अनुसंधान, वैज्ञानिक दृष्टिकोण एवं नवाचार की संस्कृति को निरंतर प्रोत्साहित करता है और उन्हें राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित करता रहेगा। इस सफलता के पीछे मार्गदर्शक शिक्षक अजीत कुमार दत्ता एवं श्रेया सिंह का समर्पित मार्गदर्शन, सतत प्रेरणा एवं अथक परिश्रम रहा। उनके कुशल निर्देशन में विद्यार्थियों ने अपनी परियोजनाओं को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत कर निर्णायकों की सराहना प्राप्त की और विद्यालय को गौरवान्वित किया।

ट्रैक्टर चालक ने हेलमेट पहनकर निकाला ट्रैक्टर, लोगों ने बनाई तस्वीरें

बिभा संवाददाता

बोकारो : सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ने के साथ ही लोगों में नियमों के पालन का संदेश तो दिखने लगा है, लेकिन हालिया एक नजारा लोगों को हैरान और मुस्कुराने पर भी मजबूर कर गया। जिले के एक इलाके में एक ट्रैक्टर चालक को हेलमेट पहनकर ट्रैक्टर चलाते हुए देखा गया, जिसे देखकर आसपास खड़े लोग रुक गए और कई लोगों ने उसकी तस्वीरें व वीडियो बना लिए।

मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि चालक ने शव्दिक रूप से सहज मुस्कुराहट के साथ बताया, श्चौक-चौराहों पर ट्रैफिक विभाग द्वारा लगाए गए सीसीटीवी कैमरों का इतना खौफ है कि अब बिना हेलमेट निकलने की हिम्मत नहीं होती। सोचा, सावधानी ही बेहतर है। इस बयान ने उपस्थित लोगों को हंसाने के साथ ही सोचने पर भी मजबूर कर दिया।

घटना के बाद यह दृश्य सोशल मीडिया पर भी तेजी से फैल गया और क्षेत्र में चर्चा का विषय बन गया। कुछ लोगों ने चालक की सावधानी की तारीफ की, तो कुछ ने यह भी कहा कि यह दिखाता है कि नियमों का प्रभाव लोगों के व्यवहार में दिखने लगा है। वहीं, कुछ नागरिकों ने कानून एवं नियमों की सही समझ पर सुझाव भी दिए।

चिन्मय विद्यालय बोकारो पहुंची राष्ट्रीय पुस्तक न्यास की पुस्तक परिक्रमा

बुद्धि एवं विवेक के विस्तार के लिए सबसे उपयोगी पुस्तकें : महेश त्रिपाठी

बिभा संवाददाता

बोकारो। भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के अधीन राष्ट्रीय पुस्तक न्यास (एनबीटी) द्वारा संचालित 'बिहार-झारखंड पुस्तक परिक्रमा' के अंतर्गत 'लाइब्रेरी ऑन व्हील्स' मोबाइल पुस्तक प्रदर्शनी जारी है। ये बसें विभिन्न राज्यों और जिलों में यात्रा करके मोबाइल पुस्तक प्रदर्शनियों का आयोजन करती हैं, जिससे स्कूलों, कॉलेजों और सार्वजनिक स्थानों पर सीधे तौर पर पढ़ने की आदत को बढ़ावा मिलता है। इसे पुस्तक परिक्रमा के नाम से भी जाना जाता है। सोमवार को ये खास बस चिन्मय विद्यालय बोकारो पहुंची। यहां कक्षा छठी से बारहवीं तक के विद्यार्थियों ने इस पुस्तक प्रदर्शनी को देखा और अपनी रुचि के अनुसार किताबें खरीदी। बस का उद्घाटन फीता काटकर विद्यालय सचिव महेश त्रिपाठी ने किया। इस दौरान वरीय उप प्राचार्य नरमेंद्र कुमार एवं उप प्राचार्य डॉ. रोशन शर्मा मौजूद रहे। साथ ही, विद्यालय पुस्तकालय विभाग के पंकज कुमार मिश्रा और आशुतोष कुमार चौबे भी उपस्थित रहे।

विद्यार्थियों ने कतारबद्ध होकर बस का भ्रमण किया। उनकी रुचि के अनुसार अलग - अलग वर्ग एवं श्रेणी के पुस्तक प्रदर्शित किए गए। इस श्लाइब्रेरी ऑन व्हील्सश् में विषयों के अनुसार, जैसे इतिहास, भूगोल, समाजशास्त्र, साहित्य के अनुसार, जैसे अंग्रेजी, उर्दू एवं हिन्दी, काल्पनिक पुस्तकें, नॉन-फिक्शन पुस्तकें, आदि कई विभिन्न प्रकार की पुस्तकें प्रदर्शित की गई। भ्रमण के दौरान कई विद्यार्थियों ने पुस्तकें खरीदी भी और अपने साथियों एवं परिवार को भी इसके लिए प्रेरित करने की बात कही।सचिव महेश त्रिपाठी ने कहा कि पुस्तक विद्यार्थी जीवन का मूल आधार होता है। विभिन्न विषयों के किताब पढ़ने से केवल ज्ञान वृद्धि नहीं होती, बल्कि बुद्धि, समझ एवं दृष्टिकोण पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। उन्होंने विद्यालय के सभी विद्यार्थियों को इसका भ्रमण करने के लिए एवं किताबें खरीदने और पढ़ने के लिए प्रेरित किया। प्राचार्य सूरज शर्मा ने कहा कि विद्यार्थी जीवन के सच्चे साथी किताब ही होते हैं। पुस्तकें ही भविष्य संवारती हैं। उन्होंने बताया कि विद्यार्थियों की उत्सुकता एवं किताबों के प्रति रुचि को देखते हुए इस लाइब्रेरी ऑन व्हील्स को मंगलवार, 7 जुलाई को भी चिन्मय विद्यालय बोकारो में लगाने का निर्णय लिया गया।

स्वस्थ जीवन शैली से व्यक्ति, समाज, राष्ट्र और फिर विश्व स्वास्थ होगा : जयप्रकाश नारायण

बिभा संवाददाता

बोकारो। जनवृत -1 में आरोग्य भारती - बोकारो महानगर की बैठक डॉ० सुबोध कुमार की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक सामूहिक रूप में धन्वन्तरि स्तुति से प्रारंभ हुई। तत्पश्चात अतिथियों को पुष्प गुच्छ तथा शॉल प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर आरोग्य भारती के प्रांत सचिव जयप्रकाश नारायण सिंह ने आरोग्य भारती के कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि आरोग्य भारती व्यक्ति, समाज, राष्ट्र तथा विश्व को स्वस्थ रहने की मंगल कामना करती है । यह तभी संभव है जब हमारी जीवन-शैली स्वस्थ हो। आरोग्य भारती इस पुनीत कार्य हेतु लगातार प्रयासरत करती रहती है।

साथ ही आरोग्य भारती के राष्ट्रीय संगठन सचिव डॉ० अशोक वार्ष्णेय के जुलाई माह में बोकारो प्रवास की सूचना भी दी। धनबाद जिला के अध्यक्ष डॉ० विकास रमण ने कहा कि प्रांत की अपनी सभी इकाइयां यदि मिलकर काम करें तो प्रांत में इसका अच्छा परिणाम दिखाई पड़ेगा। इस अवसर पर आरोग्य भारती बोकारो महानगर के संरक्षक डॉ० नरेन्द्र कुमार राय ने कहा कि प्रकृति में उत्पन्न औषधीय गुणों से उक्त पौधों का सेवन कर हम स्वस्थ रह सकते हैं।

महानगर अध्यक्ष डॉ० सुबोध कुमार ने धन्यवाद करते हुए कहा कि भारत चिकित्सा के क्षेत्र में प्राचीन काल से अग्रणी रहा है। इस अवसर पर प्रांत सचिव जय प्रकाश नारायण सिंह ने बोकारो महानगर आरोग्य भारती की नई कार्यकारिणी की घोषणा भी की । डॉ० साकेत मिश्र एल अध्यक्ष, दीनदयाल शर्मा कार्यकारी अध्यक्ष, अनुरंजन सचिव, मिथिलेश पाण्डेय सह सचिव , डॉ० नरेन्द्र कुमार राय - संरक्षक, पीयूष राय पर्यावरण प्रमुख, ओम प्रकाश - औषधीय प्रचार प्रसार प्रमुख, प्रेमप्रकाश रंजन स्वस्थ जीवन-शैली प्रमुख, संजय कुमार प्रथमोपचार एवं आरोग्य मित्र प्रशिक्षण प्रमुख, उषा कुमारी महिला कार्य प्रमुख, डॉ० सुबोध कुमार धनबाद महानगर एवं जिला, बोकारो महानगर एवं जिला तथा गिरिडीह महानगर एवं जिला के आरोग्य भारती प्रभारी तथा डॉ० रामनारायण सिंह - प्रांत व्यसन मुक्ति प्रमुख बनाए गये। कार्यक्रम का संचालन डॉ० रामनारायण सिंह ने किया। अंत में कार्यक्रम की समाप्ति शांति मंत्र से हुई। इस अवसर पर धनबाद जिला आरोग्य भारती के सचिव विकास ओझा एवं अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

रोटरी क्लब ऑफ बोकारो ने नए रोटरी वर्ष का शुभारंभ सेवा कार्य के साथ किया

बिभा संवाददाता

बोकारो। रोटरी क्लब ऑफ बोकारो स्टील सिटी ने नए रोटरी वर्ष 2026-27 का शुभारंभ सेवा कार्य के साथ किया और शाम में अपने 58वें इंस्टॉलेशन समारोह का भव्य आयोजन संपन्न किया। दिन का आरंभ क्लब के अपनाए हुए गाँव उलगोड़ा में मुस्कान हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के सहयोग से आयोजित सर्वाइकल कैंसर (एचपीवी) टीकाकरण अभियान से हुआ। रोटेरियन डॉ. एस. सी. मुंशी और उनकी पुत्री डॉ. रोली ने 31 बालिकाओं को एचपीवी वैक्सीन की पहली डोज लगाई; इससे ग्रामीण क्षेत्रों में स्त्री स्वास्थ्य जागरूकता और रोकथाम के प्रयासों को मजबूती मिली। बालिकाओं ने अभियान में उत्साहपूर्वक भाग लिया और अभियान सफल रहा। सायंकाल क्लब के सम्मेलन स्थल पर आयोजित 58वें इंस्टॉलेशन समारोह में मुख्य अतिथि पूर्व रोटरी इंटरनेशनल डायरेक्टर रोटेरियन कमल संघवी रहे, जिनके प्रभावशाली और प्रेरक संबोधन ने कार्यक्रम को विशिष्ट बनाया। समारोह की शुरूआत निवर्तमान अध्यक्ष रोटेरियन हरदीप सिंह द्वारा औपचारिक रूप से की गई। कार्यक्रम का संचालन रोटेरियन चंद्रिमा राय ने गरिमा और आत्मविश्वास के साथ किया। मुख्य अतिथि का स्वागत पौधा भेंट कर किया गया और दीप प्रज्ज्वलन के साथ कार्यक्रम का औपचारिक आरंभ हुआ।

निवार्चित कार्यकाल की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए निवर्तमान अध्यक्ष हरदीप सिंह ने सभी सहयोगियों को धन्यवाद दिया। इसके उपरांत निवर्तमान सचिव रोटेरियन घनश्याम दास ने संक्षिप्त परंतु प्रभावशाली सचिवीय प्रतिवेदन प्रस्तुत किया, जिसमें वर्षभर की प्रमुख सेवा गतिविधियों और क्लब की उपलब्धियों का सार प्रस्तुत किया गया। कॉलर एक्सचेंज के समारोह में निक्षेपित नेतृत्व का संक्रमण भी हुआ–निवर्तमान अध्यक्ष हरदीप सिंह ने अध्यक्षीय कॉलर रोटेरियन पूनम त्रेहान को सौंपा तथा निवर्तमान सचिव घनश्याम दास ने सचिवीय कॉलर रोटेरियन देबाशीष साहा को अग्रसारित किया।

नवनिर्वाचित अध्यक्ष रोटेरियन पूनम त्रेहान ने आगामी वर्ष के अपने विजन और योजनाओं का संक्षेप में परिचय दिया तथा क्लब को सामाजिक सेवा के और प्रभावी कार्यक्रमों के लिए प्रेरित किया। पूर्व जिला गवर्नर रोटेरियन महेश केजरीवाल ने रोटरी वर्ष की थीम "Create Lasting Impact" पर प्रकाश डाला और सदस्यों से समाज सेवा के कार्यों को और अधिक समर्पण के साथ आगे बढ़ाने का आह्वान किया। समारोह में क्लब के मेंटर्स और क्लब लर्निंग फैसिलिटेटर को उनके अमूल्य मार्गदर्शन के लिए सम्मानित किया गया। लेडीज कमेटी का नेतृत्व हस्तांतरण भी इसी अवसर पर सम्पन्न हुआ। क्लब की ई-स्मारिका का विमोचन मुख्य अतिथि द्वारा रोटेरियन प्रदीप राय, डॉ. राजदीप और रोटेरियन संजय जैन की उपस्थिति में किया गया। इस मौके पर रोटेरियन संजय जैन को अध्यक्ष पूनम त्रेहान द्वारा स्मृति-चिह्न से सम्मानित किया गया और रोटेरियन सोनल संघवी को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। समारोह का समापन लकी डिप और हैप्पी अनाउंसमेंट्स के साथ हुआ। तत्पश्चात नवनिर्वाचित अध्यक्ष पूनम त्रेहान एवं नवनिर्वाचित सचिव देबाशीष साहा द्वारा प्रायोजित हाउस ऑफ फ्रेंडशिप एवं फेलोशिप का आयोजन किया गया, जिसमें सदस्यों ने आपसी संवाद और सौहार्द बढ़ाने के साथ नए वर्ष के लिए उत्साह व्यक्त किया। उपस्थित सभी ने कार्यक्रम के उत्कृष्ट आयोजन, आत्मीय सौहार्द और उत्साहपूर्ण वातावरण की प्रशंसा की। समारोह ने क्लब के सदस्यों को रोटरी के आदर्श वाक्य "Service Above Self" के अनुरूप एक और वर्ष समाज सेवा के लिए प्रेरित करते हुए सफलतापूर्वक समापन किया।

ग्रामीण स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के लिए मानसिक स्वास्थ्य व आत्महत्या जोखिम प्रबंधन प्रशिक्षण शुरू

बिभा संवाददाता

गुमला : केंद्रीय मनोचिकित्सा संस्थान (सीआईपी), रांची के मनोरोग सामाजिक कार्य विभाग द्वारा भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर) के वित्तीय सहयोग से संचालित परियोजना झारखंड में ग्रामीण (जनजातीय) सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यकताओं (सीएचडब्ल्यू) के लिए मानसिक स्वास्थ्य एवं आत्महत्या जोखिम प्रबंधन प्रशिक्षण की प्रभावशीलता का मूल्यांकनह्व के अंतर्गत प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ सोमवार को सदर अस्पताल कॉन्फ्रेंस हॉल, में किया गया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि एस. एन. चौधरी (सिविल सर्जन) थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. वी. के. चौधरी, निदेशक, केंद्रीय मनोचिकित्सा संस्थान (सीआईपी) रांची ने की।

विशिष्ट अतिथियों के रूप में डॉ. अनुपम किशोर, उपाधीक्षक (डीएस), गुमला; डॉ. सुनील राम, जिला मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी (डीसीएमओ) डॉ. शरीब अहमद, परामर्शदाता मनोचिकित्सक तथा डॉ. कुसुम, मनोरोग सामाजिक कार्यकर्ता, जिला मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम (डीएमएचपी), गुमला उपस्थित रहे।

मुख्य अतिथि एवं अन्य वक्ताओं ने सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि ग्रामीण एवं जनजातीय क्षेत्रों में मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं की सुलभता बढ़ाने, मानसिक रोगों की शीघ्र पहचान, आत्महत्या जोखिम का समय पर आकलन तथा उचित रेफरल सुनिश्चित करने में सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यकताओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने इस प्रशिक्षण कार्यक्रम को राज्य में सामुदायिक मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बताया।

इस परियोजना के अंतर्गत तृतीय चरण में गुमला जिले के 100 सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यकताओं को मानसिक स्वास्थ्य एवं आत्महत्या जोखिम प्रबंधन का प्रशिक्षण दिया जाएगा। परियोजना के अंतर्गत झारखंड के पाँच जिलों के कुल 500 सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यकताओं को प्रशिक्षित किया जाएगा, जिससे समुदाय स्तर पर मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता एवं पहुँच में उल्लेखनीय सुधार होगा।

कार्यक्रम के अंत में डॉ. प्रशांत श्रीवास्तव, सहायक प्राध्यापक एवं प्रभारी, मनोरोग सामाजिक कार्य विभाग, सीआईपी, रांची ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में डॉ. नरेंद्र कुमार सिंह, वरिष्ठ मनोरोग सामाजिक कल्याण पदाधिकारी, सीआईपी, रांची तथा श्री विष्णु सुरेश, मनोरोग सामाजिक कार्य ट्यूटर, सीआईपी, रांची का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

झारखंड विधानसभा की अनागत प्रश्न क्रियान्वयन समिति की बैठक आयोजित

सभी विभाग आपसी समन्वय स्थापित करते हुए समय-सीमा के भीतर आवश्यक कार्रवाई पूरा करें:सूरेश पासवान

बिभा संवाददाता

लातेहार: झारखंड विधानसभा की अनागत प्रश्न क्रियान्वयन समिति के सदस्य सुरेश पासवान की अध्यक्षता में लातेहार परिसदन सभागार में विभिन्न विभागों के वरीय पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक के दौरान समिति के अध्यक्ष सुरेश पासवान ने विधानसभा में प्राप्त अनागत प्रश्नों के निष्पादन, विभागवार कार्रवाई की अद्यतन स्थिति तथा लंबित मामलों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि विधानसभा से प्राप्त सभी अनागत प्रश्नों का समयबद्ध, तथ्यपरक एवं गुणवत्तापूर्ण उत्तर उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें तथा लंबित मामलों का शीघ्र निष्पादन करें। उन्होंने कहा कि विधानसभा की कार्यवाही से संबंधित मामलों में किसी प्रकार की शिथिलता स्वीकार्य नहीं होगी। सभी विभाग आपसी समन्वय स्थापित करते हुए निर्धारित समय-सीमा के भीतर आवश्यक कार्रवाई पूर्ण करें, ताकि जनहित से जुड़े विषयों का प्रभावी एवं पारदर्शी समाधान सुनिश्चित किया जा सके।समिति ने विशेष प्रमंडल, स्वास्थ्य , कृषि, सड़क, जल संसाधन, विद्युत, कल्याण, पर्यटन , खनन सहित कई विभागों की योजनाओं की विस्तृत जानकारी ली।बैठक में विभिन्न विभागों के वरीय पदाधिकारियों ने अपने-अपने विभागों से संबंधित अनागत प्रश्नों की अद्यतन स्थिति से समिति को अवगत कराया तथा आवश्यक जानकारी एवं प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किए।

इस अवसर पर नमन विक्सल कोनगाड़ी सदस्य, अनागत प्रश्न क्रियान्वयन समिति, झारखण्ड, नरेश प्रसाद सिंह सदस्य, अनागत प्रश्न क्रियान्वयन समिति, झारखण्ड, उप विकास आयुक्त सैय्यद रियाज अहमद, वन प्रमंडल पदाधिकारी प्रवेश अग्रवाल, अनुमंडल पदाधिकारी लातेहार दिनेश कुमार, जिला प्रशासन के वरीय पदाधिकारी एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

दलाई लामा के जन्मोत्सव पर निशुल्क दंत जांच शिविर का 35 से अधिक लोगों ने उठाया लाभ

हजारीबाग(बिभा): हजारीबाग कॉलेज ऑफ डेंटल साइंसेस एंड हॉस्पिटल द्वारा दलाई लामा के 91वें जन्मोत्सव के अवसर पर सोमवार को निशुल्क दंत जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 35 से अधिक लोगों के दांतों की निशुल्क जांच की गई तथा उन्हें मुख एवं दंत स्वास्थ्य से संबंधित आवश्यक परामर्श भी दिया गया। इस अवसर पर हजारीबाग कॉलेज ऑफ डेंटल साइंसेस एंड हॉस्पिटल के सचिव डॉ. प्रवीण श्रीनिवास ने कहा कि स्वस्थ जीवन के लिए दांतों की नियमित देखभाल और समय-समय पर जांच अत्यंत आवश्यक है। निशुल्क स्वास्थ्य शिविर समाज के लोगों में जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ समय पर उपचार सुनिश्चित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी संस्थान सामाजिक सरोकारों के तहत इस प्रकार के जनहितकारी निशुल्क शिविर आयोजित करता रहेगा। शिविर को सफल बनाने में हजारीबाग डेंटल कॉलेज के चिकित्सक डॉ. दीपांशु रंजन मिश्रा, पीआरओ राज कुमार, शालू, साक्षी प्रिया, पायल, सायन और प्रणव निखिल का सराहनीय योगदान रहा।

इनरव्हील क्लब ऑफ युवा ने चलाया सीड बम अभियान, झील किनारे फेंके जामुन और आम के बीज

हजारीबाग(बिभा) : पर्यावरण संरक्षण और हरियाली बढ़ाने के उद्देश्य से इनरव्हील क्लब ऑफ युवा द्वारा रविवार को झील के किनारे जामुन एवं आम के सीड बम (बीज बम) फेंककर विशेष पौधरोपण अभियान चलाया गया। क्लब की ओर से प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी इस अभियान की शुरूआत की गई।क्लब की सदस्यों ने बताया कि सीड बम अभियान का उद्देश्य ऐसे स्थानों पर वृक्षों की संख्या बढ़ाना है, जहाँ सीधे पौधरोपण करना संभव नहीं होता। वर्षा ऋतु के दौरान मिट्टी में पड़े ये बीज अनुकूल वातावरण मिलने पर अंकुरित होकर भविष्य में बड़े वृक्ष का रूप ले सकते हैं। इस पहल से पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ जैव विविधता को भी बढ़ावा मिलेगा। क्लब के अनुसार यह अभियान केवल एक दिन तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि आने वाले दिनों में भी लगातार विभिन्न स्थानों पर जामुन एवं आम के सीड बम फेंके जाएंगे, ताकि अधिक से अधिक हरित क्षेत्र विकसित हो सकें।कार्यक्रम में अध्यक्ष सुधा वर्मा,अन्नू अग्रवाल,नूतन प्रसाद, सुधा पसरिचा,गुरमीत, रेनू समेत कई सदस्य शामिल हुई!

जिला परिषद उपाध्यक्ष अनीता देवी ने निर्मित नाली का किया शिलान्यास

लातेहार(बिभा): जिला परिषद उपाध्यक्ष अनीता देवी ने बालूमाथ प्रखंड अंतर्गत पंचायत धाधु के ग्राम हेमपुर से शिव मंदिर जाने के रास्ते स्थित शहदेव गंझू के घर से शिव मंदिर तक नाली निर्माण कार्य का विधिवत शिलान्यास किया। शिलापट्ट के अनुसार इस योजना की प्राक्कलित राशि 2,49,569 है। कार्य का शिलान्यास 6 जुलाई 2026 को जिला परिषद उपाध्यक्ष अनीता देवी द्वारा किया गया। इस अवसर पर अनीता देवी ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं का विकास उनकी प्राथमिकता है। नाली निर्माण से जल निकासी की समस्या दूर होगी, जिससे स्थानीय लोगों को आवागमन में सुविधा मिलेगी और स्वच्छता व्यवस्था में भी सुधार होगा।शिलान्यास कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधि, विक्रांत सिंह,संतोष ठाकुर मनोहर साव, सुधीर गंझू, सुरेन्द्र ठाकुर, बालेसर गंझू, फागू गंझू, महेंद्र गंझू, अरविंद साहनी कलदेव गंझू, राजेश ठाकुर, ग्रामीण एवं बड़ी संख्या में महिलाएँ उपस्थित रहीं। सभी ने योजना के शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निर्माण की अपेक्षा व्यक्त की।

प्रिंस खान गैंग के गुर्गे और पुलिस के बीच मुठभेड़, एक अपराधी घायल, एक गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

रामगढ़। रामगढ़ जिले में अपराधियों पर पुलिस की गोली एक बार फिर चली है। भुरकुंडा ओपी क्षेत्र के रिवर साईड केंद्रीय विद्यालय के समीप प्रिंस खान गैंग के गुर्गे के साथ पुलिस की मुठभेड़ हुई। रांची, रामगढ़ और धनबाद पुलिस की संयुक्त छापेमारी में गैंग का कुख्यात अपराधी शिवराज उर्फ शिवा घायल हुआ है। उसके पैर में गोली लगी है। इस मामले की पुष्टि करते हुए रामगढ़ एसपी मुकेश कुमार लुनायत ने बताया कि पहले शिवराज उर्फ शिवा को पुलिस ने हिरासत में लिया था। उसने जिस जगह पर हथियार छुपाए थे, वहां उसे बरामद करने गया था। लेकिन मौका-ए-वारदात पर जब उसके हाथ हथियार लगा तो उसने पुलिस पर ही गोली चला दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने उसके पैर में गोली मारी है। उसका प्राथमिक उपचार सीसीएल हॉस्पिटल भुरकुंडा में कराया गया। इसके बाद उसे सदर अस्पताल में रेफर कर दिया गया।

एसपी ने बताया कि शिवराज उर्फ शिवा 14 मई को जेल से छूटकर बाहर निकला था। वह पहले राहुल दुबे गैंग और श्रीवास्तव गैंग के लिए काम कर चुका था। वर्तमान समय में प्रिंस खान गैंग और सुजीत सिन्हा गिरोह के लिए काम कर रहा था। जेल से बाहर आने के बाद वह किसी बड़ी घटना को अंजाम देने के फिराक में था। उसने हाल ही में बिहार से चार हथियार और भारी मात्रा में गोलियां मंगाई थी। उसकी इस गतिविधि को लेकर रांची और धनबाद पुलिस की ओर से लगातार रामगढ़ पुलिस को आगाह किया जा रहा था। वह किसी भी जिले में बड़ी वारदात को अंजाम देने वाला था। पूछताछ के दौरान शिवराज उर्फ शिव ने बताया कि उसके पास फिलहाल दो हथियार और 59 गोलियां हैं, जिसे पुलिस ने बरामद किया।

शिवा के साथी आरिज के घर हुई छापेमारी, मिला हथियार

शिव ने पुलिस को बताया कि उसने दो हथियार और 21 गोली अपने एक साथी को दी थी। इसके बाद पुलिस ने कुजू ओपी क्षेत्र के तोपा माइन्स कॉलोनी में छापेमारी की। वहां आरिज आलम के घर से दो हथियार और 21 जिंदा गोली बरामद की। आरिज आलम को भी पुलिस ने पकड़ा है और उससे पूछताछ कर रही है।

छापेमारी में धनबाद और रांची पुलिस के अलावा रामगढ़ एसपी मुकेश कुमार लुनायत, पतरातू एसडीपीओ राघवेंद्र शर्मा, इंस्पेक्टर सत्येंद्र सिंह, भुरकुंडा ओपी प्रभारी उपेंद्र कुमार, पतरातू थाना प्रभारी शिवलाल गुप्ता, बरकाकाना ओपी प्रभारी उमाशंकर वर्मा सहित जिले के अन्य अधिकारी शामिल थे।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर सांसद मनीष जायसवाल ने अर्पित किया श्रद्धा सुमन

बिभा संवाददाता

हजारीबाग : अखिल भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी की 125वीं जयंती के अवसर पर सोमवार को सांसद सेवा कार्यालय, हजारीबाग के सभागार में जयंती समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह में विशेष रूप से हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल शामिल हुए। उन्होंने पार्टी के मार्गदर्शक और आदर्श डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की तस्वीर पर माल्यार्पण एवं पुष्पार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की और नमन किया। इसके बाद वहां उपस्थित सैकड़ों कार्यकताओं और स्थानीय लोगों ने बारी-बारी से श्रद्धासुमन अर्पित किए और उनके पदचिह्नों पर चलने का सामूहिक संकल्प लिया।

मौके पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जीवन राष्ट्र की

एकता, अखंडता और जन-कल्याण के लिए समर्पित था। उन्होंने एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान के खिलाफ जो ऐतिहासिक लड़ाई शुरू की थी, उसे आज धरातल पर उतारा जा चुका है। उनके उसी महान राष्ट्रभक्ति के सपने को वर्तमान समय में देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी दूरदर्शी और जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से पूरी तरह साकार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की नीतियां समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के उत्थान को समर्पित हैं, जो डॉ. मुखर्जी के अंत्योदय के विचार का ही जीवंत रूप है।

भारतीयों के प्रेरणा स्रोत थे, डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी: डॉ रविंद्र राय

बिभा संवाददाता

हजारीबाग: डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी का 125 वां जयंती हर्षोल्लास के साथ ,सदर विधायक प्रदीप प्रसाद के कार्यालय के सभागार में, जिला अध्यक्ष विवेकानंद सिंह की अध्यक्षता में, संपन्न हुई। कार्यकर्ता सम्मेलन व जयंती समारोह का संचालन जिला उपाध्यक्ष कुणाल किशोर व धन्यवाद ज्ञापन पूर्व जिला अध्यक्ष अशोक यादव द्वारा दी गई। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि,पूर्व प्रदेश अध्यक्ष व पूर्व सांसद डॉ रविंद्र कुमार राय उपस्थित हुए। श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जयंती के अवसर पर कार्यकर्ता सम्मेलन किया गया। जिसका विधिवत्त शुभारंभ डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर करते हुए,वंदे मातरम राष्ट्रगीत का उद्घोषक के साथ किया गया एवं समापन जन गण मन राष्ट्रीय गान के साथ किया गया। जिला अध्यक्ष

विवेकानंद सिंह अतिथियों का स्वागत कर, विषय प्रवेश अपने मुखारविंद से किये। मुख्य वक्ता डॉ रविंद्र कुमार राय द्वारा डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए ,उन्होंने कहा की डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जन्म 6 जुलाई 1901 एवं देहांत 23 जून 1953 को हुआ।वे एक महान शिक्षाविद,बैरिस्टर, प्रखर राष्ट्रवादी वक्त और भारतीय जनसंघ के संस्थापक थे। एक देश में ,दो विधान, दो निशान और दो प्रधान नहीं चलेगा का नारा देने वाले भारत माता की सपूत, डॉक्टर मुखर्जी ने कश्मीर को भारत विलय में पूर्ण करने के लिए अपने प्राण न्योछावर कर दिए थे। सबसे कम उम्र के आयु मात्र 33 वर्ष में कोलकाता विश्वविद्यालय के कुलपति बने।स्वतंत्रता के बाद प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के मंत्रिमंडल में पहले उद्योग और आपूर्ति मंत्री बने। परंतु नेहरू लियाकत समझौता का विरोध करते हुए। मंत्रिमंडल और कांग्रेस पार्टी से इस्तीफा दे दिए थे।

जयंती कार्यक्रम के अवसर पर कार्यकताओं को सदर विधायक प्रदीप प्रसाद,प्रदेश कार्य समिति सदस्य सांवरमल अग्रवाल,हरीश श्रीवास्तव, उदयभान नारायण सिंह सहित अनेकों कार्य कर्ता उपस्थित थे। उक्त आशय की जानकारी भाजपा जिला महामंत्री व जिला मीडिया प्रभारी जय नारायण प्रसाद द्वारा दी गई।

श्री श्याम मंदिर निर्माण कमेटी को मिला संचालन का प्रभार

बिभा संवाददाता

रामगढ़: श्री श्याम मंदिर,नेहरू रोड, की चुनावी प्रक्रिया में आगामी सत्र 2026 से 2028 तक के लिए 11 सदस्यों की टीम निर्विरोध निर्वाचित हो गई। मंदिर निर्माण कमेटी के सचिव विष्णु पोद्दार को अध्यक्ष पद सचिव, राजेश अग्रवाल पथरवा उपाध्यक्ष, निर्माण कमेटी के कोषाध्यक्ष तुलसी कुमार अग्रवाल (पिंटू) को सचिव, रोहित कुमार पंसारी सह सचिव , संजय अग्रवाल (मथुरावाले) कोषाध्यक्ष , दिनेश कुमार पोद्दार, ऋषभ अग्रवाल पटवारी, रोहित कुमार शर्मा, सुनील कुमार अग्रवाल, शंभू कुमार अग्रवाल (पटवारी), राजकुमार अग्रवाल (विकी) को कार्यकारिणी सदस्य के लिए निर्वाचित घोषित किए गए। चुनाव अधिकारी सुरेश बगड़िया एवं राजेश कुमार अग्रवाल ने श्री श्याम सेवा ट्रस्ट के सभी नव निर्वाचित अधिकारियों को धन्यवाद दिया एवं श्याम भक्ति से ओत-प्रोत चुनाव से भक्तों में यह संदेश दिया कि श्री श्याम भक्त हमेशा बाबा की सेवा निर्विरोध एवं निर्बाध रूप से करते रहेंगे । विष्णु पोद्दार के नेतृत्व में श्री श्याम मंदिर आगामी सत्र में अपने भक्तिमय कार्यों से बाबा का संदेश जन-जन में फैलाएंगे ऐसी शुभकामनाएं सभी भक्तों ने दी। श्री श्याम सेवा समिति ट्रस्ट के सभी नव निर्वाचित अधिकारियों ने चुनाव के लिए चुनाव अधिकारी सुरेश बगड़िया एवं राजेश कुमार अग्रवाल को धन्यवाद दिया। इसके साथ ही आज श्री श्याम सेवा समिति ट्रस्ट के चुनाव की प्रक्रिया पूरी हो गई, तथा चुनाव समिति भंग कर दी गई।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के 125वें स्मरण पर्व पर लातेहार भाजपा का कार्यकर्ता सम्मेलन संपन्न

बिभा संवाददाता

लातेहार : भारतीय जनता पार्टी, लातेहार जिला कार्यालय में जिला अध्यक्ष बंशी यादव की अध्यक्षता में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के 125वें स्मरण पर्व के अवसर पर भव्य कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश महामंत्री मनोज सिंह ने कार्यकताओं को संगठन की मजबूती, सेवा, समर्पण एवं राष्ट्रहित में निरंतर कार्य करने का संदेश दिया। उन्होंने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के राष्ट्रवादी विचारों और आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। इस

अवसर पर 'मन की बात' कार्यक्रम को गारू मंडल के सभी बूथों पर सफलतापूर्वक सुनने के लिए मुख्य अतिथि द्वारा मंडल प्रभारी एवं मंडल अध्यक्ष को सम्मानित किया गया। साथ ही, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जीवन एवं योगदान पर आधारित प्रदर्शनी का आयोजन किया गया, जिससे कार्यकताओं को उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व की विस्तृत जानकारी प्राप्त हुई।कार्यक्रम में पूर्व विधायक सह प्रदेश कार्य समिति सदस्य हरिकृष्ण सिंह, प्रदेश कार्य समिति सदस्य राजधानी प्रसाद यादव, गढ़वा जिला प्रभारी सह पूर्व जिला अध्यक्ष पंकज कुमार सिंह जिला परिषद अध्यक्षा पूनम देवी नगर पंचायत अध्यक्ष महेश सिंह एवं जिला उपाध्यक्ष राकेश दुबे सहित अनेक वरिष्ठ नेता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन जिला महामंत्री सह जिला सांसद प्रतिनिधि अमलेश कुमार सिंह ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन जिला महामंत्री सह जिला सांसद प्रतिनिधि छोटू राजा ने किया।सम्मेलन में उपस्थित सभी वरिष्ठ नेताओं, पदाधिकारियों एवं सैकड़ों भाजपा कार्यकताओं ने संगठन को और अधिक सशक्त बनाने तथा डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के राष्ट्रवादी विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

नमोकार चालीसा में भक्ति का उमड़ रहा सैलाब, मुनि श्री सुयश सागर जी व कौशल्य सागर जी के सानिध्य में झूम रहे श्रद्धालु

बिभा संवाददाता

हजारीबाग: परम पूज्य मुनि श्री 108 सुयश सागर जी महाराज एवं परम पूज्य मुनि श्री 108 कौशल्य सागर जी महाराज के हजारीबाग आगमन के बाद जैन समाज में धार्मिक उत्साह अपने चरम पर है। नगर में प्रतिदिन आयोजित हो रहे धार्मिक कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में श्रद्धालु भाग लेकर धर्म लाभ प्राप्त कर रहे हैं।

इसी क्रम में रविवार की देर शाम बड़ा बाजार स्थित श्री दिगंबर जैन मंदिर में भव्य नमोकार चालीसा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। मंदिर परिसर नमोकार मंत्र, भक्ति गीतों और जयकारों से गूंज उठा। श्रद्धा और आस्था के इस अनूठे संगम में पुरुष, महिलाएं, युवा एवं बच्चों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। नमोकार चालीसा के सामूहिक पाठ के दौरान पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। भक्ति रस में डूबे श्रद्धालु मंत्रोच्चार और भजनों पर भाव-विभोर होकर झूमते नजर आए। हर ओर धर्म, भक्ति और उल्लास का अद्भुत दृश्य देखने को मिला। श्रद्धालुओं ने कहा कि पूज्य मुनि श्री के पावन सान्निध्य में आयोजित ऐसे कार्यक्रम आत्मिक शांति, आध्यात्मिक ऊर्जा और धार्मिक संस्कारों को मजबूत करने का माध्यम बनते हैं। आयोजन के अंत में विश्व शांति, समाज की सुख-समृद्धि और सभी के मंगलमय जीवन की कामना के साथ सामूहिक प्रार्थना की गई। कार्यक्रम में जैन समाज के बड़ी संख्या में गणमान्य लोग एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

योगी के घर लंच, केशव के घर चाय और ब्रजेश के घर आम पार्टी के जरिये भाजपा ने दिया बड़ा संदेश

नीरज कुमार दुबे

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के दो दिवसीय लखनऊ दौरे ने यह साफ कर दिया कि पार्टी ने 2027 के मिशन की औपचारिक शुरूआत कर दी है। संगठनात्मक बैठकों, रणनीतिक विमर्श और सहयोगी दलों के साथ लगातार संवाद के बीच रविवार का दिन राजनीतिक संदेशों से भरा रहा।

उत्तर प्रदेश की राजनीति में रविवार को केवल दावतें नहीं हुईं, बल्कि भाजपा ने लंच, मैंगो पार्टी और चाय पार्टी के जरिए 2027 की चुनावी एकजुटता का खुला संदेश दिया। देखा जाये तो उत्तर प्रदेश की राजनीति में कुछ दृश्य केवल राजनीतिक कार्यक्रम नहीं होते बल्कि वे सीधे सत्ता और संगठन के भीतर के संदेश बन जाते हैं। वर्ष 2022 के चुनावों से ठीक पहले जिस तरह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के घर पहुंचे थे, उसी राजनीतिक संकेत को भाजपा ने इस बार और ज्यादा व्यापक रूप में दोहराया। फर्क सिर्फ इतना रहा कि इस बार तस्वीर और भी ज्यादा मजबूत दिखाई दी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आवास पर भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन और वरिष्ठ नेताओं का साथ में लंच, फिर उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक के यहां मैंगो पार्टी और उसके बाद उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के घर चाय पार्टी ने साफ कर दिया कि भाजपा का शीर्ष नेतृत्व उत्तर प्रदेश में किसी भी तरह के मतभेद की अटकलों को पूरी तरह खत्म करना चाहता है। योगी, केशव और ब्रजेश की साझा मौजूदगी ने केंद्रीय नेतृत्व को यह भरोसा दिला दिया कि 2027 का चुनाव भाजपा पूरी राजनीतिक एकजुटता, संगठनात्मक तालमेल और साझा रणनीति के साथ लड़ेगी। सत्ता, संगठन और सामाजिक समीकरणों को एक मंच पर लाकर भाजपा ने यह संदेश दे दिया कि चुनावी बिगुल बज चुका है और पार्टी अब पूरी ताकत के साथ मैदान में उतर चुकी है।

देखा जाये तो भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के दो दिवसीय लखनऊ दौरे ने यह साफ कर दिया कि पार्टी ने 2027 के मिशन की औपचारिक शुरूआत कर दी है। संगठनात्मक बैठकों, रणनीतिक विमर्श और सहयोगी दलों के साथ लगातार संवाद के बीच रविवार का दिन राजनीतिक संदेशों से भरा रहा। दिन की शुरूआत भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्षों के साथ चाय पर चर्चा से हुई, जहां संगठन की पुरानी ताकत, पुराने अनुभव और आने वाले चुनाव की नई रणनीति पर गंभीर मंथन हुआ। मुख्यमंत्री

योगी आदित्यनाथ, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी, संगठन महामंत्री बीएल संतोष और कई वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी ने यह संकेत दिया कि भाजपा इस बार चुनाव को केवल सत्ता बचाने की लड़ाई नहीं, बल्कि एक बड़े राजनीतिक अभियान के रूप में देख रही है।

लेकिन असली राजनीतिक संदेश तब सामने आया जब औपचारिक बैठकों के बाद भाजपा नेतृत्व ने अपने अंदाज को पूरी तरह राजनीतिक प्रतीकों में बदल दिया। सबसे पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी और अन्य वरिष्ठ नेता उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक के आवास पहुंचे, जहां आम पार्टी आयोजित की गई थी। राजनीतिक तपिश के बीच आम की मिठास ने माहौल को हल्का जरूर किया, लेकिन इसके भीतर छिपा संदेश बेहद गंभीर था।

ब्रजेश पाठक ने सभी नेताओं का स्वागत किया और प्रदेश के प्रसिद्ध आम परोसे। माहौल में राजनीतिक तनाव की जगह सहज बातचीत, हंसी और आत्मीयता दिखाई दी। सबसे चर्चित क्षण तब आया जब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने हाथ में आम उठाया, उसे दांतों से छीलते हुए मुस्कुराए और फिर उसका स्वाद लिया। वहां मौजूद नेताओं के बीच ठहाके गूंज उठे। यह दृश्य केवल एक अनौपचारिक क्षण नहीं था, बल्कि भाजपा नेतृत्व की अंदरूनी सहजता और पारस्परिक विश्वास का सार्वजनिक प्रदर्शन भी था।

आम पार्टी के बाद पूरा काफिला उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के आवास पहुंचा, जहां चाय पार्टी आयोजित की गई। यहां नितिन नवीन का पारंपरिक अंगवस्त्र पहनाकर स्वागत किया गया और उन्हें भगवान बुद्ध की प्रतिमा भेंट की गई। योगी आदित्यनाथ, बीएल संतोष, ब्रजेश पाठक और अन्य वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी ने इस मुलाकात को और अधिक राजनीतिक महत्व दे दिया।

दरअसल, भाजपा अच्छी तरह जानती है कि उत्तर प्रदेश का चुनाव केवल विकास योजनाओं या चुनावी नारों से नहीं जीता जाता, बल्कि संगठनात्मक एकजुटता और सामाजिक समीकरणों की मजबूती भी उतनी ही महत्वपूर्ण होती है। यही कारण है कि 2022 से पहले जिस तरह योगी आदित्यनाथ का केशव मौर्य के घर जाना चर्चा का केंद्र बना था, उसी तरह इस बार भी वही तस्वीर दोहराकर भाजपा ने यह संदेश देने की कोशिश की कि पार्टी में कोई दूरी नहीं है, कोई खेमेबाजी नहीं है और पूरा नेतृत्व एक साथ खड़ा है।

नितिन नवीन ने भी अपने पूरे दौरे के दौरान बार-बार यही संकेत दिया कि यह समय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में भाजपा के विस्तार का समय है। भाजपा की रणनीति साफ दिखाई दी। एक ओर संगठन को सक्रिय करना, दूसरी ओर राजग सहयोगियों को साथ लेकर चलना और तीसरी ओर नेतृत्व की एकजुट तस्वीर को जनता के सामने रखना।

ताज होटल में आयोजित राजग सहयोगियों की बैठक में राष्ट्रीय लोक दल, निषाद पार्टी, सुभासपा और अपना दल के नेताओं ने जिस तरह 2027 में ऐतिहासिक जीत का दावा किया, उसने भाजपा की चुनावी तैयारियों को और स्पष्ट कर दिया। केशव प्रसाद मौर्य ने साफ शब्दों में कहा कि भाजपा 2027 में योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में लगातार तीसरी बार सरकार बनाएगी। उन्होंने समाजवादी पार्टी पर हमला बोलते हुए कहा कि जनता विकास, सुशासन और सुरक्षा चाहती है, न कि गुंडाराज और परिवारवाद।

देखा जाये तो भाजपा की पूरी कवायद का सबसे बड़ा संदेश यही था कि उत्तर प्रदेश में 2027 का चुनाव केवल सीटों का संघर्ष नहीं होगा, बल्कि राजनीतिक मनोबल, संगठनात्मक शक्ति और नेतृत्व की एकजुटता की भी परीक्षा होगा। योगी आदित्यनाथ, केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक की एक साथ मौजूदगी ने यह साफ कर दिया कि भाजपा ने चुनावी बिगुल फूंक दिया है और पार्टी अब हर स्तर पर अपने कार्यकर्ताओं, सहयोगियों और समर्थकों को यह भरोसा दिलाना चाहती है कि सत्ता और संगठन दोनों पूरी तरह एक सुर में हैं। लखनऊ में रविवार को दिखाई दी यह राजनीतिक तस्वीर केवल चाय और आम पार्टी की तस्वीर नहीं थी, बल्कि 2027 की चुनावी पटकथा का पहला सार्वजनिक दृश्य थी।

संपादकीय

जीवन-रक्षक न्यायिक पहल

कैसी विडंबना है कि जिस जिम्मेदार व्यवहार को शासन-प्रशासन को अपने विवेक का इस्तेमाल करते हुए करना चाहिए, उसकी पहल अदालत को करनी पड़ रही है। हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट ने एक जरूरी नागरिक समस्या की ओर शासन-प्रशासन का ध्यान दिलाया है, जिसे अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है- सड़कों के किनारे छोड़े गए दुर्घटनाग्रस्त वाहन। जिनसे दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। दरअसल, शिमला एयरपोर्ट तक जाने वाली सड़क और जिला अदालत के आस-पास पड़ी अनेक दुर्घटनाग्रस्त गाड़ियों को देखकर ही अदालत ने यह बात कही। कोर्ट का कहना है कि ये दुर्घटनाग्रस्त गाड़ियां सड़क सुरक्षा के लिये खतरा और पर्यावरण के लिये नुकसानदेह हैं। निस्संदेह,यह प्रशासनिक लापरवाही का जीता-जागता उदाहरण है। पहाड़ी राज्यों में, जहां सड़कें संकरी और घुमावदार होती हैं और लगातार भूस्खलन का खतरा बना रहता है, वहां सड़क की हर इंच जगह कीमती होती है। तार्किक ही है कि छोड़ी गई गाड़ियां सड़क की चौड़ाई को कम कर देती हैं। वहीं दूसरी ओर तीव्र मोड़ों पर देखने में बाधा डालती हैं। ये आपातकालीन सेवाओं की आवाजाही में भी बाधक बनती हैं। निस्संदेह, इससे दुर्घटना की आशंका बढ़ जाती है। विशेष रूप से बरसात के मौसम में जब फिसलन भरी सड़कों और कम दृश्यता के कारण वाहन चालक पहले ही ड्राइविंग में मुश्किलों का सामना कर रहे होते हैं। ऐसे में सड़कों को कबाड़खाने में तब्दील करने की इजाजत किसी भी कीमत पर नहीं दी जा सकती। दूसरी तरफ इन दुर्घटनाग्रस्त वाहनों के पर्यावरण पर पड़ने वाले नकारात्मक प्रभाव की भी अनदेखी नहीं की जा सकती। इनका पर्यावरण पर पड़ने वाला प्रभाव भी एक गंभीर समस्या है। क्षतिग्रस्त वाहनों से अक्सर ईंधन, इंजन ऑयल,कूलेंट, ब्रेक फ्लूइड तथा बैटरी एसिड रिसता रहता है। जिससे मिट्टी तथा जल-स्त्रोत प्रदूषित हो सकते हैं। हिमालय पर्वत श्रृंखलाओं जैसे पर्यावरणीय दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्रों में इस तरह के प्रदूषण के दूरगामी घातक प्रभाव हो सकते हैं। निश्चित रूप से पुलिस, परिवहन विभाग, नगर निकायों, बीमा कंपनियों और न्यायपालिका के बीच तालमेल न होने के कारण ही समस्या जटिल बनी हुई है। दुर्घटनाग्रस्त वाहनों के संबंध में जांच लंबित होने, बीमा संबंधी विवादों और दुर्घटनाग्रस्त वाहनों के लिये निर्धारित जगह न होने से यह समस्या जटिल बनी हुई है। इन सभी कारणों से ये दुर्घटनाग्रस्त वाहन सड़कों के किनारे यूं ही पड़े रहते हैं। यही वजह है कि हाईकोर्ट ने समस्या के निदान के लिये एक कारगर एक्शन प्लान की मांग की है। जिसमें जब्त वाहनों के लिये खास यार्ड बनाने, डिजिटल तरीके से पड़ताल, जब्त वाहनों को छोड़ने के लिये समयबद्ध प्रक्रिया और स्क्रैपिंग सेंटरों के जरिये वैज्ञानिक तरीके से रीसाइक्लिंग की सख्त जरूरत है।

चिंतन-मनन

जीवन और मृत्यु

चीन में लाओत्से के समय में ऐसी प्रचलित धारणा थी कि आदमी के शरीर में नौ छेद होते हैं। उन्हीं नौ छेदों से जीवन प्रवेश करता है और उन्हीं से बाहर निकलता है। दो आंखें, दो नाक के छेद, मुंह, दो कान, जननेंद्रिय, गुदा। इसके साथ चार अंग हैं- दो हाथ और दो पैर। सब मिला कर तेरह। यही तेरह अंग जीवन के साथी हैं और मृत्यु के भी साथी हैं। यही तेरह जीवन में लाते हैं और यही जीवन से बाहर ले जाते हैं। तेरह का मतलब यह पूरा शरीर। इन्हीं से तुम भोजन करते हो; इन्हीं से जीवन पाते हो; इन्हीं से उठते-बैठते और चलते हो। यही तुम्हारे स्वास्थ्य का आधार हैं और यही मृत्यु का भी आधार होंगे। क्योंकि जीवन और मृत्यु एक ही चीज के दो नाम हैं। इन्हीं से जीवन तुम्हारे नाम आएगा, इन्हीं से बाहर जाएगा। इन्हीं से शरीर के भीतर खड़े हो। इन्हीं के साथ शरीर टूटेगा, इनके द्वारा ही टूटेगा। हैरानी की बात है। यही तुम्हें संभालते हैं और यही मिटाएंगें। भोजन तुम्हें जीवन देता है, शक्ति देता है और भोजन की शक्ति से अपने भीतर की मृत्यु को बड़ा किये चले जाते हो। भोजन तुम्हें बुढ़ापे तक पहुंचा देगा, मृत्यु तक पहुंचा देगा। आंख, नाक, कान से जीवन की श्वास भीतर आती है। उन्हीं से बाहर जाती है। नौ द्वार और चार अंग। लाओत्से कहता है- तेरह ही जीवन के साथी, तेरह ही मौत के साथी। ये तेरह ही ले जाते हैं। अगर तुम सजग हो जाओ तो तुम चौदहवें हो। इन तेरह के पार हो। इस तेरह की संख्या के कारण चीन और फिर धीरे-धीरे सारी दुनिया में, तेरह का आंकड़ा अपशकुन हो गया। इस सुपरस्टीशन की पैदाइश चीन में हुई। अमेरिका में होटलों में तेरह नंबर का कमरा नहीं होता; तेरह नंबर की मंजिल भी नहीं होती। क्योंकि कोई तेरह नंबर पर ठहरने को राजी नहीं है। तेरह शब्द से ही घबराहट होती है। बारह नंबर के कमरे के बाद चौदह नंबर आता है। असल में होता तो वह तेरहवां ही है, लेकिन जो ठहरता है, उसे चौदह याद रहता है। तेरह की चिंता नही पकड़ती।

चीन में बड़े अर्थपूर्ण कारण से यह विश्वास फैला। तेरह अपशकुन है। तुम चौदहवें हो और तुम्हें चौदहवें का कोई पता भी नहीं। तुम न जीवन हो, न मौत। तुम दोनो के पार हो। अगर इन तेरह के प्रति सजग हो जाओगे, पृथक हूं, मै अन्य हूं। शरीर और, मैं और। और यह जो भीतर भिन्नता, शरीर से अलग चैतन्य का अविर्भाव होगा, इसकी न कोई मृत्यु है, न कोई जीवन है। यह न कभी पैदा हुआ, न कभी मरेगा।

क्षमा से ही खिलता है जीवन का सच्चा सौंदर्य

कांतिलाल मांडोत

हर वर्ष 7 जुलाई को विश्व क्षमा दिवस मनाया जाता है। इस दिवस का उद्देश्य लोगों को पुराने मतभेदों, कटु स्मृतियों और वैरभाव को भुलाकर स्वयं तथा दूसरों को क्षमा करने के लिए प्रेरित करना है। वर्ष 1994 में कनाडा में क्राइस्ट्स एंबेसडर्स क्रिश्चियन एंबेसी द्वारा इस दिवस की शुरूआत की गई थी। आज यह दिन केवल किसी एक देश या समुदाय तक सीमित नहीं रहा, बल्कि पूरी दुनिया में शांति, प्रेम, सहिष्णुता और मानवीय मूल्यों का संदेश देने वाला अवसर बन चुका है। आधुनिक जीवन की भागदौड़, तनाव, प्रतिस्पर्धा और स्वार्थ के बीच क्षमा का महत्व पहले से कहीं अधिक बढ़ गया है। यह केवल एक शब्द नहीं बल्कि जीवन को प्रकाशमान करने वाली ऐसी साधना है, जो व्यक्ति के भीतर के अंधकार को समाप्त कर देती है।

क्षमा का अर्थ केवल किसी से औपचारिक रूप से यह कह देना नहीं कि मैं तुम्हें क्षमा करता हूँ। वास्तविक क्षमा हृदय की अनुभूति है। जब मन से क्रोध, ईर्ष्या, द्वेष और प्रतिशोध का भाव समाप्त हो जाता है, तभी सच्ची क्षमा जन्म लेती है। क्षमा अंतरात्मा का वह प्रकाश है जो मनुष्य को भीतर से निर्मल और शांत बनाता है। यही कारण है कि भारतीय संस्कृति में क्षमा को धर्म, तप और महानता का प्रतीक माना गया है। शास्त्रों में कहा गया है कि क्षमा वीरस्य भूषणम्, अर्थात क्षमा वीरों का आभूषण है। जो स्वयं पर विजय प्राप्त कर लेता है, वही वास्तव में दूसरों को क्षमा करने की क्षमता रखता है।

विश्व क्षमा दिवस का महत्व केवल आध्यात्मिक दृष्टि से ही नहीं, बल्कि मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। अनेक स्वास्थ्य अध्ययनों में यह प्रमाणित हो चुका है कि क्षमा करने वाला व्यक्ति तनाव, चिंता और अवसाद से अपेक्षाकृत जल्दी मुक्त हो जाता है। जब मन में कटुता रहती है तो उसका प्रभाव शरीर पर भी पड़ता है। रक्तचाप बढ़ता है, नींद प्रभावित होती है और मन अशांत बना रहता है। इसके विपरीत क्षमा का भाव मानसिक शांति, सकारात्मक सोच और भावनात्मक संतुलन प्रदान करता है। इसलिए क्षमा केवल दूसरों के लिए नहीं बल्कि स्वयं के लिए भी सबसे बड़ा उपहार है।

भारतीय संस्कृति में क्षमा की परंपरा अत्यंत प्राचीन और समृद्ध रही है। विशेष रूप से जैन धर्म में क्षमा को आत्मशुद्धि का सर्वोच्च साधन माना गया है। चातुर्मास के दौरान आने वाले पर्यूषण पर्व के समापन पर संवत्सरी महापर्व मनाया जाता है। इस दिन प्रत्येक जैन श्रद्धालु अपने द्वारा जाने-अनजाने में हुई सभी भूलों के लिए सभी प्राणियों से क्षमा याचना करता है। वह विनम्र भाव से कहता है– मिच्छामि दुक्कडम्, अर्थात यदि मुझसे मन, वचन या कर्म से कोई भूल हुई हो तो मुझे क्षमा करें। इसी भावना को प्राकृत गाथा में व्यक्त किया गया है–

खामेमि सव्वे जीवा, सव्वे जीवा वि खमंतु में। मित्ति में सव्व भूएसु, वेरं मज्झं न केणइ॥

इसका भावार्थ है कि मैं सभी जीवों से क्षमा मांगता हूँ, सभी जीव मुझे क्षमा करें। मेरा सभी प्राणियों के साथ मैत्रीभाव है और किसी के प्रति कोई वैर नहीं है। यह संदेश केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवता के लिए शांति का सूत्र है।

क्षमा का वास्तविक अर्थ तभी सार्थक होता है जब हम केवल अपने प्रियजनों से ही नहीं बल्कि उन लोगों से भी क्षमा मांगें या उन्हें क्षमा करें जिनसे हमारे संबंधों में कटुता आ गई हो। अक्सर देखा जाता है कि लोग औपचारिक रूप से क्षमायाचना का संदेश भेज देते हैं, लेकिन मन में द्वेष बनाए रखते हैं। ऐसी क्षमा केवल शब्दों तक सीमित रहती है। सच्ची क्षमा वही है जो हृदय की गहराइयों से निकले और संबंधों में नई मधुरता का संचार करे। यदि हम अपने विरोधी के प्रति भी मैत्रीभाव रख सकें, तभी क्षमा का वास्तविक स्वरूप प्रकट होता है।

जीवन में कषाय अर्थात क्रोध, मान, माया और लोभ ही अधिकांश दुखों का कारण बनते हैं। जैन आगमों में कहा गया है कि कषाय ही कर्मों का मूल कारण है। इसलिए मनुष्य को अपने भीतर उठने वाले क्रोध और अहंकार को शीघ्र समाप्त कर देना चाहिए। परिवार और समाज में अधिकांश विवाद छोटी-छोटी बातों से प्रारंभ होते हैं, लेकिन यदि समय रहते क्षमा और संवाद का मार्ग अपनाया जाए तो बड़े से बड़ा विवाद भी समाप्त हो सकता है। क्षमा संबंधों को जोड़ती है, जबकि अहंकार उन्हें तोड़ देता है।

इतिहास और धर्मग्रंथों में ऐसे अनेक उदाहरण मिलते हैं, जहाँ क्षमा ने असंभव प्रतीत होने वाली परिस्थितियों को भी बदल दिया। भगवान महावीर ने अपने विरोधियों के प्रति भी करुणा और क्षमा का भाव रखा। भगवान राम ने अपने धैर्य और विनम्रता से अनेक कठोर परिस्थितियों को सहज बना दिया। भगवान विष्णु ने भृगु ऋषि के पदाघात को भी सहजता से स्वीकार किया। भगवान बुद्ध ने अपमान और कटु वचनों का उत्तर भी शांत मुस्कान से दिया। महात्मा गांधी ने भी सत्य और अहिंसा के साथ क्षमा को अपने जीवन का आधार बनाया। इन सभी महापुरुषों ने सिद्ध किया कि क्षमा दुर्बलता नहीं बल्कि आत्मबल और आध्यात्मिक शक्ति का सर्वोच्च स्वरूप है।

आज का समाज अनेक प्रकार के तनाव, पारिवारिक विघटन, सामाजिक संघर्ष और मानसिक अशांति से जूझ रहा है। ऐसे समय में विश्व क्षमा दिवस हमें आत्मचिंतन का अवसर देता है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि जीवन बहुत छोटा है। यदि हम क्रोध, ईर्ष्या और द्वेष को अपने भीतर स्थान देते रहेंगे तो सबसे अधिक नुकसान हमारा ही होगा। इसलिए आवश्यक है कि हम अपने मन को शुद्ध करें, दूसरों की भूलों को क्षमा करें और अपनी भूलों के लिए विनम्रता से क्षमा मांगें। यही आत्मविकास का सबसे सरल और श्रेष्ठ मार्ग है।

विश्व क्षमा दिवस केवल एक तिथि नहीं बल्कि मानवता का उत्सव है। यह हमें सिखाता है कि प्रेम, करुणा, मैत्री और क्षमा ही स्थायी सुख के आधार हैं। यदि प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन में क्षमा का भाव विकसित कर ले तो परिवारों में प्रेम बढ़ेगा, समाज में सौहार्द स्थापित होगा और विश्व में शांति का वातावरण बनेगा। यही इस दिवस का वास्तविक संदेश है कि हम अपने भीतर के अहंकार को त्यागकर प्रेम और सद्भाव के दीप जलाएँ। आइए, इस विश्व क्षमा दिवस पर हम संकल्प लें कि किसी भी व्यक्ति के प्रति मन में वैरभाव नहीं रखेंगे। यदि हमसे किसी के प्रति कोई भूल हुई है तो विनम्रतापूर्वक क्षमा मांगेंगे और जिसने हमें कष्ट पहुँचाया है, उसे भी खुले मन से क्षमा करेंगे। यही आत्मशुद्धि का मार्ग है, यही धर्म का सार है और यही मानव जीवन की सबसे बड़ी विजय है। सच ही कहा गया है–

प्रेम क्षमा सद्भाव का संवत्सर दिन खासआतप घटे कषाय का बढ़े धर्म की प्यास।

डिजिटल पायरेसी पर निर्णायक प्रहार जवाबदेही के नए दौर में डिजिटल प्लेटफॉर्म

विनोद कुमार सिंह

भारत तीव्र गति से डिजिटल अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ रहा है। मनोरंजन,शिक्षा,व्यापार, पत्रकारिता और संचार का बड़ा हिस्सा अब ऑनलाइन माध्यमों पर निर्भर है।तकनीकी विकास ने रचनात्मक उद्योगों के लिए अभूतपूर्व अवसर पैदा किए हैं,वहीं डिजिटल पायरेसी जैसी चुनौती भी उतनी ही गंभीर होती गई है।कभी पायरेटेड सीडी और डीवीडी इस अवैध कारोबार का माध्यम थीं, फिर टोरेंट वेबसाइटों का दौर आया और अब एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग प्लेटफॉर्म,क्लाउड स्टोरेज,निजी डिजिटल समूह तथा स्वचालित बॉट नेटवर्क पायरेटेड सामग्री के प्रसार के नए माध्यम बन चुके हैं। ऐसे परिदृश्य में सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा Telegram को जारी नोटिस केवल एक प्रशासनिक कार्रवाई नहीं,बल्कि भारत की डिजिटल शासन व्यवस्था में उभर रहे नए दृष्टिकोण का स्पष्ट संकेत है।सरकार ने Telegram से अपेक्षा की है कि वह केवल शिकायत मिलने पर सामग्री हटाने तक सीमित न रहे,बल्कि अपने प्लेटफॉर्म पर पायरेटेड फिल्मों, ओटीटी सामग्री और अन्य कॉपीराइट संरक्षित ऑडियो- विजुअल कंटेंट की पहचान, रोकथाम और निष्कासन के लिए प्रभावी तंत्र विकसित करे तथा निर्धारित समय में विस्तृत कार्रवाई रिपोर्ट प्रस्तुत करे।यह संदेश भी स्पष्ट है कि डिजिटल मध्यस्थ होने का अर्थ केवल तकनीकी मंच उपलब्ध कराना नहीं,बल्कि कानून के अनुरूप आवश्यक सावधानी और उत्तरदायित्व का पालन करना भी है। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब भारत विश्व के सबसे बड़े फिल्म निर्माण देशों में शामिल होने के साथ-साथ सबसे तेजी से बढ़ते ओटीटी बाजारों में भी अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा चुका है।भारतीय भाषाओं की फिल्में और वेब सीरीज आज वैश्विक दर्शकों तक पहुँच रही हैं। डिजिटल माध्यमों ने छोटे शहरों के कलाकारों,स्वतंत्र फिल्मकारों और नए रचनाकारों को भी विश्वस्तरीय मंच प्रदान किया है।यह परिवर्तन केवल मनोरंजन उद्योग तक सीमित नहीं, बल्कि भारत की उभरती हुई क्रिएटर इकोनॉमी का आधार बन चुका है। डिजिटल पायरेसी का सबसे बड़ा नुकसान केवल फिल्म निमार्ता तक सीमित नहीं रहता।किसी भी फिल्म या वेब सीरीज के निर्माण में लेखक,निर्देशक, संगीतकार, गीतकार, अभिनेता, तकनीशियन, कैमरामैन, संपादक, ध्वनि विशेषज्ञ,ग्राफिक्स कलाकार, वितरक,प्रचार एजेंसियाँ और हजारों प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष कर्मचारी जुड़े होते हैं। किसी फिल्म की वैध आय में कमी का अर्थ इन सभी के श्रम और निवेश का अवमूल्यन है। यही कारण है कि विकसित देशों में बौद्धिक संपदा संरक्षण को आर्थिक विकास,नवाचार और निवेश की अनिवार्य शर्त माना जाता है।भारत में भी कॉपीराइट संरक्षण के लिए पर्याप्त कानूनी व्यवस्था उपलब्ध है।सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम,2000,सूचना प्रौद्योगिकी(मध्यस्थ दिशानिर्देश एवं डिजिटल मीडिया आचार संहिता) नियम, 2021,कॉपीराइट अधिनियम, 1957 तथा सिनेमैटोग्राफ अधिनियम के विभिन्न प्रावधान डिजिटल माध्यमों पर होने वाले उल्लंघनों से निपटने का आधार प्रदान करते हैं। न्यायपालिका ने भी समय-समय पर जॉन डो अथवा अशोक कुमार आदेश तथा डायनेमिक इंजंक्शन जैसी व्यवस्थाओं के माध्यम से यह स्वीकार किया है कि डिजिटल अपराध स्थिर नहीं होते, इसलिए उनके समाधान भी तकनीक के अनुरूप गतिशील होने चाहिए।विश्व के अनेक देशों ने इसी अनुभव के आधार पर डिजिटल प्लेटफॉर्मों की जवाबदेही बढ़ाई है।अमेरिका में डिजिटल मिलेनियम कॉपीराइट एक्ट,यूरोपीय संघ में डिजिटल सर्विसेज एक्ट तथा जापान, दक्षिण कोरिया और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों की नीतियाँ इस दिशा में स्पष्ट संकेत देती हैं कि तकनीकी कंपनियाँ केवल निष्क्रिय माध्यम बनकर अपनी जिम्मेदारी से मुक्त नहीं हो सकतीं। भारत का वर्तमान दृष्टिकोण भी इसी वैश्विक प्रवृत्ति के अनुरूप दिखाई देता है।

हालाँकि यह विषय केवल कानून लागू करने का नहीं है। डिजिटल प्लेटफॉर्म आज शिक्षा,शोध, व्यापार,नागरिक संवाद और लोकतांत्रिक अभिव्यक्ति के भी प्रमुख माध्यम हैं।करोड़ों भारतीय Telegram जैसे प्लेटफॉर्मों का उपयोग पूरी तरह वैध उद्देश्यों के लिए करते हैं। इसलिए पायरेसी के विरुद्ध किसी भी कार्रवाई में यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि वैध उपयोगकताओं की निजता, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और डिजिटल अधिकारों पर अनावश्यक प्रतिकूल प्रभाव न पड़े। लोकतांत्रिक शासन की सफलता इसी संतुलन में निहित है कि अपराध पर कठोरता हो, लेकिन नागरिक अधिकार सुरक्षित रहें।

आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता, क्लाउड कंप्यूटिंग और एन्क्रिप्टेड संचार प्रणालियों ने डिजिटल पायरेसी को और जटिल बना दिया है।पहले किसी पायरेटेड फिल्म को बड़े पैमाने पर प्रसारित करने के लिए संगठित नेटवर्क की आवश्यकता होती थी,जबकि अब कुछ ही मिनटों में स्वचालित बॉट,निजी समूह और क्लाउड लिंक के माध्यम से वही सामग्री हजारों स्थानों तक पहुँच सकती है। परिणामस्वरूप केवल सामग्री हटाने की पारंपरिक व्यवस्था पर्याप्त नहीं रह गई है। दुनिया भर में अब रोकथाम, पूर्व पहचान और तकनीकी निगरानी आधारित मॉडल पर अधिक बल दिया जा रहा है।भारत के सामने भी यही चुनौती है।किसी एक प्लेटफॉर्म पर कार्रवाई करके डिजिटल पायरेसी की समस्या का स्थायी समाधान संभव नहीं है। इंटरनेट की प्रकृति ऐसी है कि एक माध्यम बंद होने पर दूसरा सक्रिय हो जाता है। इसलिए सरकार ,डिजिटल प्लेटफॉर्म, इंटरनेट सेवा प्रदाता, फिल्म उद्योग,ओटीटी कंपनियाँ, साइबर विशेषज्ञ और कानून-प्रवर्तन एजेंसियों के बीच सतत समन्वय विकसित करना होगा। यह केवल कानूनी नहीं,बल्कि तकनीकी और प्रशासनिक सहयोग का भी विषय है। रचनात्मक उद्योगों को भी समय के अनुरूप अपनी रणनीति बदलनी होगी।अनेक देशों के अनुभव बताते हैं कि जब फिल्में और डिजिटल सामग्री उचित मूल्य पर,उच्च गुणवत्ता के साथ और समय पर वैध मंचों पर उपलब्ध होती हैं,तब पायरेसी स्वतः घटती है।इसलिए केवल दंडात्मक कार्रवाई पर्याप्त नहीं होगी।उपभोक्ता-अनुकूल डिजिटल पारिस्थितिकी,तेज वैध वितरण और किफायती सेवाएँ भी इस लड़ाई का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं।इसके साथ-साथ समाज में बौद्धिक संपदा अधिकारों के प्रति सम्मान विकसित करना भी उतना ही आवश्यक है।हमारे यहाँ अक्सर बिना भुगतान के फिल्म या वेब सीरीज देखना गंभीर अपराध नहीं माना जाता,जबकि वास्तव में यह किसी रचनाकार के श्रम और अधिकार का अतिक्रमण है।जिस प्रकार भौतिक संपत्ति की चोरी सामाजिक रूप से अस्वीकार्य है, उसी प्रकार बौद्धिक संपदा की चोरी को भी नैतिक और सामाजिक स्तर पर अस्वीकार किया जाना चाहिए। यह परिवर्तन केवल कानून से नहीं, बल्कि जन-जागरूकता और शिक्षा से आएगा।ळी ीि को जारी नोटिस का सबसे महत्वपूर्ण संदेश यही है कि भारत में व्यापार करने वाली डिजिटल कंपनियों को भारतीय कानूनों के अनुरूप उत्तरदायी भी होना होगा।भविष्य में संभव है कि अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्मों के लिए भी इसी प्रकार के मानक विकसित किए जाएँ।यदि इनका क्रियान्वयन पारदर्शी, न्यायसंगत और तकनीकी रूप से सक्षम ढंग से किया जाता है,तो भारत अपनी रचनात्मक अर्थव्यवस्था को अधिक सुरक्षित बनाने के साथ-साथ वैश्विक डिजिटल शासन के क्षेत्र में भी संतुलित और उत्तरदायी मॉडल प्रस्तुत कर सकता है।वर्ष 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य की प्राप्ति केवल आधारभूत संरचना, विनिर्माण और निवेश से संभव नहीं होगी। ज्ञान-आधारित अर्थव्यवस्था, फिल्म, संगीत, एनीमेशन, गेमिंग, डिजिटल पत्रकारिता, ऑनलाइन शिक्षा और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित रचनात्मक उद्योग भी भारत की भविष्य की आर्थिक शक्ति के प्रमुख स्तंभ होंगे। इन क्षेत्रों में निवेश तभी बढ़ेगा,जब रचनाकारों को यह विश्वास होगा कि उनके श्रम,प्रतिभा और निवेश की प्रभावी कानूनी सुरक्षा उपलब्ध है। डिजिटल युग में यह केवल फिल्मों की पायरेसी का प्रश्न नहीं रह गया है।यह उस विश्वास की रक्षा का प्रश्न है,जिसके आधार पर कोई लेखक पुस्तक लिखता है,कोई संगीतकार धुन रचता है,कोई फिल्मकार करोड़ों रुपये का निवेश करता है और कोई युवा डिजिटल मंच पर अपने सपनों को आकार देता है।

इंडियाहैंडमेड: भारत की शिल्प विरासत के लिए एक डिजिटल प्लेटफॉर्म

बिहान भारत

इंडियाहैंडमेड एक समर्पित डिजिटल मार्केटप्लेस है जो भारत की हथकरघा और हस्तशिल्प परंपराओं को ऑनलाइन अर्थव्यवस्था में लाता है। यह मंच कारीगरों और बुनकरों को सीधे खरीदारों से जोड़ता है, आजीविका और सांस्कृतिक संरक्षण का समर्थन करते हुए बाजार तक पहुंच का विस्तार करता है। यह जीआई-टैग और ओडीओपी वस्तुओं सहित विविध हस्तनिर्मित उत्पादों को प्रदर्शित करता है, जिससे क्षेत्रीय शिल्प उत्पादों की विभिन्न स्थानों पर मौजूदगी बढ़ती है।

हस्तनिर्मित आजीविका के लिए एक डिजिटल इंडिया ब्रिज

भारत दुनिया की सबसे समृद्ध हथकरघा और हस्तशिल्प परंपराओं में से एक है। यह क्षेत्र न केवल भारत की सांस्कृतिक विरासत का प्रतिनिधित्व करता है, बल्कि समावेशी आजीविका का एक महत्वपूर्ण स्रोत भी है।

भारत में वर्तमान में अनुमानित 64.66 लाख हथकरघा और हस्तशिल्प कारीगर हैं। इस कार्यबल में महिलाओं की काफी भागीदारी है। अगस्त 2025 के आंकड़ों के अनुसार महिलाएं हथकरघा बुनकरों में 71 प्रतिशत और कुल कारीगरों का 64 प्रतिशत हैं। यह मजबूत भागीदारी विशेष रूप से ग्रामीण समुदायों में रोजगार और सशक्तिकरण का समर्थन करने में इस क्षेत्र की भूमिका को दशार्ती है।

बड़ी संख्या में कारीगरों और बुनकरों के बल पर यह क्षेत्र भारत के उभरते बाजार में एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है। जैसे-जैसे वाणिज्य तेजी से डिजिटल होता जा रहा है, ऑनलाइन पहुंच इन शिल्प समुदायों को बाजार में भागीदारी बढ़ाने में मदद कर रही है। डिजिटल इंडिया पहल के माध्यम से, पारंपरिक आजीविका तेजी से डिजिटल व्यापार के अवसरों तक पहुंच प्राप्त कर रही है।

इंडियाहैंडमेड को 2023 में लॉन्च किया गया। यह इस विजन को एक समर्पित डिजिटल मार्केटप्लेस में बदल देता है। वस्त्र मंत्रालय के तहत डिजिटल इंडिया कॉर्पोरेशन द्वारा विकसित, यह प्लेटफॉर्म हस्तनिर्मित उत्पादों की मौजूदगी को बढ़ाता है और विक्रेताओं के लिए बाजार के व्यापक अवसर के द्वार खोलता है।

भारत में इंडियाहैंडमेड प्लेटफॉर्म की मुख्य विशेषताएं

इंडियाहैंडमेड विक्रेताओं, खरीदारों और शिल्प विरासत का समर्थन करने के लिए डिजाइन की गई सुविधाओं के एक सेट के माध्यम से परंपराओं को ऑनलाइन बाजार में लाता है:

विशेष ऑनलाइन मार्केटप्लेस: यह बुनकरों और कारीगरों को अपने हथकरघा और हस्तशिल्प उत्पादों को ऑनलाइन बेचने में सक्षम बनाता है।

खरीदारों की सीधी पहुंच: कारीगर और बुनकर सीधे खरीदारों से जुड़े हुए हैं, जिससे बिचौलियों को कम करने और उचित मुआवजे का समर्थन करने में मदद मिलती है।

अधिक मौजूदगी: प्लेटफॉर्म इंडियाहैंडमेड उत्पादों को व्यापक ग्राहक आधार पर प्रदर्शित करता है, जिससे विक्रेताओं के लिए बाजार के अवसर बढ़ते हैं।

डिजिटल सशक्तिकरण: कारीगरों और बुनकरों को ऑनलाइन व्यापार में अधिक प्रभावी ढंग से भाग लेने के लिए डिजिटल उपकरण और मौजूदगी प्रदान की जाती है।

वित्तीय और सामाजिक सशक्तिकरण: व्यापक बाजार पहुंच आजीविका को मजबूत करती है और आय के अवसरों का समर्थन करती है।

सांस्कृतिक संरक्षण: शिल्प-आधारित उत्पादों की एक विविध श्रृंखला भारत की हस्तनिर्मित विरासत को दृश्यमान रखती है और भविष्य की पीढ़ियों के लिए पारंपरिक कौशल को संरक्षित करने में मदद करती है।

इंडियाहैंडमेड सबसे अलग कैसे

पोर्टल को विश्वास, पहुंच और विक्रेता सशक्तिकरण के आसपास डिजाइन किया गया है। यह एक सहज बाजार प्रदान करता है, जहां कारीगर और बुनकर खरीदारों तक पहुंच सकते हैं और खरीदार अधिक आत्मविश्वास के साथ हस्तनिर्मित उत्पादों की खोज कर सकते हैं।

यह प्लेटफॉर्म रोजमर्रा के हस्तनिर्मित उत्पादों और मान्यता प्राप्त क्षेत्रीय शिल्प के लिए एक क्यूरेटेड डिजिटल स्पेस प्रदान करता है। यह परिधान, घर की सजावट, साज-सज्जा, पेंटिंग, फर्नीचर, धार्मिक वस्तुओं, स्टेशनरी, संगीत वाद्ययंत्र, आभूषण, बैग और जूते सहित उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करता है।

यह जीआई-टैग और ओडीओपी उत्पादों जैसी विशेष उत्पाद श्रेणियों पर भी प्रकाश डालता है। यह मान्यता प्राप्त क्षेत्रीय शिल्प को अधिक मौजूदगी और एक विशिष्ट पहचान प्रदान करता है।

जीआई-टैग किए गए उत्पाद

जीआई-टैग किए गए उत्पादों में एक भौगोलिक संकेत होता है, जो उन्हें एक विशिष्ट क्षेत्र, गुणवत्ता और प्रतिष्ठा से जोड़ता है। यह प्लेटफॉर्म विभिन्न प्रकार के जीआई-टैग वाले उत्पाद जैसे ऐपन कला, शुद्ध पश्मीना शॉल, डोकरा सजावट और मुंडू उत्पाद प्रदान करता है।

ओडीओपी उत्पाद

एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) पहल संतुलित क्षेत्रीय विकास का समर्थन करने के लिए प्रत्येक जिले से एक अद्वितीय उत्पाद की पहचान करती है और उसे बढ़ावा देती है। इस प्लेटफॉर्म में तंगेल साड़ी, बनारसी सिल्क उत्पाद, इकत, तसर सिल्क साड़ी, चंदेरी सिल्क और टेराकोटा उत्पाद शामिल हैं।

विश्वास बनाना और विक्रेता की भागीदारी को आसान बनाना

बेहतर पहुंच, बेहतर आश्वासन: खरीदारों को मुफ्त शिपिंग, खरीद सुरक्षा, सुरक्षित भुगतान और खरीदार समर्थन प्रणाली के माध्यम से अधिक विश्वसनीय खरीदारी अनुभव से लाभ होता है। यह प्रतिस्पर्धी कीमतों पर दस्तकारी उत्पादों की पेशकश करके विश्वास को भी मजबूत करता है।

विक्रेताओं के लिए सरल ऑनबोर्डिंग: यह मंच कारीगरों, बुनकरों और उत्पादक संगठनों को बाजार तक पहुँचने के लिए एक निर्देशित ऑनबोर्डिंग मार्ग प्रदान करता है।

छोटे विक्रेताओं को डिजिटल व्यापार में लाना

जीएसटी पंजीकरण के बिना विक्रेता एक नामांकन आईडी का उपयोग कर-के पंजीकरण कर सकते हैं, जिसमें केवल अपने राज्य के भीतर बेचने का आदेश है। यह पोर्टल को छोटे कारीगरों और पहली बार डिजिटल विक्रेताओं के लिए अधिक समावेशी और सुलभ बनाता है।

बाजार के पीछे की सफलता की गाथाएं

इस प्लेटफॉर्म के पीछे कारीगर, बुनकर और उद्यम हैं जिनकी शिल्प परंपराएं डिजिटल व्यापार के माध्यम से फल-फूल रही हैं।

सैंटम्र्स हस्तनिर्मित शिल्प की गर्मी को रोजमर्रा की जिंदगी में लाता है। लकड़ी की सजावट और सुगंधित मोमबत्तियों से लेकर टेराकोटा दीये, संगमरमर की मूर्तियों और हथकरघा साड़ियों तक, प्रत्येक उत्पाद पर्याप्त निगरानी, परंपरा और सुंदरता की सोच को दशार्ता है।

दस्तकार क्राफ्ट बेंत और बांस उत्पादों के माध्यम से 500 से अधिक कारीगरों के कौशल को आधुनिक घरों में ले जाता है। वे उच्च-गुणवत्ता, निर्यात-योग्य उत्पाद बनाते हैं, जो समकालीन घरों में सहजता से फिट होते हुए भारत की विरासत का जश्न मनाते हैं।

विलेज क्राफ्ट हथकरघा परंपराओं की सादगी और ताकत का जश्न मनाता है। इसके सूती तौलिए, गमछा और बेडशीट कुशल कारीगरों द्वारा देखभाल के साथ बनाए जाते हैं, जो रोजमर्रा की आवश्यक वस्तुओं को आराम, गुणवत्ता और विरासत में निहित उत्पादों में बदल देते हैं।

ये कहानियां हस्तनिर्मित उत्पादों को एक मानवीय चेहरा देती हैं, जो दिखाती हैं कि डिजिटल बाजार में परंपरा, कौशल और आजीविका एक साथ कैसे आती हैं।

भारत की विरासत को डिजिटल भविष्य में ले जाना

इंडियाहैंडमेड डिजिटल इंडिया की भावना को दशार्ता है, शिल्प को आजीविका के स्रोत और भारत की सांस्कृतिक पहचान के प्रतिबिंब दोनों के रूप में मान्यता देता है। 60 लाख से अधिक कारीगरों को शामिल करने की योजना के साथ, यह मंच आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण का समर्थन करता है। यह कारीगरों और बुनकरों को व्यापक बाजार पहुंच प्रदान करता है और खरीदारों को विश्वास और आसानी से हस्तनिर्मित उत्पादों की खोज करने में मदद करता है।

प्रत्येक हस्तनिर्मित उत्पाद के साथ, यह सुनिश्चित करता है कि इंडियाहैंडमेड विरासत आने वाली पीढ़ियों के लिए आजीविका और अवसर को प्रेरित करती रहे।

India handmade
Gateway to Indian Heritage

राम मंदिर चढ़ावा चोरी कांड- इस 'पाप' में शामिल हर व्यक्ति के खिलाफ कठोर कार्रवाई होगी : महंत नृत्य गोपाल दास

अयोध्या(एजेंसी)। (ईएमएस)। राम मंदिर में कथित चढ़ावा चोरी मामले को लेकर जारी विवाद के बीच सोमवार को हुई श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की अहम बैठक से पहले ट्रस्ट अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास ने पहली बार सार्वजनिक प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि राम मंदिर में हुई कथित चोरी की घटना से वह बेहद आहत हैं और उन्हें विश्वास है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इस मामले में दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाएंगे। बैठक से पहले जारी बयान में महंत नृत्य गोपाल दास ने कहा कि यह केवल चोरी का मामला नहीं, बल्कि करोड़ों हिंदुओं की आस्था से जुड़ा विषय है। उन्होंने कहा कि इस मामले में किसी भी व्यक्ति को निजी लाभ या राजनीतिक उद्देश्य से बयानबाजी नहीं करनी चाहिए। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस कथित 'पाप' में शामिल प्रत्येक व्यक्ति के खिलाफ कठोर कार्रवाई होगी। सूत्रों के मुताबिक महंत नृत्य गोपाल दास हाल ही में स्वास्थ्य संबंधी कारणों से लखनऊ के मेदांता अस्पताल में भर्ती हुए थे। तीन जुलाई को अस्पताल से छुट्टी मिलने के बावजूद उनके सोमवार की बैठक में शामिल होने की संभावना नहीं है। पहले उनके वर्चुअल माध्यम से जुड़ने की चर्चा थी, लेकिन अब इसके भी संकेत नहीं हैं।

गुजरात में शेरनी ने किया किसान पर हमला : आधे घंटे तक रहा जबड़े में हाथ

भावनगर (एजेंसी)। गुजरात के भावनगर जिले के गरजिया गांव में सोमवार सुबह एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई, जब एक शेरनी ने कालूभाई बोगभाई परमार नामक किसान पर हमला किया। कालूभाई जब सुबह 10-30 बजे अपनी गाय को चारा खिलाने जा रहे थे, तभी शेरनी ने पीछे से उनकी पीठ पर वार कर उन्हें जमीन पर गिरा दिया। इसके बाद शेरनी ने उनका हाथ करीब आधे घंटे तक अपने जबड़े में दबाए रखा। कालूभाई ने अपनी जान बचाने के लिए लगातार संघर्ष किया और शेरनी को खरोंचा, जिसके बाद उसने उनका हाथ छोड़ दिया। घायल होने के बावजूद कालूभाई तुरंत वहां से भागने में सफल रहे। हमले से कुछ देर पहले, शेरनी ने हेमूभाई गढ़वी नामक एक अन्य व्यक्ति पर भी हमला करने की कोशिश की थी। हेमूभाई ने बताया कि शेरनी उनकी भैंस के पास थी और जब उन्होंने भगाने की कोशिश की, तब वह सीधे उनकी ओर दौड़ी। वे बाल-बाल बचे और भागकर अपने भाई के घर में घुसकर दरवाजा बंद किया। यह घटना तब हुई है जब भावनगर जिला, गिर नेशनल पार्क के निकट होने के कारण, अक्सर जंगली शेरों की रिहायशी इलाकों और खेतों में मौजूदगी से जूझता रहता है। इस घटना के बाद गरजिया गांव और आसपास के इलाकों के पशुपालकों में अपने पशुओं और परिवार की सुरक्षा को लेकर गहरी चिंता और दहशत का माहौल है। ग्रामीणों ने तत्काल वन विभाग को सूचना दी, जिसके बाद टीम डेढ़ घंटे के भीतर मौके पर पहुंच गई और शेरनी को पकड़ने के प्रयास शुरू कर दिए गए हैं। पालीताना तालुका पंचायत सदस्य चेतन डाभी ने वन विभाग से अपील की है कि वे इस क्षेत्र के शेरों को सुरक्षित रूप से जंगल में वापस छोड़ दें, क्योंकि ग्रामीण कई बार सुरक्षा व्यवस्था की कमी के बारे में सूचित कर चुके हैं, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है।

भैरव बाबा के मंदिर में वीआईपी दर्शन से 45 दिन में 3.09 करोड़ की आय

उज्जैन (एजेंसी)। काल भैरव मंदिर में श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए शुरू की गई 500 रुपये की वीआईपी (शीघ्र दर्शन) व्यवस्था मंदिर प्रबंधन के लिए आय का बड़ा माध्यम बन गई है। 20 मई से 3 जुलाई तक 45 दिनों में इस व्यवस्था से मंदिर को 3 करोड़ 9 लाख 27 हजार रुपये की आय हुई है। मंदिर प्रबंधन के अनुसार वीआईपी श्रद्धालुओं के लिए अलग प्रवेश मार्ग बनाया गया है, जिससे सामान्य दर्शन व्यवस्था भी सुचारु बनी हुई है। अधिकारियों का कहना है कि प्राप्त आय का उपयोग मंदिर की सुविधाओं, रखरखाव और श्रद्धालुओं के लिए बेहतर व्यवस्थाएं विकसित करने में किया जाएगा।

दक्षिण के चार राज्यों में हटे 22.14 लाख मतदाताओं के नाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के तहत दक्षिण भारत के चार राज्यों की ड्राफ्ट मतदाता सूची से कुल 22.14 लाख मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं। चुनाव आयोग के अनुसार यह कार्रवाई मतदाता सूची को अधिक सटीक और अद्यतन बनाने के उद्देश्य से की गई है। हटाए गए नामों में कर्नाटक के 6.12 लाख, आंध्र प्रदेश के 5.80 लाख, तमिलनाडु के 5.40 लाख और तेलंगाना के 4.82 लाख मतदाता शामिल हैं। आयोग का कहना है कि यह केवल ड्राफ्ट सूची है और अंतिम सूची जारी होने से पहले सभी दावों एवं आपत्तियों का निस्तारण किया जाएगा। जिन मतदाताओं के नाम सूची से हट गए हैं, वे निर्धारित प्रक्रिया के तहत दावा या आपत्ति दर्ज कराकर अपने दस्तावेज प्रस्तुत कर सकते हैं। सत्यापन के बाद पात्र पाए जाने पर उनके नाम दोबारा मतदाता सूची में जोड़े जाएंगे। चुनाव आयोग ने नागरिकों से अपील की है कि वे समय रहते अपनी मतदाता जानकारी की जांच करें और किसी भी त्रुटि की स्थिति में निर्धारित अवधि के भीतर आवेदन अवश्य करें।

कर्नाटक में बिना हेडलाइट चल रही बसें , विपक्ष ने लगाए सरकार पर अनदेखी के आरोप

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक में सरकारी बस सेवाओं को लेकर विवाद गहरा गया है। सोशल मीडिया पर सामने आए कुछ वीडियो और तस्वीरों में दावा किया गया कि कर्नाटक राज्य सड़क परिवहन निगम की कुछ बसें हेडलाइट खराब होने से रात में मोबाइल की टॉर्च के सहारे चलाई जा रही हैं। दावा किया जा रहा है राज्य सरकार के पास फंड नहीं है, जिसके चलते इन बसों की लाइटों को ठीक नहीं करवाया गया। हालांकि इस पूरे मामले को लेकर विपक्ष ने राज्य सरकार पर परिवहन व्यवस्था की अनदेखी के आरोप लगाए हैं। वहीं इस पूरे मामले में केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारास्वामी ने एक पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने कहा कि भारी उद्योग मंत्रालय ने पीएम ई-ड्राइव स्कीम के तहत 4,500 इलेक्ट्रिक बसें आवंटित की थीं। दिसंबर 2025 में ही कन्फर्मेशन मिलने के बावजूद राज्य सरकार लेटर ऑफ़ अवार्ड तक जारी नहीं कर पाई है, जिससे पूरी प्रक्रिया रुकी गई है।

नितिन नवीन को लेकर भाजपा और आप में जुबानी जंग

-पीएम मोदी और अरविंद केजरीवाल के बीच सोशल मीडिया पर हुई तकरार

-आप कौन हैं, टिप्पणी से शुरू हुआ था विवाद, राम मंदिर मुद्दे तक पहुंचा राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी और आम आदमी पार्टी (आप) के बीच सोशल मीडिया पर शुरू हुई जुबानी जंग अब और तेज हो गई है। विवाद की शुरुआत आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल की एक टिप्पणी से हुई थी, जिसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिना नाम लिए प्रतिक्रिया दी। इसके जवाब में केजरीवाल ने भी प्रधानमंत्री के पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए राम मंदिर से जुड़े मुद्दे उठाए हैं।

यहां बताते चलें कि पूरा विवाद रविवार को उस समय शुरू हुआ, जब भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन लखनऊ दौरे पर शक्ति केंद्र संयोजक सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। अपने संबोधन में उन्होंने कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और आम आदमी पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि राहुल गांधी, अखिलेश यादव और अरविंद केजरीवाल यह भ्रम न पालें कि हिंदू समाज उनके बहकावे में आने वाला है।

नितिन नवीन के इस बयान से संबंधित भाजपा की एक पोस्ट को रीपोस्ट करते हुए दिल्ली के पूर्व सीएम और आप संयोजक अरविंद केजरीवाल ने संक्षिप्त टिप्पणी की, आप कौन हैं? इसके बाद यह पोस्ट सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुई और चर्चा का विषय बन गई। सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पत्रकार पीयूष पद्माकर की एक पोस्ट का स्क्रीनशॉट साझा करते हुए लिखा कि यह सादगी और सरलता हर भाजपा कार्यकर्ता के लिए गर्व की बात है। पीयूष पद्माकर ने अपनी पोस्ट में नितिन नवीन के छात्र जीवन और राजनीतिक सफर का उल्लेख करते हुए उन्हें विनम्र और सरल व्यक्तित्व का नेता बताया था। राजनीतिक हलकों में प्रधानमंत्री की इस पोस्ट को केजरीवाल की टिप्पणी का अप्रत्यक्ष जवाब माना गया। प्रधानमंत्री मोदी की पोस्ट के बाद अरविंद केजरीवाल ने भी सोशल मीडिया मंच एक्स पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने लिखा कि प्रधानमंत्री ने नितिन नवीन के बारे में जानकारी देने के लिए धन्यवाद, लेकिन साथ ही सवाल किया कि देश यह जानना चाहता है कि राम मंदिर में कथित चढ़ावा चोरी, जमीन घोटाले और निर्माण में कथित अनियमितताओं के आरोपों में कार्रवाई कब होगी और दोषियों को सजा क्यों नहीं दी जा रही है।

केजरीवाल की इस प्रतिक्रिया के बाद राम मंदिर से जुड़े मुद्दे भी राजनीतिक बहस का हिस्सा बन गए हैं। फिलहाल भाजपा और आम आदमी पार्टी के बीच सोशल मीडिया के जरिए आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है, जिससे राजनीतिक माहौल और गर्म हो गया है।

भारत की शरण में तिब्बती संघर्ष- दलाई लामा के 91वें जन्मदिन पर विशेष

नई दिल्ली (एजेंसी)। बौद्ध धर्मगुरु दलाई लामा अपना 91वां जन्मदिन मना रहे हैं। खुद को एक साधारण भिक्षु कहने वाले दलाई लामा ने बीते 60 सालों से अधिक समय से तिब्बत के लोगों और उनके हितों के लिए अथक प्रयास किए हैं। इस वैश्विक संघर्ष में भारत उनकी कर्मभूमि रहा है, जिसने उनके मिशन को एक नया जीवन दिया। 14वें दलाई लामा, ल्हामो धोंदुप का जन्म 06 जुलाई 1935 को किंघई प्रांत के एक किसान परिवार में हुआ था और महज दो साल की उम्र में उन्हें तिब्बत के आध्यात्मिक नेता के 14वें अवतार के रूप में पहचाना गया। साल 1950 में चीन ने तिब्बत पर शांतिपूर्ण मुक्ति का दावा कर कब्जा किया। किशोर दलाई लामा ने शुरुआती दौर में चीनी नेताओं से मुलाकातें कीं, लेकिन तिब्बत में चीनी दमन और ज्यादतियां जल्द ही मुखर होने लगीं। मार्च 1959 में, दलाई लामा को बिना अंगरक्षक के एक चीनी जनरल द्वारा नृत्य प्रदर्शन के लिए आमंत्रित किया गया, इस आंमत्रण ने अपहरण की आशंकाओं को जन्म दिया। हजारों तिब्बतियों ने उनके महल के बाहर विरोध प्रदर्शन किया, और चीनी हमले की अफवाहों के बीच 17 मार्च 1959 की रात को, तत्कालीन 23 वर्षीय दलाई लामा को सैनिक वेश में अपने परिवार और शीर्ष अधिकारियों के साथ ल्हासा से भागना पड़ा। उन्होंने भारतीय वाणिज्य दूत से भारत में शरण का अनुरोध किया। भारत ने, तिब्बत को हमेशा एक स्वतंत्र देश मानते हुए (हालांकि 1954 में पंचशील समझौते के तहत चीन के तिब्बत क्षेत्र के रूप में स्वीकार किया गया था), दलाई लामा का स्वागत किया। कुछ समय अरुणाचल प्रदेश के तवांग मठ में रुकने के बाद, पंडित नेहरू से मुलाकात के बाद 03 अप्रैल 1959 को उन्हें औपचारिक रूप से शरण दी गई। हिमाचल प्रदेश का धर्मशाला जल्द ही चीनी दमन से भाग रहे हजारों तिब्बती शरणार्थियों का घर बन गया और दलाई लामा ने भी वहीं स्थायी निवास बनाकर निर्वासित तिब्बती सरकार की स्थापना की। भारत के इस साहसिक कदम ने चीन को नाराज कर दिया।

करूर भगदड़: सीएम और मंत्रियों की बयानबाजी रोकने की याचिका पर आज सुनवाई

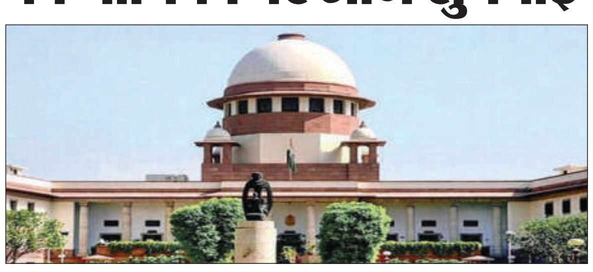

- डीएमके नेता आरएस भारती ने दायर की याचिका

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट तमिलनाडु के करूर भगदड़ मामले में मंगलवार को सुनवाई करेगा। यह सुनवाई द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) द्वारा दाखिल की गई याचिका पर होगी, जिसमें आरोप लगाया गया है कि राज्य के मुख्यमंत्री विजय और कुछ मंत्री सीबीआई जांच को प्रभावित करने वाले सार्वजनिक बयान दे रहे हैं। जस्टिस अहसनुद्दीन अमानुल्लाह और जस्टिस शील नागु की पीठ महत्वपूर्ण मामले को सुनेगी, जिसमें गवाहों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और मंत्रियों की बयानबाजी पर तत्काल रोक लगाने की मांग की गई है।

दरअसल डीएमके नेता आरएस भारती ने अपनी याचिका में मंत्री आधव अर्जुन के बयानों का हवाला दिया है, जो इस मामले में खुद एक आरोपी हैं। याचिका में कहा गया है कि अर्जुन ने हाल ही में सार्वजनिक कार्यक्रम में हिसाब बराबर करना है जैसे भड़काऊ बयान दिए और करूर भगदड़ के लिए पिछली डीएमके सरकार को जिम्मेदार ठहराया। डीएमके का आरोप है कि इसतरह के बयान जांच प्रक्रिया में हस्तक्षेप करते हैं और राजनीतिक लाभ के लिए जनता की राय को प्रभावित करने का प्रयास है, जो सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में चल रही सीबीआई जांच के लिए अनुचित है।

याचिका में मुख्यमंत्री विजय के आगामी करूर दौरे पर भी चिंता जाहिर की गई है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, मुख्यमंत्री विजय 10 जुलाई को करूर जाकर भगदड़ में मारे गए लोगों के परिजनों को सरकारी सहायता और अनुकंपा नियुक्तियां प्रदान कर सकते हैं। डीएमके का मानना है कि यह कदम भी जांच को प्रभावित कर सकता है और पीड़ितों या उनके परिवारों को अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित कर सकता है। डीएमके की याचिका में कोर्ट से आग्रह किया गया है कि सीबीआई जांच की निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए सभी संबंधित पक्षों, विशेषकर सत्ता में बैठे लोगों को सार्वजनिक बयानबाजी से रोका जाए।

यह मामला बीते साल 27 सितंबर को करूर जिले में हुई एक भीषण भगदड़ से जुड़ा है। मुख्यमंत्री विजय की एक चुनावी रैली के दौरान भारी भीड़ और कथित कुप्रबंधन के कारण हुई घटना में 41 लोगों की जान चली गई थी और 100 से अधिक घायल हो गए थे। सुप्रीम कोर्ट ने बाद में मामले की जांच सीबीआई को सौंपी थी, जिसकी निगरानी पूर्व न्यायाधीश अजय रस्तोगी के नेतृत्व वाली एक समिति कर रही है।

इजरायली पीएम नेतन्याहू ने की भारत की तारीफ... कांग्रेस को लगी मिर्ची

मोदी सरकार पर इजरायल के प्रति अंधभक्ति का लगाया आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने हाल ही में अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के बयान पर प्रतिक्रिया देकर भारत और भारतीयों की जमकर तारीफ की थी। उपराष्ट्रपति वेंस ने इजरायल को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अलग-थलग पड़ने की बात कही थी, जिसके जवाब में नेतन्याहू ने दावा किया था कि मित्र राष्ट्र भारत इजरायल के साथ मजबूती से खड़ा है। हालांकि, उनके बयान ने भारतीय राजनीति में हलचल मचा दी है। कांग्रेस ने न केवल नेतन्याहू, बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी निशाने पर लेकर भारत के मूल्यों से विश्वासघात बताया है।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने नेतन्याहू के दावे को सीधे तौर पर खारिज किया कि उन्हें भारत से जबरदस्त समर्थन प्राप्त है। कांग्रेस नेता रमेश ने लिखा, पीएम नेतन्याहू गलत हैं। उन्होंने मोदी सरकार पर इजरायल के प्रति अंधभक्ति का आरोप लगाकर कहा कि करोड़ों भारतीय इजरायल द्वारा गाजा में किए जा रहे नरसंहार की निंदा करते हैं, जिसमें बच्चों को भी बख्शा नहीं गया है। कांग्रेस नेता रमेश ने वेस्ट बैंक में फिलिस्तीनियों के जबरन विस्थापन, ईरान पर भारी हवाई हमलों और दक्षिणी लेबनान में क्रूर सैन्य हमलों की भी कड़ी निंदा की। उन्होंने इन कार्रवाइयों को मानवता पर सीधे हमले बताया।

कांग्रेस नेता ने प्रधानमंत्री मोदी की पत्थर जैसी चुप्पी को भारत की सभ्यतागत विरासत और मूल्यों के साथ विश्वासघात बताया। उनके अनुसार, स्वयंघोषित विश्वगुरु की इजरायल की इन कार्रवाइयों पर ऐसी चुप्पी पूरी तरह अस्वीकार्य है। कांग्रेस नेता रमेश ने स्पष्ट किया कि नेतन्याहू जैसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अलग-थलग पड़े नेता से तमगा मिलना भारत के लिए कोई सम्मान की बात नहीं है। उन्होंने दावा किया कि नेतन्याहू के प्रति खुद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, जिन्हें प्रधानमंत्री मोदी अपना अच्छा मित्र मानते हैं, निराशा और गुस्से में हैं।

दरअसल, पूरा विवाद तब शुरू हुआ जब ईरान और अमेरिका के बीच युद्ध रोकने की डील को लेकर इजरायल और डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन में मतभेद सामने आए। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने इजरायली पीएम नेतन्याहू से कहा था कि उन्हें समझना चाहिए कि इजरायल अब दुनिया में अलग-थलग पड़ चुका है और उसे केवल अमेरिका जैसी बड़ी ताकत का साथ मिल रहा है। वेंस के बयान पर प्रतिक्रिया देकर नेतन्याहू ने अमेरिका को याद दिलाया कि भारत जैसे विशाल और शक्तिशाली देश के लोगों का जबरदस्त समर्थन प्राप्त है। कांग्रेस को बेंजामिन नेतन्याहू की यही बात खटक गई और केंद्र सरकार को घेर लिया है।

एलओसी पर मंडराता नजर आया पाक ड्रोन, भारतीय सेना ने चलाया तलाशी अभियान

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के सीमावर्ती जिलों में आतंकवादियों की घुसपैठ और हथियारों की तस्करी के लिए पाकिस्तानी साजिशें थमने का नाम नहीं ले रही हैं। सोमवार तड़के राजौरी जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) से सटे अग्रिम इलाकों में एक बार फिर संदिग्ध पाकिस्तानी ड्रोन की हलचल देखी गई। ड्रोन की इस संदिग्ध गतिविधि के बाद भारतीय सेना और स्थानीय पुलिस ने पूरे इलाके को घेरकर एक बड़े स्तर पर तलाशी अभियान की शुरुआत की है। अधिकारियों द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक यह घटना रविवार देर रात की है, जिसके बाद सोमवार सुबह होते ही सुरक्षाबलों ने चप्पे-चप्पे को खंगालना शुरू कर दिया। सुरक्षा अधिकारियों के मुताबिक रविवार और सोमवार की दरमियानी रात राजौरी जिले के सुंदरबनी सेक्टर के अग्रिम गांवों मीनका और बेरीपट्टन के आसमान में एक उड़ती हुई संदिग्ध वस्तु देखी गई। यह वस्तु हूबहू एक सैन्य या जासूसी ड्रोन जैसी लग रही थी। एलओसी के बिल्कुल करीब स्थित इन गांवों के ऊपर यह ड्रोन कुछ समय तक मंडराता रहा। भारतीय सीमा में घुसपैठ करने के कुछ ही मिनटों बाद यह संदिग्ध ड्रोन वापस पाकिस्तान की सीमा की ओर लौट गया। सीमा पर तैनात सतर्क जवानों ने जैसे ही इसकी भिनभिनाहट सुनी और रोशनी देखी, तुरंत पूरे सुरक्षा तंत्र को हाई अलर्ट पर डाल दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि ड्रोन के वापस लौट जाने के तुरंत बाद सुरक्षाबलों ने बिना वक्त गंवाए मीनका और बेरीपट्टन समेत आसपास के पूरे जंगली और मैदानी इलाके की घेराबंदी कर दी। सोमवार सुबह पहली किरण के साथ ही सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस के जवानों ने संयुक्त रूप से तलाशी अभियान शुरू किया। आमतौर पर सीमा पार से आने वाले इन ड्रोनों का इस्तेमाल पाकिस्तान में बैठे आतंकी आका दो मुख्य मकसदों के लिए करते हैं। घाटी में सक्रिय आतंकियों के लिए आईईडी, पिस्तौल, ग्रेनेड या अत्याधुनिक राइफलें गिराना।

पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ने राहुल गांधी का ज़िक्र कर पीएम मोदी के अंतर्राष्ट्रीय सम्मानों पर उठाए सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत द्वारा मानसिक रूप से अस्थिर बताए जाने के बाद पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने बौखलाहट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अंतरराष्ट्रीय सम्मानों की विश्वसनीयता पर सवाल उठा दिया हैं। उन्होंने कहा कि उन पर निजी हमले न, तब भारत की समस्याओं का समाधान करे और न ही देश-विदेश में पीएम मोदी की गिरती साख को बहाल करे। भारतीय मिसाइल हमलों को रोकने में विफल रहने वाले आसिफ ने फिर भारत पर प्रोपेगेंडा फैलाने का आरोप लगाकर दावा किया कि उन पर किए जा रहे हमले मोदी की अंतरराष्ट्रीय छवि और उन्हें मिले विदेशी सम्मानों से जुड़े सवालों से ध्यान भटकाने की कोशिश है।

अपने पोस्ट में ख्वाजा आसिफ ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी का जिक्र किया, जिन्होंने पहले पीएम मोदी को मिले पुरस्कारों की आलोचना की थी। आसिफ ने दावा किया कि राहुल गांधी भी मोदी को मिले पुरस्कारों को एआई-जनरेटेड या खुद से मैनेज किए बता चुके हैं, जिससे एक वैश्विक धोखेबाज के रूप में उनकी प्रतिष्ठा बढ़ी है। पाकिस्तानी मंत्री ने रिपोर्ट का हवाला देकर कहा कि विदेशी अखबार ने भी मोदी को मिले कुछ पुरस्कारों की विश्वसनीयता पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने लिखा कि मोदी के विदेशों से नकली सम्मान हासिल करने के हताश प्रयास उनकी उस साख को स्थिर करने की कोशिश है, जो देश में दयनीय रूप से अस्थिर है, खासकर पिछले साल पाकिस्तान से मिली हार के बाद।

दरअसल, पाकिस्तानी सूचना मंत्री अताउल्लाह तरार और रक्षा मंत्री आसिफ जैसे कई पाकिस्तानी नेता प्रधानमंत्री मोदी को दुनिया के देशों से मिले सर्वोच्च सम्मानों को पचा नहीं पा रहे हैं। वे मोदी पर इन सम्मानों को सोच-समझकर किए गए जनसंपर्क अभियान में बदलने का आरोप लगाते हैं। जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को वर्ष 2016 से अब तक दुनिया के 34 विभिन्न देशों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों से सर्वोच्च नागरिक और राजकीय सम्मान मिल चुके हैं। वह इतिहास में सबसे अधिक अंतरराष्ट्रीय सम्मान पाने वाले भारतीय नेता हैं। पीएम मोदी को नॉर्वे, स्वीडन, इजरायल, रूस (सर्वोच्च नागरिक सम्मान ऑर्डर ऑफ सेंट एंड्र्यू द अपोस्टल), फ्रांस (सर्वोच्च नागरिक और सैन्य सम्मान), अमेरिका (लीजन ऑफ मेरिट-चीफ कमांडर डिग्री), कुवैत, मिस्र, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, बहरीन, मालदीव, फिलीस्तीन और अफगानिस्तान जैसे देशों से सर्वोच्च सम्मान प्राप्त हुए हैं।

भरत तिवारी एनकाउंटर पर अलग-थलग पड़े अशोक चौधरी

-मंत्री के बयान से जेडीयू ने बनाई दूरी, न्यायिक जांच के बीच सियासी हलचल तेज

पटना (एजेंसी)। भोजपुर जिले के बिलौटी गांव के भरत तिवारी कथित एनकाउंटर मामले को लेकर जनता दल (यूनाइटेड) के भीतर अलग-अलग राय सामने आती दिख रही है। बिहार सरकार के मंत्री अशोक चौधरी द्वारा एनकाउंटर पर सवाल उठाने और पीड़ित परिवार से मुलाकात के बाद अब उनकी ही पार्टी ने उनके बयान से दूरी बना ली है। जेडीयू के वरिष्ठ नेता और मंत्री श्रवण कुमार ने स्पष्ट किया है कि अशोक चौधरी की टिप्पणियां उनकी व्यक्तिगत राय हैं, न कि पार्टी या बिहार सरकार का आधिकारिक रुख।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक श्रवण कुमार ने कहा, कि भरत तिवारी के घर अशोक चौधरी का दौरा भी निजी था और उसे सरकार या पार्टी के रुख के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। उन्होंने बिना किसी का नाम लिए यह भी कहा कि सार्वजनिक जीवन में नेताओं को सोच-समझकर बयान देना चाहिए, ताकि किसी तरह का भ्रम पैदा न हो। दरअसल, अशोक चौधरी ने 5 जुलाई को भोजपुर जिले के बिलौटी गांव पहुंचकर भरत तिवारी के परिजनों से मुलाकात की थी। इस दौरान उन्होंने कथित मुठभेड़ पर सवाल उठाए थे और भरत तिवारी को बहादुर संतान बताते हुए दोषियों के खिलाफ कार्रवाई तथा निष्पक्ष जांच की बात कही थी। उन्होंने परिवार को न्याय दिलाने का भरोसा भी दिया था।

मुलाकात के बाद अशोक चौधरी ने कहा था कि उन्हें मामले के कई ऐसे पहलुओं की जानकारी मिली है, जिनसे वे पहले अवगत नहीं थे। उन्होंने कहा कि वह इन सभी तथ्यों से मुख्यमंत्री को अवगत कराएंगे और पूरे घटनाक्रम की जानकारी साझा करेंगे। उन्होंने पीड़ित परिवार को आश्वस्त किया कि मामले में निष्पक्ष जांच होगी और न्याय सुनिश्चित किया जाएगा। गौरतलब है कि भोजपुर जिले में 17 जून को हुई कथित पुलिस मुठभेड़ में भरत तिवारी की मौत के बाद इस मामले ने राजनीतिक तूल पकड़ लिया था। बढ़ते विवाद के बीच बिहार सरकार पहले ही इस घटना की न्यायिक जांच के आदेश दे चुकी है। अब अशोक चौधरी के बयान से पार्टी द्वारा दूरी बनाए जाने के बाद इस मुद्दे पर जेडीयू के भीतर मतभेद की चर्चा भी तेज हो गई है।

केतन हत्याकांड: सिया ने राजा रघुवंशी केस और कस्टडी में हिंसा पर की थी रिसर्च

पुणे (एजेंसी)। पुणे के केतन अग्रवाल हत्याकांड की मुख्य आरोपी सिया गोयल ने वारदात को अंजाम देने से पहले इंदौर के चर्चित राजा रघुवंशी हत्याकांड का गहन अध्यान किया था। पुलिस ने सिया के मोबाइल फोन की सर्च हिस्ट्री से पता लगाया है कि सिया ने पुलिस हिरासत में महिलाओं के साथ मारपीट की संभावनाओं पर भी इंटरनेट पर सर्च किया था। यह चौंकाने वाली जानकारी सिया के दोनों मोबाइल फोन की जांच से सामने आई है, जिसमें से एक हाल ही में उसके बेडरूम से जब्त किया है।

सिया और उसके प्रेमी चेतन चौधरी पर 18 जून को केतन को पुणे के लोहगढ़ किले से 400 फीट गहरी खाई में धक्का देने का आरोप है। फिलहाल दोनों आरोपी 16 जुलाई तक येरवदा जेल में न्यायिक हिरासत में हैं। पुलिस के मुताबिक, घटना के अगले ही दिन सिया केतन के घर पहुंचकर उसके पिता को सांत्वना देती रही और बोली कि केतन उन्हें ऊपर से देख रहा है। जांच में सामने आया कि 18 से 23 जून तक दोनों आरोपी सामान्य जिंदगी जीते रहे और गिरफ्तारी के बाद भी उनके चेहरों पर पछतावा नहीं दिखा।

जांच में पता चला है कि केतन की हत्या का प्लान 31 मई को तब सूझा जब केतन ने सिया से ट्रेकिंग के लिए लोहगढ़ किले चलने को कहा। हत्या को अंजाम देने से पहले दो बार असफल कोशिशें की गईं। 5 जून को सिया ने बाली की यात्रा रोकने के लिए केतन का पासपोर्ट छिपाया। इसके बाद 14 जून को सिया ने केतन को दोबारा धक्का दिया, लेकिन वह पेड़ के सहारे बच गया और सिया ने सांप का बहाना बनाकर अपनी हरकत को छिपाया। अंततः 18 जून को प्री-वेडिंग फोटोशूट के बहाने केतन को किले पर बुलाया गया, जहां चेतन के साथ मिलकर उसे खाई में धकेल दिया गया।

पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि केतन की हत्या का दूसरा आरोपी चेतन चौधरी एक ही मोबाइल में दो नंबर इस्तेमाल कर सिया से कोडवर्ड में बात करता था। राजा रघुवंशी हत्याकांड, जिसमें कारोबारी राजा को उसकी पत्नी और प्रेमी ने मेघालय में खाई में धकेला था, सिया के लिए एक संभावित प्रेरणा स्रोत बना, जिससे उसकी आपराधिक मानसिकता और पूर्वनियोजित साजिश का पता चलता है। घटना के कुछ चश्मदीद भी मिले हैं जिनके बयान जांच को और मजबूत कर रहे हैं।

स्वास्थ्य सेवाओं की मैराथन समीक्षा, विश्व जूनोसिस दिवस पर सिविल सर्जन ने दिए सतर्कता के निर्देश

बुखार के हर संदिग्ध मरीज की तत्काल आरडीटी जांच हो, तभी रुकेगा बीमारी का संभावित प्रकोप : सीएस

बिभा संवाददाता

साहेबगंज । साहेबगंज सिविल सर्जन रामदेव पासवान ने सोमवार को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मंडरो में सुबह 7 बजे से दोपहर 12 बजे तक स्वास्थ्य विभाग की विभिन्न योजनाओं और राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों की व्यापक समीक्षा की। बैठक में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, नियमित टीकाकरण, गैर-संचारी रोग (एनसीडी), संस्थागत प्रसव, एएनसी, पीएनसी, एचबीएनसी, एचबीवाईसी और कुपोषित बच्चों के उपचार सहित कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही सिविल सर्जन ने मलेरिया, डेंगू, फाइलेरिया, डायरिया और अन्य मौसमी संक्रामक रोगों की

स्थिति की समीक्षा करते हुए सभी स्वास्थ्य कर्मियों को अपने-अपने क्षेत्र में सक्रिय निगरानी रखने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि बुखार के प्रत्येक संदिग्ध मरीज की तत्काल आरडीटी जांच सुनिश्चित की जाए, ताकि किसी भी संभावित प्रकोप को शुरूआती स्तर पर ही नियंत्रित किया जा सके। वहीं विश्व जूनोसिस दिवस के अवसर पर उन्होंने पशुओं से मनुष्यों में फैलने वाले रोगों जैसे रेबीज, ब्रुसेलोसिस, एंथ्रेक्स, लेप्टोस्पायरोसिस और बर्ड फ्लू के प्रति जागरूकता बढ़ाने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने स्वास्थ्य एवं पशुपालन विभाग के बीच बेहतर समन्वय की आवश्यकता बताते हुए लोगों को पशुओं के काटने पर तुरंत स्वास्थ्य केंद्र पहुंचने के लिए प्रेरित करने के निर्देश दिए। साथ ही बैठक में सहिया और सामुदायिक स्वास्थ्य पदाधिकारियों (सीएचओ) के प्रोत्साहन भुगतान, कार्य प्रगति और रिपोर्टिंग व्यवस्था की भी समीक्षा की गई। लंबित मामलों के शीघ्र निष्पादन और कमजोर स्वास्थ्य संकेतकों में युद्धस्तर पर सुधार लाने के निर्देश दिए गए। सिविल सर्जन ने स्पष्ट किया कि निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति में लापरवाही बरतने वाले कर्मियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। वहीं बैठक में जिला स्तर से डॉ. मुकेश कुमार, जिला डाटा प्रबंधक अमित कच्छप, डीडीएम- आईडीएसपी तौसीफ अहमद, जिला कार्यक्रम सहायक पंकज पीटर सोरेन सहित प्रखंड स्तर के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. एम.एन. सिंह, बीपीएम, बीडीएम, डाटा एंट्री ऑपरेटर और अन्य स्वास्थ्य कर्मी उपस्थित रहे।

बीआरपी और सीआरपी नियमित रूप से विद्यालयों का अनुश्रवण करें : बीपीओ

बिभा संवाददाता

उधवा । उधवा प्रखंड संसाधन केंद्र उधवा में सोमवार को प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी अटल बिहारी भगत की अध्यक्षता में सभी बीआरपी एवं सीआरपी की सप्ताहिक समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। इस दौरान बीपीओ श्री भगत ने बीआरपी एवं सीआरपी के साथ संकुलवार बारी-बारी से समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिया। समीक्षा के दौरान बीपीओ ने कक्षा 1 से 12वीं तक के सभी बच्चों का अपार आईडी बनाने का निर्देश दिया। उन्होंने सभी शिक्षकों व स्कूली बच्चों की उपस्थिति प्रतिदिन ई-विद्यावाहिनी में बनाने का निर्देश दिया। साथ ही विद्यालय प्रबंधन समिति के पुनर्गठन के आदेश के अनुरूप दिशा-निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सभी शिक्षकों को लेशन प्लान तैयार करना है। प्रशास्त एप के माध्यम से दिव्यांग बच्चों का डेटा ऑनलाइन करने पर जोर दिया गया। साथ ही उन्होंने एक पेड़ मां के नाम पौधारोपण करते हुए लिंक के माध्यम से ऑनलाइन करने की चर्चा की गई। बीपीओ ने एमडीएम की अद्यतन स्थिति एवं मासिक उपयोगिता,एमडीएम एसएमएस एवं तिथि भोजन की समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान उन्होंने सभी बीआरपी एवं सीआरपी को निर्देश दिया कि किसी भी हाल में मध्यान्ह भोजन बंद नहीं होना चाहिए। उन्होंने सभी बीआरपी एवं सीआरपी को नियमित रूप से विद्यालयों का अनुश्रवण करने का निर्देश दिया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि कार्य में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मौके पर बीआरपी मोहनलाल साहा,इंतखाब आलम,सीआरपी बाबूलाल मंडल,द्विजेंद्र नाथ मंडल,विजय मंडल, रुहुल अमीन,अशोक पाल, तपन मंडल, विशेष प्रशिक्षक सुरेश्वर प्रसाद, कंचन कुमारी, एमआईएस प्रखंड समन्वयक गुलाम असर्फी,कम्प्यूटर ऑपरेटर कुमोद दास, सूरज कुमार सहित अन्य मौजूद थे।

संक्षिप्त खबरें

कटहलबाड़ी मध्य विद्यालय से ताला तोड़कर बायोमेट्रिक टैब की चोरी

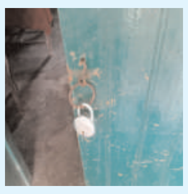

उधवा(बिभा) । राधानगर थाना क्षेत्र के कटहलबाड़ी मध्य विद्यालय में बीते रविवार की रात्रि को अज्ञात चोरों ने विद्यालय कार्यालय का ताला तोड़कर बायोमेट्रिक टैब चोरी कर फरार हो गया। जानकारी के अनुसार विद्यालय के सचिव विनय कुमार मंडल ने सोमवार को राधानगर थाना में लिखित आवेदन दिया है। जिसमें बताया है कि रविवार को विद्यालय बंद था। सोमवार को जब विद्यालय पहुंचा तो देखा कि कार्यालय का ताला टूटा हुआ है। बताया कि अज्ञात चोरों ने रात का फायदा उठाकर शिक्षकों की हाजिरी बनाने वाली बायोमेट्रिक टैब की चोरी कर ली है। समाचार लिखे जाने तक मामले को लेकर राधानगर थाना पुलिस छानबीन में जुटी हुई थी।

मॉडल कॉलेज में स्नातक नामांकन की अंतिम तिथि 8 जुलाई, विलंब करने पर नहीं मिलेगा मौका

राजमहल(बिभा) । राजमहल मॉडल कॉलेज में स्नातक (यूजी) सत्र 26-30 के लिए नामांकन प्रक्रिया जारी है। कॉलेज प्रशासन ने इच्छुक छात्र-छात्राओं से 8 जुलाई 2026 तक अनिवार्य रूप से नामांकन कराने की अपील की है। स्पष्ट किया गया है कि निर्धारित अंतिम तिथि के बाद किसी भी परिस्थिति में नामांकन का अवसर नहीं दिया जाएगा। वहीं महाविद्यालय में कला, वाणिज्य और विज्ञान तीनों संकायों में प्रवेश लिया जा रहा है। प्रत्येक संकाय में सीटों की संख्या सीमित होने के कारण अभ्यर्थियों को अंतिम तिथि का इंतजार किए बिना जल्द नामांकन कराने की सलाह दी गई है। वहीं महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. रणजीत कुमार सिंह ने कहा कि मॉडल कॉलेज राजमहल गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, अनुशासित शैक्षणिक वातावरण और आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने चयनित छात्र-छात्राओं से समय रहते अपनी नामांकन प्रक्रिया पूरी करने की अपील करते हुए कहा कि 8 जुलाई के बाद किसी भी स्थिति में प्रवेश का अवसर नहीं मिलेगा। इसलिए सभी अभ्यर्थी निर्धारित समय सीमा के भीतर अपना नामांकन सुनिश्चित करें।

पुराने खनन क्षेत्र को हरित बनाने की पहल, उपायुक्त ने किया वृक्षारोपण

सिमडेगा(बिभा): पर्यावरण संरक्षण एवं परित्यक्त खनन क्षेत्रों के पुनर्विकास की दिशा में वन विभाग एवं खनन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में कोलेबिरा प्रखंड के मौजा जामटोली स्थित पुराने पत्थर खनन क्षेत्र में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर उपायुक्त श्रीमती कंचन सिंह ने पौधारोपण किया। कार्यक्रम में वन प्रमंडल पदाधिकारी श्री शांशक शेखर सिंह, अपर समाहर्ता श्री गिरिजा शंकर महतो, जिला खनन पदाधिकारी श्री महेंद्र कुमार, प्रखंड विकास पदाधिकारी, स्थानीय मुखिया श्रीमती अंजना लकड़ा तथा राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय के स्कूली बच्चों ने भी उत्साहपूर्वक पौधारोपण किया। इस दौरान सागवान, बरगद, अरकासिया, गम्हार सहित विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए गए। उपायुक्त ने लगाए गए पौधों की नियमित देखरेख सुनिश्चित करने का दायित्व मुखिया को सौंपते हुए विशेष निगरानी के निर्देश दिए। साथ ही जिला खनन पदाधिकारी को पौधों की सुरक्षा हेतु आवश्यक घेराबंदी एवं संरक्षण संबंधी सभी आवश्यक व्यवस्थाएं शीघ्र सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

एसआईआर कार्य का उपायुक्त ने किया निरीक्षण

सिमडेगा(बिभा): जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त श्रीमती कंचन सिंह ने भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली के निदेर्शानुसार झारखंड में संचालित विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-2026 अभियान के तहत कोलेबिरा प्रखंड में चल रहे कार्यों का स्थलीय निरीक्षण कर प्रगति की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मॉडल आंगनबाड़ी केंद्र, कोलेबिरा, राजकीयकृत उत्क्रमित मध्य विद्यालय, नावाटोली, छेगरिबांधा गांव तथा आरसी बालक मध्य विद्यालय, बरवाडीह में बीएलओ एवं शिक्षकों द्वारा किए जा रहे एसआईआर कार्यों का जायजा लिया। उपायुक्त ने संबंधित बीएलओ एवं शिक्षकों को प्रपत्रों को पूरी सावधानी एवं त्रुटिरहित ढंग से भरने का निर्देश देते हुए कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान कोई भी पात्र मतदाता सूची से वंचित नहीं रहना चाहिए। उपायुक्त महोदया ने सभी बीएलओ को समय से कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने सभी कार्यों को निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा करने पर बल दिया तथा कई आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। निरीक्षण के दौरान अपर समाहर्ता श्री गिरिजा शंकर महतो, प्रखंड विकास पदाधिकारी, प्रखंड निर्वाचन प्रभारी पदाधिकारी एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

साहेबगंज नगर परिषद में टकराव, अध्यक्ष-उपाध्यक्ष समेत 28 पार्षदों ने बोर्ड बैठक का किया बहिष्कार

कार्यपालक पदाधिकारी पर मनमानी और विकास कार्यों में बाधा का आरोप, ईओ बोले— सभी आरोप निराधार

बिभा संवाददाता

साहेबगंज । साहेबगंज नगर परिषद की सोमवार को आयोजित बोर्ड बैठक उस समय विवाद का केंद्र बन गई, जब नगर परिषद अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और सभी 28 वार्ड पार्षदों ने बैठक का सामूहिक बहिष्कार कर दिया। जनप्रतिनिधियों ने कार्यपालक पदाधिकारी (ईओ) की कार्यशैली पर गंभीर सवाल उठाते हुए उन पर मनमाने ढंग से काम करने, विकास योजनाओं को बाधित करने और निर्वाचित प्रतिनिधियों की अनदेखी करने का आरोप लगाया। वहीं बैठक से बाहर निकलने के बाद अध्यक्ष और पार्षदों ने कहा कि नगर परिषद में विकास कार्यों को गति देने के बजाय प्रशासनिक स्तर

पर अड़चनें पैदा की जा रही हैं। उनका आरोप है कि जनहित से जुड़े प्रस्तावों पर अपेक्षित कार्रवाई नहीं हो रही और महत्वपूर्ण निर्णयों में जनप्रतिनिधियों की राय को महत्व नहीं दिया जा रहा। इससे शहर के विकास कार्य प्रभावित हो रहे हैं तथा जनता को भी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं जनप्रतिनिधियों का कहना था कि उन्होंने कई बार कार्यपालक पदाधिकारी के समक्ष अपनी आपत्तियां और समस्याएं रखीं, लेकिन स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ। इसी कारण सभी पार्षदों ने एकजुट होकर बोर्ड बैठक का बहिष्कार करने का निर्णय लिया। उन्होंने कार्यपालक पदाधिकारी के स्थानांतरण की मांग करते हुए उच्च अधिकारियों से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच और आवश्यक कार्रवाई की मांग की। वहीं, कार्यपालक पदाधिकारी ने सभी आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि नगर परिषद के सभी कार्य नियमानुसार और सरकारी प्रावधानों के तहत किए जा रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी विकास योजना में जानबूझकर बाधा नहीं डाली जा रही है और लगाए गए आरोप तथ्यहीन हैं। नगर परिषद के लगभग पूरे निर्वाचित बोर्ड द्वारा बैठक का बहिष्कार किए जाने से शहर में राजनीतिक और प्रशासनिक हलकों में चचाओं का दौर तेज हो गया है। अब सबकी नजर इस बात पर है कि इस विवाद के समाधान के लिए जिला प्रशासन और उच्च अधिकारी क्या कदम उठाते हैं।

माय भारत के मंच से युवाओं ने लिया 'राष्ट्र प्रथम' का संकल्प, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती पर विचार गोष्ठी

बिभा संवाददाता

साहेबगंज । युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत संचालित मेरा युवा भारत (माय भारत) साहेबगंज की ओर से सोमवार को जिला प्रधान कार्यालय में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125 वीं जयंती विचार गोष्ठी और संकल्प कार्यक्रम के रूप में मनाई गई। कार्यक्रम का मुख्य फोकस युवाओं में राष्ट्र निर्माण, नेतृत्व, अनुशासन और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करना रहा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रो. सुबोध झा, भगत सिंह युवा क्लब के अध्यक्ष गौरव कुमार सुमन तथा राज्य शिक्षण संस्थान के निदेशक रविकांत ताती उपस्थित रहे। वक्ताओं ने डॉ. मुखर्जी के व्यक्तित्व और राष्ट्र के प्रति उनके योगदान पर प्रकाश डालते हुए युवाओं से उनके आदर्शों को जीवन में अपनाने का आह्वान किया। वहीं गौरव कुमार सुमन ने कहा कि डॉ. श्यामा

प्रसाद मुखर्जी केवल एक राजनेता नहीं, बल्कि शिक्षा, राष्ट्रवाद और राष्ट्रीय एकता के प्रखर समर्थक थे। उन्होंने कहा कि युवाओं को शिक्षित, संस्कारित और राष्ट्रहित के प्रति समर्पित बनना चाहिए, तभी भारत विश्व में अग्रणी भूमिका निभा सकेगा। वहीं रविकांत ताती ने कहा कि डॉ. मुखर्जी ने राष्ट्र की एकता और अखंडता के लिए अपना सर्वस्व समर्पित कर दिया। उनका जीवन त्याग, साहस और राष्ट्रभक्ति की प्रेरणा देता है, जिसे नई पीढ़ी तक पहुंचाना समय की आवश्यकता है। वहीं कार्यक्रम का संचालन कर रहे माय भारत के सदस्य चंदन कुमार ने कहा कि संगठन का उद्देश्य युवाओं में नेतृत्व क्षमता, सेवा भाव और अनुशासन का विकास करना है। उन्होंने सभी युवाओं से ³राष्ट्र प्रथम, राष्ट्र सर्वोपरि³ की भावना के साथ समाज सेवा और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लेने का आह्वान किया। मौके पर राहुल कुमार यादव, विकास कुमार, मनवेल टुडू, विजय सोरेन, अमित रविदास, रवि कुमार, अनिल कुमार, जितेन टुडू, जोसेफ सोरेन, मोनू रविदास सहित विभिन्न युवा क्लबों के सदस्यों ने भाग लिया और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान देने का संकल्प दोहराया।

ब्राउन शुगर के साथ तीन युवक गिरफ्तार

दुमका। जिले के हंसडीहा थाना पुलिस ने मादक पदार्थ के खिलाफ अभियान चलाते हुए प्लस टू हाई स्कूल, हंसडीहा स्टेडियम परिसर से ब्राउन शुगर के साथ तीन युवकों को गिरफ्तार कर जेल दिया। पुलिस ने तस्कर के पास से कुल 9.72 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद किया है। गिरफ्तार आरोपितों को पुलिस न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। पुलिस के अनुसार शनिवार को पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि प्लस टू हाई स्कूल हंसडीहा स्टेडियम परिसर में कुछ युवक ब्राउन शुगर की खरीद–बिक्री और सेवन कर रहे हैं। सूचना के बाद एसडीपीओ, जरमुंडी नवल किशोर सिंह के नेतृत्व में छापेमारी दल का गठन किया गया। छापेमारी के दौरान पुलिस टीम जब स्टेडियम परिसर पहुंची तो एक कमरे में बैठे तीन युवक पुलिस वाहन को देखकर भागने लगे। पुलिस बल ने पीछा कर तीनों युवकों को धर दबोचने में सफल रही। तलाशी पर युवकों पास से ब्राउन शुगर जैसा मादक पदार्थ बरामद हुआ। गिरफ्तार युवकों की पहचान दुमका नगर थाना क्षेत्र के दुधानी निवासी शहादत शेख (19), मो बसीर (19) और आर्यन शेख (19) के रूप में हुई है।

धनबाद में 'झारखण्ड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना' के 3.46 लाख लाभुकों के बीच 259 करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान

बिभा संवाददाता

धनबाद : उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी श्री आदित्य रंजन के निदेर्शानुसार धनबाद समाहरणालय के सामाजिक सुरक्षा कोषांग द्वारा 'झारखण्ड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना' के तहत जिले में माह अप्रैल 2026 से जून 2026 तक की कुल तीन माह की अवधि के लिए योजना का सफलतापूर्वक भुगतान किया गया है। इस योजना के अंतर्गत धनबाद जिले के विभिन्न प्रखण्डों और अंचलों को मिलाकर कुल 3,46,091

सर्वजन पेंशन योजनाः 1,97,205 लाभुकों के बीच 60.96 करोड़ रुपये से अधिक की राशि का हुआ सफल भुगतान

स्वीकृत मामलों में लाभार्थियों को लाभान्वित किया गया है।

इस तीन महीने की समयावधि के लिए कुल 2,59,56,82,500.00 रुपये (दो सौ उनसठ करोड़ छप्पन लाख बयासी हजार पांच सौ रुपये) की राशि का भुगतान किया गया है।

सदर अस्पताल में अब नियमित रूप से मिलेंगे चर्म रोग और ई.एन.टी. विशेषज्ञ

धनबाद : उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन के निदेर्शानुसार आम जनता की सुविधा और बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित करने के लिए धनबाद के सदर अस्पताल में अब चर्म रोग तथा नाक, कान एवं गला (ईएनटी) रोग के विशेषज्ञ डॉक्टर नियमित रूप से अपनी सेवाएं देंगे। इस संबंध में सदर अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ संजीव कुमार प्रसाद ने बताया कि नाक, कान एवं गला रोग विशेषज्ञ (ईएनटी स्पेशलिस्ट) डॉ. विजया बाला मुर्मू तथा चर्म रोग विशेषज्ञ (डमेर्टोलॉजिस्ट) डॉ. अलका कुमारी प्रत्येक ओपीडी दिवस पर मरीजों के इलाज के लिए उपलब्ध रहेंगे। रविवार को छोड़कर, सप्ताह के सभी कार्यदिवसों में मरीज इन डॉक्टरों से परामर्श ले सकते हैं। उपाधीक्षक ने बताया कि उपायुक्त की इस पहल से धनबाद और आस-पास के मरीजों को काफी राहत मिलेगी, जिन्हें इन बीमारियों के इलाज के लिए अक्सर निजी क्लीनिक या दूरदराज के अस्पतालों के चक्कर काटने पड़ते थे। अस्पताल प्रबंधन ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे ओपीडी समय के दौरान अस्पताल पहुंचकर इस सुविधा का लाभ उठाएं।

पूर्व रेलवे

ई–निविदा सूचना संख्या: ओ/एसी/टी/98 से 101/26–27 (खुली), दिनांक 03.07.2026, मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, स्टेशन रोड, पिन–713301 द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए ई–निविदाएँ (खुली) आमंत्रित की जाती हैं: **क्रम सं. 1, केस संख्या :** ओ–एसी–टी–98–26–27, **कार्य का नाम:** वरिष्ठ डीईएन/1/आसनसोल के अधीन मौजूदा संरचना के साथ आसनसोल आर. रूम के संवर्धन, विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण तथा सीतारामपुर में नई क्रू लॉबी के निर्माण के लिए खुली निविदा। **निविदा मूल्य :** रु.3,78,30,997.32, **बयाना राशि :** रु. 7,56,600/–, **कार्य समाप्त करने की अवधि:** 12 माह । **क्रम सं. 2, केस संख्या :** ओ–एसी–टी–99–26–27, **कार्य का नाम:** वरिष्ठ डीईएन/1/आसनसोल के अधीन एईएन/मुख्यालय/आसनसोल के अधिकार क्षेत्र में नए कोचिंग कॉम्प्लेक्स, आसनसोल में 2000 केवीए सीएसएस के माध्यम से एचओजी कोचों के रखरखाव के लिए 750 वो. पावर सप्लाई की व्यवस्था और अन्य सहायक कार्यों के लिए खुली निविदा। **निविदा मूल्य :** रु.70,47,065.16, **बयाना राशि :** रु. 1,40,900/–, **कार्य समाप्त करने की अवधि:** 06 माह । **क्रम सं. 3,** केस संख्या : ओ–एसी–टी–100–26–27, **कार्य का नाम:** आसनसोल मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर कुछ अन्य सुविधाओं के साथ एमईए कमी को दूर करने (वाटर टैप, शौचालय, पीएफ एसईएचसी और प्रतीक्षालय) के लिए खुली निविदा। **निविदा मूल्य :** रु.4,00,90,759.91, **बयाना राशि :** रु. 8,01,800/–, **कार्य समाप्त करने की अवधि:** 12 माह। **क्रम सं. 4,** केस संख्या : ओ–एसी–टी–101–26–27, **कार्य का नाम:** आसनसोल मंडल के अधीन दुमका स्टेशन यार्ड के कटिंग स्ट्रेच में स्लोप सुरक्षा कार्य, रिटेनिंग वॉल के साथ दुमका यार्ड के ड्रेन सुधार कार्य के लिए खुली निविदा। **निविदा मूल्य :** रु.89,01,739.93, **बयाना राशि :** रु. 1,78,000/–, **कार्य समाप्त करने की अवधि:** 12 माह । **बंद होने की तिथि और समय:** दिनांक 29.07.2026 को 12.00 बजे। संपूर्ण विवरण रेलवे की वेबसाइट **www.ireps.gov.in** में देखा जा सकता है।

ASN-163/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway
@easternrailwayheadquarter

पलटनगंज व बांसकोला आर एंड आर कॉलोनियों की समीक्षा, नवंबर तक ड्रेनेज कार्य पूरा करने का निर्देश

बिभा संवाददाता

साहेबगंज। समाहरणालय स्थित उपायुक्त कार्यालय प्रकोष्ठ में उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी दीपक कुमार दूबे की अध्यक्षता में पलटनगंज एवं बांसकोला पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन (आर एंड आर) कॉलोनियों में उपलब्ध आधारभूत सुविधाओं, विकासात्मक कार्यों तथा जनोपयोगी सेवाओं की प्रगति की समीक्षा को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।बैठक के दौरान पलटनगंज आर एंड आर कॉलोनी में जल निकासी (ड्रेनेज) व्यवस्था के निर्माण कार्य की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। संबंधित अधिकारियों द्वारा अवगत कराया गया कि उक्त कार्य हेतु निविदा प्रक्रियाधीन है। इस पर उपायुक्त ने स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि निविदा निस्तारण के बाद मौसम अनुकूल होते ही कार्य प्रारंभ किया जाए तथा नवंबर माह तक निर्माण कार्य को हर हाल में

पूर्ण किया जाए।

उपायुक्त ने आर एंड आर कॉलोनी में पेयजल आपूर्ति व्यवस्था की भी विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने पूर्व में पूर्ण किए जा चुके अवयवों एवं शेष अवयवों की अद्यतन स्थिति की जानकारी प्राप्त की । उन्होंने जलमीनार, हैंडपंप, बोरिंग तथा घर-घर नल कनेक्शन की प्रगति की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पुनर्वासित परिवारों को गुणवत्तापूर्ण एवं नियमित पेयजल उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है। साथ ही कॉलोनी परिसर की साफ-सफाई एवं रख-रखाव सुनिश्चित करने का निर्देश भी संबंधित अधिकारियों को दिया गया। साथ ही बैठक में कॉलोनी क्षेत्र में आवश्यक सामाजिक एवं सार्वजनिक संस्थानों की उपलब्धता पर भी विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। अधिकारियों द्वारा बताया गया कि आर एंड आर कॉलोनी के निवासियों के लिए स्वास्थ्य उपकेंद्र, पशु चिकित्सालय एवं आंगनबाड़ी केंद्र जैसी सुविधाओं की आवश्यकता है। इस पर उपायुक्त ने जिला समाज कल्याण पदाधिकारी को आंगनबाड़ी केंद्र के निर्माण एवं संचालन की दिशा में आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। वहीं स्वास्थ्य एवं पशुपालन विभाग से संबंधित सुविधाओं के संबंध में उन्होंने निर्देश दिया कि निकटवर्ती स्वास्थ्य उपकेंद्र एवं अन्य उपलब्ध संस्थानों से यथाशिघ्र आवश्यक सेवाओं को टैग कर कॉलोनीवासियों को सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं, ताकि पुनर्वासित परिवारों को को आवश्यक सेवाओं का लाभ सहज रूप से प्राप्त हो सके।साथ ही उपायुक्त ने अपर समाहर्ता, परियोजना प्रभारी आईडब्ल्यूएआई, कार्यपालक अभियंता, विशेष प्रमंडल ग्रामीण विकास तथा कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल को संयुक्त रूप से पलटनगंज आर एंड आर कॉलोनी का स्थलीय निरीक्षण कर एक सप्ताह के भीतर सभी कमियों की पहचान करते हुए शीघ्र प्रस्ताव समर्पित करने का निर्देश दिया। इसके अतिरिक्त बांसकोला में निमार्णाधीन नवीन आर एंड आर कॉलोनी के विकास कार्यों की भी समीक्षा की गई। उपायुक्त ने आवास निर्माण, बाउंड्री वॉल, जल निकासी व्यवस्था सहित अन्य आधारभूत संरचनाओं की प्रगति की जानकारी प्राप्त की तथा संबंधित कार्यों को निर्धारित समयसीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन योजनाओं का उद्देश्य प्रभावित परिवारों को बेहतर जीवन-स्तर एवं आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराना है, इसलिए सभी विभाग समन्वय के साथ रूप से कार्य करते हुए परियोजनाओं का समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करें। मौके पर अपर समाहर्ता विजय कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी-सह-जिला भू-अर्जन पदाधिकारी अमर जॉन आइंद, कार्यपालक अभियंता, विशेष प्रमंडल, ग्रामीण विकास विभाग रामाकांत, कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल (पीएचईडी) शशि कुमार सिंह तथा परियोजना प्रभारी, आईडब्ल्यूएआई अनुपम सिन्हा सहित संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

गोल्डन बूट की रेस हुई रोमांचक

मेसी-एम्बाप्पे को हालैंड दे रहे कड़ी टक्कर

नई दिल्ली। नॉर्वे के स्ट्राइकर अर्लिंग हालैंड ने फीफा वर्ल्ड कप 2026 गोल्डन बूट की रेस में फ्रांस के दिग्गज किलियन एम्बाप्पे और अर्जेंटीना के लियोनल मेसी को कड़ी टक्कर दे रहे हैं। उन्होंने दो गोल करके ब्राजील को टूर्नामेंट से बाहर कर दिया और नॉर्वे ने राउंड ऑफ 16 का अहम मैच 2-1 से जीत लिया। उन्होंने 79वें और 90वें मिनट में गोल किए। हालैंड के अब 7 गोल हो गए हैं, जो एम्बाप्पे और मेसी के बराबर है। एम्बाप्पे 7 गोल और 2 असिस्ट के साथ फीफा वर्ल्ड कप 2026 में गोल्डन बूट की रेस में सबसे ऊपर हैं, जबकि हालैंड और मेसी दोनों के 7 गोल और 0 असिस्ट हैं। नॉर्वे के खिलाड़ी अभी तीसरे नंबर पर हैं क्योंकि मेसी ने कम मिनट में ज्यादा गोल किए हैं। इंग्लैंड के हैरी केन 5 गोल और 0 असिस्ट के साथ चौथे नंबर पर हैं, जबकि फ्रांस के ओस्मान डेम्बेले, स्पेन के मिकेल ओयारजाबल, ब्राजील के विनीसियस जूनियर और इस्माइला सार 4-4 गोल के साथ दूसरे नंबर पर हैं।

तिलक वर्मा ने अभिषेक का रिकॉर्ड तोड़ा

बने नंबर 1, टी-20 में सबसे कम उम्र में 1500 रन बनाने वाले टॉप-10 भारतीय

नई दिल्ली। भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के उप-कप्तान तिलक वर्मा ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टी20 मुकाबले में 11 गेंदों पर 2 छक्के और एक चौके की मदद से नाबाद 24 रन की पारी 218.18 की स्ट्राइक रेट के साथ खेली। तिलक वर्मा ने अपनी इस पारी के दौरान टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में अपने 1500 रन भी पूरे किए और वो टी20 क्रिकेट में भारत की तरफ से सबसे कम उम्र में 1500 रन बनाने वाले सबसे युवा बैटर भी बने।

तिलक वर्मा ने दो दिन बाद तोड़ा अभिषेक शर्मा का रिकॉर्ड- इससे पहले टीम इंडिया के ओपनर अभिषेक शर्मा ने एक जुलाई को इंग्लैंड के खिलाफ पहले टी20 मैच के दौरान अपने 1500 रन टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में पूरे किए थे और भारत की तरफ से क्रिकेट के सबसे छोटे प्रारूप में 1500 रन बनाने वाले सबसे युवा बैटर बने थे, लेकिन दो दिन के बाद ही यानी 4 जुलाई को तिलक वर्मा ने उनका रिकॉर्ड तोड़ दिया और पहले नंबर पर आ गए। तिलक वर्मा ने टी20आई में 1500 रन 23 साल 238 दिन की उम्र में पूरे किए जबकि अभिषेक ने ये कमाल 25 साल 300 दिन की उम्र में किया था और वो अब दूसरे नंबर पर आ गए।

इंग्लैंड-ऑस्ट्रेलिया फाइनल के बाद टॉप-10 बल्लेबाज व गेंदबाज

श्री चरणी का जलवा

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया ने रविवार (5 जुलाई) को इंग्लैंड को 7 विकेट से हराकर 7वीं बार महिला टी20 विश्व कप का खिताब जीता। टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन इंग्लैंड की डैनी व्याट हॉज ने बनाए। उन्होंने 302 रन बनाए ऑस्ट्रेलिया की बेथ मूनी दूसरे नंबर पर रहीं। उन्होंने 238 रन बनाए। इंग्लैंड की नट साइवर ब्रंट तीसरे नंबर पर रहीं। टॉप-10 बल्लेबाजों में दो भारतीय स्मृति मंधाना और शैफाली वर्मा भी हैं। स्मृति ने 205 और शैफाली ने 179 रन बनाए। टॉप-10 गेंदबाजों की बात करें तो भारतीय स्पिनर श्री चरणी शीर्ष पर रहीं। उन्होंने 15 विकेट लिए। इंग्लैंड की सोफी मोलिन्यू दूसरे, पाकिस्तान की फातिमा सना तीसरे नंबर रही। दोनों ने 1-1 विकेट लिए। इंग्लैंड सोफी एक्लेस्टोन चौथे और हेली मैथ्यूज चौथे नंबर पर रहीं। दोनों ने 10-10 विकेट लिए। इंग्लैंड की शार्लेट डीन ने भी 10 विकेट झटके।

ऑस्ट्रेलिया ने रिकॉर्ड 7वीं बार जीता खिताब

फाइनल में इंग्लैंड को 7 विकेट से हराया

लंदन (एजेंसी)। महिला टी20 वर्ल्ड कप 2026 का फाइनल मुकाबला इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच लॉर्ड्स में खेला गया। इस मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने बेथ मूनी और फीबी लिचफील्ड की शानदार पारी व शतकीय साझेदारी के दम पर मैच को 7 विकेट से जीत लिया। इस जीत के साथ ही ऑस्ट्रेलिया ने 7वीं बार महिला टी20 वर्ल्ड कप खिताब जीतने का गौरव हासिल किया। इंग्लैंड का अपने घर में चैंपियन बनने का सपना टूट गया और उसे उप-विजेता बनकर संतोष करना पड़ा। फाइनल मैच में ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया था और इसके बाद इंग्लैंड की टीम ने 20 ओवर में 4 विकेट पर 150 रन बनाए और ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए 151 रन का टारगेट दिया। इसके जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने 17.1 ओवर में 3 विकेट पर 153 रन बनाकर मैच जीत लिया।

ऑस्ट्रेलिया की पारी में बेथ मूनी का शानदार अर्धशतक

ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत अच्छी नहीं रही और टीम की ओपनर जॉर्जिया वोल 9 रन के स्कोर पर अपना विकेट गंवा बैठीं। फीबी लिचफील्ड ने 35 गेंदों पर 48 रन की पारी खेली और आउट हो गईं, लेकिन उन्होंने दूसरे विकेट के लिए बेथ मूनी के साथ मिलकर 67 गेंदों पर 100 रन की साझेदारी की। बेथ मूनी ने अपना अर्धशतक 38 गेंदों पर पूरा किया और उन्होंने 49 गेंदों पर 64 रन की शानदार पारी खेली। एलिस पेरी 13 रन बनाकर जबकि एश्ले गार्डनर 3 रन बनाकर नाबाद रहीं। इंग्लैंड के लिए शार्लेट डीन, लॉरेन बेल और सोफी एक्लेस्टोन ने एक-एक विकेट लिए।

इंग्लैंड की घर में पहली हार

ऑस्ट्रेलिया तीसरी बार बगैर हारे बना चैंपियन, बेथ मूनी ने रचा इतिहास

महिला टी20 विश्व कप के इतिहास में इंग्लैंड की टीम रविवार (5 जुलाई) को पहली बार घरेलू सरजमीं पर हारी और दूसरी बार खिताब जीतने का उसका सपना टूट गया। वह घरेलू सरजमीं पर महिला टी20 विश्व कप में 12 मैच में 11 जीत दर्ज की है। वह पहली बार अपनी मेजाबनी में विश्व कप हारी। ऑस्ट्रेलिया ने उसका विजय रथ रोककर 7वीं बार खिताब अपने नाम किया। वह तीसरी बार टूर्नामेंट में एक भी मैच हारे बगैर चैंपियन बनी।

ऑस्ट्रेलिया की जीत में बेथ मूनी ने अहम भूमिका निभाई। उन्होंने लगातार तीसरी बार फाइनल में अर्धशतक लगाया। बेथ मूनी महिला टी20 वर्ल्ड कप में दो बार प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट खिताब जीतने वाली पहली खिलाड़ी भी बनीं। इससे पहले वह 2020 में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट रही थीं। पुरुषों में यह रिकॉर्ड विराट कोहली के नाम है।

प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड

मूनी टी20 वर्ल्ड कर फाइनल (2023 और 2026) में दो बार प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड जीतने वाली पहली खिलाड़ी हैं। मार्लन सैमुअल्स पुरुषों (2012 और 2016) में दो बार प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड जीतने वाले अकेले खिलाड़ी हैं। मूनी महिला टी20 विश्व कप के एक संस्करण में फाइनल की प्लेयर ऑफ द मैच और प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट खिताब जीतने वाली दूसरी खिलाड़ी बनीं। 2024 में अमेलिया केर भी फाइनल की प्लेयर ऑफ द मैच और प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट रही थीं।

दासुन शनाका ने 4 गेंद पर झटके 4 विकेट, चेन्नई सुपर किंग्स की टीम हारी

नई दिल्ली। मेजर लीग क्रिकेट 2026 में दासुन शनाका ने कमाल का प्रदर्शन करते हुए चेन्नई सुपर किंग्स की टीम टेक्सास सुपर किंग्स के खिलाफ सिएटल ऑर्कस को जीत दिला दी। टेक्सास सुपर किंग्स को आखिरी ओवर में 15 रन चाहिए थे। शनाका ने 4 गेंद पर 4 विकेट झटके और टेक्सास सुपर किंग्स ने 9 रन से जीत दर्ज की।

जीत के लिए 122 रन का पीछा करते हुए टेक्सास सुपर किंग्स ने आखिरी ओवर में 107 रन पर 5 विकेट गंवा दिए थे। डोनोवन फरेरा और शुभम रंजना क्रीज पर थे। फरेरा ने 19वें ओवर में एक चौका और एक छक्का लगाया था। फिर रंजना ने आखिरी ओवर की पहली गेंद पर शनाका को चौका जड़ा, जिससे पांच गेंदों पर 11 रन चाहिए थे।

शनाका ने फरेरा, सैवेज, मिल्ने और डी सिल्वा को आउट किया- दो गेंद बाद फरेरा एक धीमी गेंद पर आउट हो गए। फिर केल्विन सैवेज लॉन्ग-ऑन पर कैच आउट हुए। एडम मिल्ने ने हैट्रिक गेंद का सामना किया और बड़े शॉट के प्रयास में आउट हो गए। शनाका ने आखिरी गेंद पर अमशी डी सिल्वा को शिमरोन हेटमायर के हाथों कैच करा दिया।

नेमार ने लिया संन्यास

पेले के क्लब में हुए शामिल

नॉर्वे से हारकर ब्राजील बाहर

न्यूजर्सी (एजेंसी)।। ब्राजील के सर्वकालिक शीर्ष गोल स्कोरर नेमार जूनियर ने रविवार (5 जुलाई) को अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास की घोषणा कर दी। उन्होंने यह ऐलान ब्राजील के फीफा वर्ल्ड कप 2026 से बाहर होने के बाद की। नॉर्वे के खिलाफ राउंड ऑफ 16 में उसे 1-2 से हार का सामना करना पड़ा। 1990 के बाद पहली बार ब्राजील इतना जल्दी वर्ल्ड कप से बाहर हुआ है।

नेमार ने अतिरिक्त समय के 10वें मिनट में पेनल्टी से मैच का एकमात्र गोल दागा, जिससे ब्राजील के लिए 130 मैचों में उनके गोलों की संख्या 80 हो गई, साथ ही उन्होंने 59 असिस्ट भी किए। दिग्गज पेले के मुकाबले उन्होंने 3 गोल ज्यादा किए हैं। वह पेले के अलावा चार विश्व कप में गोल करने वाले दूसरे ब्राजीलियाई खिलाड़ी बने। नेमार ने ब्राजील के लिए 130 मैच खेले। कैफू ने (142) उनसे ज्यादा मैच खेले हैं।

नेमार रोते हुए जमीन पर बैठ गए

न्यू जर्सी के मेटलाइफ स्टेडियम में आखिरी सीटी बजने के बाद नेमार रोते हुए जमीन पर बैठ गए। साथी खिलाड़ियों ने उन्हें मनाया। मैच के बाद उन्होंने पत्रकारों से कहा, 'मैंने कोशिश की। इसकी शुरुआत मेट लाइफ स्टेडियम में हुई और यहीं इसका अंत हुआ।' नेमार ने अगस्त 2010 में मेटलाइफ स्टेडियम में अमेरिका के खिलाफ एक फ्रेंडली मैच में ब्राजील के लिए डेब्यू किया और अपना पहला इंटरनेशनल गोल किया।

नेमार की फिटनेस बनी समस्या- फीफा वर्ल्ड कप 2026 से पहले नेमार की फिटनेस चर्चा का विषय बनी हुई थी, लेकिन चिंताओं के बावजूद मुख्य कोच कार्लो एंसेलोटी ने उन्हें 26 सदस्यीय टीम में शामिल किया। दाहिने पैर की पिंडली में चोट लगने की वजह से नेमार टूर्नामेंट में ब्राजील के पांच मैचों में से सिर्फ दो में ही खेले। वह ग्रुप प्ले में स्कॉटलैंड के खिलाफ 15 मिनट तक मैदान पर रहे और नॉर्वे के खिलाफ 67वें मिनट में मैदान पर आए।

'उन्हें जेल में देखकर बहुत बुरा लगता है'

पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर इमरान खान को लेकर कपिल देव ने जाहिर किया अपना दर्द

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कपिल देव ने पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान व पीएम इमरान खान को लेकर अपने मन की बात कही। एक इंटरव्यू के दौरान कपिल देव ने इमरान खान को लेकर खुलकर बातें की और बताया कि वो किस तरह से इंसान थे। कपिल देव ने साफ तौर पर कहा कि एक ऐसा खिलाड़ी जिसने अपने देश के लिए वर्ल्ड कप जीता और फिर देश का प्रधानमंत्री भी बना उसके साथ इस तरह का व्यवहार देखकर बुरा लगता है।

इमरान की लाइफ स्टाइल को छू भी नहीं सकते

कपिल देव ने स्पोर्ट्स तक पर इंटरव्यू के दौरान पूछा गया कि क्या आपकी इमरान से दोस्ती थी तो उन्होंने कहा कि मैं ऐसा तो नहीं कहूंगा, लेकिन जब जरूरत होती थी हम बैठकर बात करते थे। वो भी पंजाबी थे और मुझे भी पंजाबी समझ में आती थी तो हम आसानी से एक-दूसरे की बात समझ लेते थे। इमरान खान की लाइफ स्टाइल को तो हम छू भी नहीं सकते। उनका लाइफस्टाइल काफी अलग था और ऐसा हमेशा रहा। इंग्लैंड में काउंटी क्रिकेट के दौरान भी ऐसा ही था।

'मेरे साथ कई बार धोखा हुआ'

पृथ्वी शॉ की मंगेतर आकृति ने किसके लिए लिखा ऐसा, क्या दोनों की राहें हुई जुदा?

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेटर पृथ्वी शॉ एक बार फिर से चर्चा में हैं। रविवार को उनकी मंगेतर आकृति अग्रवाल ने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी शेयर की जिसमें उन्होंने दावा किया कि उन्हें एक बार नहीं बल्कि कई बार धोखा दिया गया है। आकृति के इस पोस्ट के बाद पृथ्वी शॉ और उनके रिश्ते को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं। आईपीएल 2026 सीजन से पहले जब दिल्ली कैपिटल्स ने उन्हें खिलाड़ियों की नीलामी में खरीदा था उससे पहले ही पृथ्वी शॉ और आकृति अग्रवाल की सगाई हो गई थी।

क्या पृथ्वी और आकृति में हुआ अलगाव

आकृति ने क्रिकेटर पृथ्वी के साथ अपने रिश्ते को दिखाने के लिए अपने ऑफिशियल अकाउंट से कई पोस्ट शेयर किए थे। क्रिकेट फैंस को आकृति और पृथ्वी के रिश्ते के बारे में अच्छी तरह से पता है, लेकिन इन सारी बातों के बीच आकृति ने जो पोस्ट शेयर किया वो किसके लिए है ये बड़ा सवाल है। क्या दोनों की राहें जुदा हो गई है, हालांकि अब तक आधिकारिक तौर पर ऐसी कोई जानकारी सामने नहीं आई है। आकृति ने अपने पोस्ट में लिखा कि मेरे साथ कई बार धोखा हुआ, फिर भी मैंने कभी कुछ नहीं कहा। अभी भी यकीन नहीं होता कि एक कदम आगे बढ़ने के बाद... सब कुछ सच है, हर अफवाह सच है। सोशल मीडिया पर आप उनके बारे में जो कुछ भी देखते हैं। जब आकृति ने लिखा कि सब सच है तो इंटरनेट यूजर्स ने आकृति और पृथ्वी के रिश्ते में कुछ गड़बड़ होने का अंदाजा लगाना शुरू कर दिया। हालांकि आकृति ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में किसी का नाम नहीं लिया। फिलहाल ना तो आकृति और ना ही पृथ्वी की तरफ से कोई आधिकारिक बयान आया है। दोनों में से किसी की भी तरफ से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया न मिलने के कारण लोगों को यह नहीं पता चला है कि आकृति को सार्वजनिक रूप से इतना दुखद संदेश क्यों साझा करना पड़ा। क्या सगाई के बाद भी उनका ब्रेकअप हो गया है ये सवाल सबके मन में कौंध रहा है।

तेल कंपनियों के घाटे कम होने पर पेट्रोल-डीजल सस्ता होने की उम्मीद

नई दिल्ली ।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में आई बड़ी गिरावट भारतीय ईंधन बाजार के लिए राहत की नई उम्मीद लेकर आई है। यदि वैश्विक कीमतें अगले 7 से 10 दिनों तक अपने मौजूदा स्तर पर स्थिर रहती हैं, तो तेल कंपनियां पेट्रोल और डीजल की बिक्री में नो-प्रॉफिट नो-लॉस की स्थिति में पहुंच जाएंगी, जिसके बाद कीमतों में राहत मिलने की संभावना बढ़ जाएगी। वर्तमान में, सरकारी तेल कंपनियां पहले खरीदे गए महंगे स्टॉक के कारण अंडर-रिकवरी का सामना कर रही हैं। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में उन्हें 75,000 करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हुआ है, जिससे उन पर दबाव है। विशेषज्ञों के अनुसार, कीमतें स्थिर रहने पर कंपनियां धीरे-धीरे घाटे से उबरकर संतुलन पर आएंगी। हालांकि, रसोई गैस (एलपीजी) पर अब भी प्रति सिलेंडर करीब 500 रुपये का नुकसान हो रहा है। इस गिरावट के कई कारण हैं। अमेरिका और ईरान के बीच युद्धविराम के बाद कच्चे तेल की आपूर्ति बढ़ी है। साथ ही, सऊदी अरब और रूस के नेतृत्व में प्रमुख उत्पादक देशों ने उत्पादन बढ़ाने का फैसला किया है। होर्मुज जलडमरूमध्य खुलने से आपूर्ति सामान्य हुई है। ईरान और वेनेजुएला से तेल आपूर्ति बढ़ने से भी वैश्विक बाजार को राहत मिली है।

मॉनसून ने पकड़ी रफ्तार, वर्षा की कमी घटी; खरीफ की बुआई को मिली संजीवनी

देश में बारिश की कमी 40 से घटकर 24 फीसदी हुई, मध्य जुलाई तक सक्रिय रहने के आसार

नई दिल्ली ।

पहले 40 प्रतिशत रही बारिश की कमी अब घटकर 24 प्रतिशत पर आ गई है। इससे खरीफ फसलों की बुआई, जो जून अंत तक पिछले साल की तुलना में 22 प्रतिशत कम थी, को अब नई जान मिली है। पश्चिम और मध्य भारत में सुस्त मॉनसून के कारण बुआई ठहर गई थी। खरीफ की अच्छी फसल महंगाई, खासकर दलहन और तिलहन की कीमतों को नियंत्रित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी संबल मिलेगा। मौसम विशेषज्ञों का मानना है कि बंगाल की खाड़ी में अनुकूल मौसम पैटर्न के कारण मॉनसून का यह सक्रिय चरण जुलाई के मध्य तक जारी रहेगा। स्काइमेट वेदर सर्विसेज के महेश पालवात के अनुसार, इससे मौसमी बारिश की कमी का बड़ा हिस्सा दूर हो जाएगा और जुलाई में सामान्य बारिश होगी। मॉनसून का प्रदर्शन जुलाई में जून से बेहतर रहने की उम्मीद है।

ओपेक प्लस के उत्पादन वृद्धि से कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट जारी

ब्रेंट और डब्ल्यूटीआई क्रूड कई महीनों के निचले स्तर पर, वैश्विक आपूर्ति बढ़ने से निवेशक चिंतित

नई दिल्ली।

अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में सोमवार को बड़ी गिरावट दर्ज की गई। ब्रेंट क्रूड 71.73 डॉलर और डब्ल्यूटीआई क्रूड 68.43 डॉलर प्रति बैरल के आसपास कारोबार करते हुए कई महीनों के निचले स्तर पर पहुंच गए। इस गिरावट की मुख्य वजह तेल उत्पादक देशों के संगठन ओपेक प्लस का उत्पादन बढ़ाने का फैसला और पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव में कमी आना है। ओपेक प्लस ने अगले महीने (अगस्त) से रोजाना 1.88 लाख बैरल अतिरिक्त तेल उत्पादन को मंजूरी दे दी है, जिसमें सऊदी अरब और रूस अग्रणी भूमिका निभाएंगे। इस फैसले के बाद वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की आपूर्ति में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। इसके अतिरिक्त, पश्चिम एशिया में तनाव कम होने और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज जैसे महत्वपूर्ण तेल मार्गों पर सामान्य आवाजाही बहाल होने से आपूर्ति बाधित होने का खतरा टल गया है। सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात जैसे प्रमुख उत्पादकों का निर्यात भी लगभग संघर्ष-पूर्व स्तर पर पहुंच गया है, जिससे वैश्विक उपलब्धता और बढ़ी है। निवेशकों को अब आशंका है कि मांग के मुकाबले आपूर्ति की अधिकता हो सकती है, जिससे कीमतों पर दबाव बना रहेगा।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को भारतीय रुपया 24 पैसे की गिरावट के साथ ही 95.42 पर बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह रुपया शुरुआती कारोबार में 10 पैसे की गिरावट के साथ ही अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.28 पर आ गया। विदेशी बाजार में अमेरिकी मुद्रा के मजबूत होने से रुपये पर दबाव है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि विदेशी निवेश आने पर भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) रुपये को बहुत अधिक मजबूत होने देने के बजाय अपने विदेशी मुद्रा भंडार को फिर से बढ़ाने का प्रयास करता है।

आज सुबह अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.25 प्रति डॉलर पर खुला। फिर डॉलर के मुकाबले 95.28 पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 10 पैसे की गिरावट दिखाता है। रुपया शुक्रवार को 17 पैसे मजबूत होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.18 पर बंद हुआ था।

इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.10 फीसदी की बढ़त के साथ 100.95 पर रहा।

एशियाई बाजारों में तेजी के साथ कारोबार

मुंबई ।

सप्ताह के पहले कारोबारी दिन अधिकांश एशियाई बाजारों में तेजी देखने को मिली। दक्षिण कोरिया का कोस्पी करीब 0.62 प्रतिशत और चीन का सीएसआई 300 लगभग 0.26 प्रतिशत की बढ़त के साथ कारोबार करता नजर आया। तकनीकी शेयरों में खरीदारी लौटने और कच्चे तेल की कीमतों में लगातार नरमी आने से एशियाई बाजारों को समर्थन मिला। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट जारी रही। ब्रेंट क्रूड का जुलाई वायदा भाव करीब 71.78 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार करता दिखा, जो पिछले स्तर से लगभग 0.47 प्रतिशत नीचे था।

बाजार पर दबाव इसलिए भी बना क्योंकि ओपेक प्लस देशों ने जून और जुलाई के बाद अगस्त से भी उत्पादन बढ़ाने पर सहमति जताई है। वहीं, अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत में कोई खास प्रगति नहीं हुई है, लेकिन स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से तेल आपूर्ति फिलहाल सामान्य बनी हुई है। कमोडिटी बाजार में कीमती धातुओं की कीमतों में मजबूती देखने को मिली। गोल्ड फ्यूचर्स में करीब 2.11 प्रतिशत और सिल्वर फ्यूचर्स में 3.56 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई।

बैंक ऑफ महाराष्ट्र की ऋण वृद्धि पहली तिमाही में 27 प्रतिशत

नई दिल्ली ।

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ऑफ महाराष्ट्र (बीओएम) का कुल ऋण चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में सालाना आधार पर 27 प्रतिशत बढ़कर 3.06 लाख करोड़ रुपये हो गया।गत वित्त वर्ष 2025-26 की पहली (अप्रैल-जून) तिमाही के अंत में उसका बकाया ऋण 2.41 लाख करोड़ रुपये था। पुणे मुख्यालय वाले इस बैंक ने सोमवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि कुल ऋण में खुदरा, कृषि और सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम खंड को दिए गए ऋण शामिल हैं, जो सालाना आधार पर 25 प्रतिशत बढ़कर 1.87 लाख करोड़ रुपये हो गए।समीक्षाधीन तिमाही में बैंक का कॉरपोरेट ऋण भी 21 प्रतिशत बढ़कर 1.11 लाख करोड़ रुपये हो गया, जो पहली बार एक लाख करोड़ रुपये के पार पहुंचा।बैंक ने बताया कि इस तिमाही में उसकी कुल जमा राशि 13 प्रतिशत बढ़कर 3.44 लाख करोड़ रुपये हो गई, जबकि पिछले वित्त वर्ष की पहली तिमाही के अंत में यह 3.05 लाख करोड़ रुपये थी। इसके परिणामस्वरूप बैंक का कुल कारोबार (कुल ऋण व जमा) 19 प्रतिशत बढ़कर 6.51 लाख करोड़ रुपये हो गया, जो 30 जून, 2025 को 5.46 लाख करोड़ रुपये था।बैंक ने बताया कि अप्रैल-जून तिमाही में चालू खाता एवं बचत खाता (कासा) अनुपात कुल जमा का 49 प्रतिशत रहा, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में यह 50 प्रतिशत था।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 521, निफ्टी 159 अंक उछला

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये बढ़त दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आई है। । आज ऑटो, रियल्टी और तेल एवं गैस शेयरों में विशेष रुप से अच्छी खरीदारी हुई। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 521.16 अंक ऊपर आकर 78,285.07 पर और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 159.50 अंक उछलकर 24,430.35 पर बंद हुआ। निफ्टी में सबसे ज़्यादा बढ़त हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, ओएनजीसी, बजाज ऑटो और एमएंडएम के शेयरों में आई। वहीं टीसीएस मैक्स हेल्थकेयर और बजाज फिनसर्व के शेयर गिरे। सेक्टर के हिसाब से आज रियल्टी के क्षेत्र में सबसे अधिक तेजी रही। इसके बाद कंज्यूमर ड्यूरेबल्स , ऑटो और ऑयल एंड गैस के शेयर उछले। मेटल इंडेक्स में भी बढ़त रही। दूसरी ओर, मीडिया सेक्टर में गिरावट दर्ज की गयी। इसके अलावा पीएयू बैंक और आईटी शेयर भी गिरे। दूसरी ओर निफ्टी मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स में तेजी रही।

आज कारोबार के दौरान, बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण पिछले सत्र के 480.24 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर लगभग 482.33 लाख करोड़ रुपए हो गया, जिससे एक ही सत्र में निवेशकों को करीब 2 लाख करोड़ रुपए का लाभ हुआ। पश्चिमी एशिया में शांति की उम्मीद और कच्चे तेल की कीमतों में बदलाव नहीं होने से भी बाजार को बल मिला। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार की बढ़त के साथ शुरुआत हुई। आज सुबह निफ्टी 80.25 अंकों की बढ़त के साथ 24,351.10 के स्तर पर जबकि सेंसेक्स भी 315 अंक चढ़कर 78,078.76 के स्तर पर खुला।

अमेरिकी न्याय विभाग का अदाणी मामले पर यू-टर्न केस शुरू ही नहीं होना चाहिए था

दो साल की जांच के बाद डीओजे ने कानूनी व अधिकार-क्षेत्र संबंधी आधारों पर उठाए सवाल

नई दिल्ली ।

अमेरिकी न्याय विभाग (डीओजे) ने अदाणी ग्रुप के खिलाफ अपने ही एक हाई-प्रोफाइल मामले पर चौंकाने वाला यू-टर्न लेते हुए कहा है कि यह केस कभी शुरू नहीं किया जाना चाहिए था। लगभग दो साल की कड़ी अंतरराष्ट्रीय जांच के बाद आई यह टिप्पणी एक अभूतपूर्व कानूनी बदलाव है, जिसने अदाणी ग्रुप के निवेशकों की धारणा पर गहरा असर डाला था और बाजार में अरबों की वैल्यू खत्म की थी। डीओजे ने अपनी 4 जुलाई की कोर्ट फाइलिंग में मामले के कानूनी और अधिकार-क्षेत्र से जुड़े आधारों पर सवाल उठाए हैं। विभाग ने आरोपों को नाम खराब करने की एक ऐसी कोशिश बताया जो मुकदमा चलने की किसी भी वास्तविक संभावना के बिना की गई थी। डीओजे का स्पष्टीकरण है कि सिक्योरिटीज से जुड़े आरोप कभी नहीं लगाए जाने चाहिए थे और केस समाप्त करने का फैसला कई कानूनी, सबूतों व नीतिगत कारणों से सही था। विभाग के दोबारा मूल्यांकन का मुख्य आधार यह निष्कर्ष है कि कथित गड़बड़ी मुख्य रूप से भारत में हुई थी, जहां भारतीय अधिकारियों ने पहले ही इन आरोपों की जांच की थी और कोई कार्रवाई योग्य गड़बड़ी नहीं पाई थी। डीओजे के अनुसार जिन सिक्योरिटीज का मामला है, उनमें एक पैसा भी नहीं डूबा है। विभाग ने प्रॉसिक्यूशन की कई बड़ी खामियां भी स्वीकार कीं। हालांकि अदालत ने अभी केस खारिज करने पर कोई फैसला नहीं सुनाया है, डीओजे का यह स्पष्ट और कड़ा मूल्यांकन मामले की समझ को गहराई से प्रभावित करेगा।

नेक्स्ट भारत वेंचर्स का 2,000 करोड़ रुपए का नया कोष

कृषि, स्वास्थ्य, फिनटेक व सामाजिक हित में एआई स्टार्टअप पर फोकस

नई दिल्ली ।

जापान की सुजुकी मोटर कॉर्पोरेशन समर्थित नेक्स्ट भारत वेंचर्स ने सोमवार को 2,000 करोड़ के अपने दूसरे निवेश कोष की घोषणा की। यह कोष भारत में कृषि, वित्तीय समावेश, स्वास्थ्य सेवा और सामाजिक हित जैसे क्षेत्रों में कृत्रिम मेधा (एआई) का उपयोग करने वाले स्टार्टअप को समर्थन देगा। नेक्स्ट भारत वेंचर्स का लक्ष्य ग्रामीण भारत, छोटे व मझोले शहरों तथा असंगठित व गिग क्षेत्र से जुड़े कामगारों के स्थानीय समुदायों के जीवन की गुणवत्ता बेहतर बनाने वाले स्टार्टअप्स में निवेश करना है। कंपनी इससे पहले अपने 340 करोड़ रुपए के पहले कोष के माध्यम से 20 से अधिक इम्पैक्ट ऑर्गेनाइजेशन में निवेश कर चुकी है। नेक्स्ट भारत वेंचर्स के एक अे धिकारी ने बताया कि नए कोष का अधिकतर निवेश सुजुकी मोटर कॉर्पोरेशन एक एंकर लिमिटेड पार्टनर के रूप में करेगी। इसके अलावा, जापान की अन्य कंपनियों से भी निवेश जुटाया जाएगा। नाथ ने इस रणनीति का कारण बताते हुए कहा कि जापानी संस्थान निवेश के मामले में कहीं अधिक धैर्यवान होते हैं। कंपनी अगले तीन से चार वर्षों में इस 2,000 करोड़ रुपए का निवेश करने की योजना बना रही है।

वाहन बिक्री ने जून में बनाया ऐतिहासिक रिकॉर्ड 21.83 फीसदी की बंपर वृद्धि दर्ज

फाडा ने बताया अब तक का सबसे बेहतर जून, सभी खंडों में रिकॉर्ड प्रदर्शन

नई दिल्ली ।

भारतीय वाहन खुदरा बाजार ने जून में शानदार प्रदर्शन किया, जहां कुल बिक्री सालाना आधार पर 21.83त्न बढ़कर 25,57,234 इकाई हो गई। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशंस (फाडा) ने सोमवार को बताया कि यह अब तक का सबसे बेहतरीन जून महीना रहा, जिसमें सभी खंडों - दोपहिया, तिपहिया, वाणिज्यिक और यात्री वाहन - ने रिकॉर्ड वृद्धि दर्ज की है। फाडा के आंकड़ों के अनुसार, यात्री वाहनों की खुदरा बिक्री 28.63 फीसदी बढ़कर 4,10,853 इकाई और दोपहिया वाहनों की बिक्री 21.22 फीसदी बढ़कर 18,28,458 इकाई पर पहुंच गई। वहीं, तिपहिया और वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री में क्रमशः 16.2 फीसदी और 16.88 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई। फाडा के अध्यक्ष सी. एस. विग्नेश्वर ने इस प्रदर्शन को ऐतिहासिक करार दिया। जुलाई के लिए, 51.24 फीसदी डीलरों ने बिक्री में वृद्धि की उम्मीद जताई है, जो मजबूत सकारात्मक दृष्टिकोण दर्शाता है। इस आशावाद का आधार मानसून की स्थिति में सुधार, खरीफ बुवाई में तेजी और वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में नरमी है। फाडा ने जुलाई-सितंबर 2026 तिमाही के लिए डीलरों के भरोसे में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की है, जहां 66.17 फीसदी डीलर बाजार में वृद्धि की उम्मीद कर रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में नकदी प्रवाह में सुधार, इलेक्ट्रिक और सीएनजी वाहनों की बढ़ती मांग तथा नए मॉडल लॉन्च इस सकारात्मक रुझान को बनाए रखेंगे।

मिडकैप फंड्स में निवेशकों का अटूट भरोसा- मई में भी 4,000 करोड़ निवेश

सरकारी खर्च, मजबूत डिफेंस ऑर्डर और बढ़ती मांग ने मिडकैप कंपनियों के लिए खोले नए रास्ते

नई दिल्ली ।

भारतीय इक्विटी बाजार में मिडकैप सेगमेंट निवेशकों की पहली पसंद बना हुआ है। मई 2026 में भी मिडकैप म्युचुअल फंड्स में 4,000 करोड़ रुपये से अधिक का शुद्ध निवेश दर्ज किया गया, जो अप्रैल के बाद लगातार दूसरा महीना है जब इस कैटेगरी में इतना भारी निवेश आया है। खास बात यह है कि मई में कोई नया मिडकैप फंड लॉन्च न होने के बावजूद निवेशकों का भरोसा कायम रहा, जो इन कंपनियों के बेहतर ग्रोथ आउटलुक को दर्शाता है। एसोसिएशन ऑफ म्युचुअल फंड्स इन इंडिया के आंकड़ों के मुताबिक, अप्रैल 2026 में मिडकैप फंड्स में 4,780.58 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश आया था, जबकि मई में यह आंकड़ा 4,385.06 करोड़ रुपये रहा। मई के दौरान कुल 8,270.23 करोड़ रुपये का निवेश इन फंड्स में आया और 3,885.16 करोड़ रुपये की निकासी हुई, जिससे शुद्ध निवेश 4,385.06 करोड़ रुपये रहा। इसके साथ ही, मिडकैप फंड्स का कुल एसेट अंडर मैनेजमेंट बढ़कर करीब 4.88 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया है।कोटक म्युचुअल फंड के सीनियर फंड मैनेजर अतुल भोले के अनुसार, सरकार के बढ़ते इंफ्रास्ट्रक्चर खर्च, डिफेंस सेक्टर के मजबूत ऑर्डर, इलेक्ट्रॉनिक्स व सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग को मिल रहा बढ़ावा, हेल्थकेयर की बढ़ती मांग और निर्यात के बेहतर अवसरों ने मिडकैप कंपनियों के लिए नए ग्रोथ के मौके पैदा किए हैं। देश की युवा आबादी, बढ़ता घरेलू निवेश और नए आर्थिक सुधार भी इन कंपनियों की कमाई बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। अगले 12 महीनों के आउटलुक पर बात करते हुए भोले ने कहा कि पश्चिम एशिया में तनाव कम होने और कच्चे तेल समेत कई कमोडिटी की कीमतों में नरमी से कंपनियों की लागत घटने की उम्मीद है। पिछले साल के कमजोर प्रदर्शन के मुकाबले इस साल बिक्री और मुनाफे में सुधार देखने को मिल सकता है। मजबूत बैंक लोन ग्रोथ, बढ़ता जीएसटी कलेक्शन और बेहतर आर्थिक गतिविधियां भी इस सकारात्मक रुख की ओर इशारा कर रही हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले समय में मिडकैप कंपनियां बड़ी कंपनियों के मुकाबले बेहतर ग्रोथ दिखा सकती हैं, खासकर वे जिनके पास कारोबार बढ़ाने और बाजार हिस्सेदारी मजबूत करने की क्षमता है।

टाटा टेक्नोलॉजीज 17 को जारी करेगी पहली तिमाही वित्त वर्ष 27 नतीजे

बोर्ड बैठक में अनऑडिटेड वित्तीय नतीजों को मिलेगी मंजूरी, जून 24 से इनसाइडर ट्रेडिंग विंडो बंद

नई दिल्ली ।

टाटा ग्रुप की कंपनी टाटा टेक्नोलॉजीज ने अपनी पहली तिमाही (अप्रैल-जून 2026-27) के नतीजों की घोषणा के लिए 17 जुलाई 2026 की तारीख तय की है। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि इस दिन बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की बैठक होगी, जहां जून तिमाही के अनऑडिटेड वित्तीय नतीजों को मंजूरी दी जाएगी। उम्मीद है कि नतीजे बाजार बंद होने के बाद जारी होंगे, जैसा पिछली बार हुआ था। कंपनी की रेगुलेटरी फाइलिंग के अनुसार, 24 जून 2026 से ट्रेडिंग विंडो बंद कर दी गई है। यह विंडो तिमाही नतीजे सार्वजनिक होने और स्टॉक एक्सचेंज पर उनकी जानकारी जारी होने के 48 घंटे बाद तक बंद रहेगी। इसका मुख्य उद्देश्य कंपनी से जुड़े इनसाइडर्स को शेयरों में खरीद-बिक्री करने से रोकना है। पिछली मार्च 2026 तिमाही में टाटा टेक्नोलॉजीज का प्रदर्शन शानदार रहा था। कंपनी का कंसोलिडेटेड शुद्ध मुनाफा 8 फीसदी बढ़कर 204 करोड़ रुपए हो गया था, जबकि ऑपरेशन से आय 22त्न बढ़कर` 1,572 करोड़ तक पहुंच गई थी। ऐ बिटा मार्जिन भी 14.1 फीसदी से बढ़कर 16 फीसदी हो गया था।

इस तिमाही में कंपनी ने शेयरधारकों के लिए कुल 11.70 प्रति शेयर का डिविडेंड भी घोषित किया था। शुक्रवार को टाटा टेक्नोलॉजीज का शेयर 715.85 रुपए पर 0.50 फीसदी की मामूली बढ़त के साथ बंद हुआ।

गुरुग्राम में ओबेरॉय रियल्टी की 8,109 करोड़ की लग्जरी इकाइयां बिकीं

दिल्ली-एनसीआर में पहली आवासीय परियोजना थ्री सिक्स्टी नॉर्थ को मिला जबरदस्त प्रतिसाद

नई दिल्ली ।

मुंबई की प्रमुख रियल एस्टेट कंपनी ओबेरॉय रियल्टी लिमिटेड ने गुरुग्राम के रियल एस्टेट बाजार में धमाकेदार प्रवेश किया है। कंपनी ने अपनी पहली दिल्ली-एनसीआर आवासीय परियोजना में हाल ही में लॉन्च की गई लग्जरी इकाइयों से मजबूत मांग के दम पर 8,109 करोड़ रुपए की सकल बुकिंग दर्ज की है।

यह सफलता कंपनी के लिए राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि मानी जा रही है।

ओबेरॉय रियल्टी ने शेयर बाजार को सूचित किया कि गुरुग्राम के गोल्फ कोर्स एक्सटेंशन रोड पर स्थित उसकी पहली लग्जरी आवासीय परियोजना थ्री सिक्स्टी नॉर्थ को खरीदारों से उत्कृष्ट प्रतिक्रिया मिली है। कंपनी ने 29 जून को इस परियोजना के पहले चरण की शुरुआत की घोषणा की थी, जिसमें छह टावर में कुल 832 आवासीय इकाइयां शामिल हैं।

इस 14.8 एकड़ की परियोजना में 13.52 लाख वर्ग फुट का रेरा कारपेट क्षेत्र (कुल 23.10 लाख वर्ग फुट बिक्री योग्य क्षेत्र) बेचा गया है।

कंपनी ने बताया कि इस परियोजना में कुल 6,000 करोड़ रुपए का निवेश और 16,000 करोड़ रुपए की संभावित आय का अनुमान है। ओबेरॉय रियल्टी के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक विकास ओबेरॉय ने परियोजना के लॉन्च के समय विश्वास व्यक्त किया था कि उनका ब्रांड एनसीआर बाजार में भी सफलतापूर्वक स्थापित हो सकता है, जो अब शुरुआती बिक्री आंकड़ों से सच साबित होता दिख रहा है।

भुवनेश्वर में आज पूर्वी क्षेत्रीय परिषद की स्थायी समिति की बैठक, कानून-व्यवस्था और साइबर अपराध पर होगा मंथन

बिभा संवाददाता

रांची। पूर्वी क्षेत्रीय परिषद (ईस्टर्न जोनल काउंसिल-ईजेडसी) की स्थायी समिति की 15वीं बैठक मंगलवार (07 जुलाई) को ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर में आयोजित होगी। बैठक में झारखंड, बिहार, ओडिशा और पश्चिम बंगाल सहित परिषद से जुड़े सदस्य राज्यों के पुलिस महानिदेशक, गृह विभाग के वरिष्ठ अधिकारी तथा अन्य प्रशासनिक अधिकारी भाग लेंगे। झारखंड की पुलिस महानिदेशक तदाशा मिश्रा भी इसमें शामिल होंगी। बैठक में कानून-व्यवस्था को और प्रभावी बनाने, अंतरराज्यीय अपराधों की रोकथाम, साइबर अपराध पर नियंत्रण, महिलाओं एवं बच्चों के खिलाफ अपराधों की जांच, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों की तैनाती, आपातकालीन प्रतिक्रिया सहायता प्रणाली (ईआरएसएस-112) तथा फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट (एफटीएससी) की प्रगति जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा होगी। इसके अलावा सदस्य राज्यों के बीच समन्वय मजबूत करने और साझा रणनीति तैयार करने पर भी विचार-विमर्श किया जाएगा।

फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट योजना की प्रगति बैठक के प्रमुख एजेंडों में शामिल है। वर्ष 2019 में शुरू की गई इस योजना का उद्देश्य दुष्कर्म और पॉक्सो अधिनियम से जुड़े मामलों का त्वरित निस्तारण सुनिश्चित करना है। केंद्र सरकार ने योजना को 31 मार्च, 2026 तक बढ़ाया है, जिसके लिए 1,952.23 करोड़ रुपये का वित्तीय प्रावधान किया गया है। इसमें केंद्र की हिस्सेदारी 1,207.24 करोड़ रुपये है।

उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल 2024 तक देशभर में 754 फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट संचालित हो रहे थे, जिनमें 409 विशेष पॉक्सो अदालतें शामिल हैं। इन अदालतों ने अब तक 2.42 लाख से अधिक मामलों का निपटारा किया है। पूर्वी क्षेत्रीय परिषद से जुड़े राज्यों में वर्तमान में 115 फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट कार्यरत हैं, जिनमें 88 विशेष पॉक्सो अदालतें शामिल हैं।

बैठक में झारखंड सरकार अपने तीन नवाचारी और उत्कृष्ट कार्यों की प्रस्तुति भी देगी। प्रत्येक विषय पर लगभग 10 स्लाइड की पावर प्वाइंट प्रस्तुति तैयार की गई है, जिसके माध्यम से राज्य की प्रमुख उपलब्धियों और नवाचारों की जानकारी साझा की जाएगी। इसके साथ ही परिषद की पिछली बैठक में लिए गए निर्णयों पर हुई कार्रवाई की रिपोर्ट और लंबित एजेंडा बिंदुओं की अद्यतन स्थिति भी प्रस्तुत की जाएगी।

सरकारी सूत्रों के अनुसार, बैठक का उद्देश्य सदस्य राज्यों के बीच समन्वय को और सुदृढ़ करना तथा कानून-व्यवस्था, साइबर सुरक्षा, महिला एवं बाल सुरक्षा और अंतरराज्यीय अपराधों की रोकथाम से जुड़े मुद्दों पर साझा रणनीति तैयार करना है।

एसएसपी ने ट्रैफिक शाखा के 43 पुलिस पदाधिकारियों का किया तबादला

पूर्वी सिंहभूम। वरीय पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) डॉ. एहतेशाम वकारिव ने सोमवार को ट्रैफिक शाखा में तैनात 43 पुलिस पदाधिकारियों का तबादला किया है। जारी आदेश के तहत इन अधिकारियों को शहर एवं ग्रामीण क्षेत्र के विभिन्न थानों, सीसीआर साकची तथा पुलिस केंद्र गोलमुरी में नई जिम्मेदारी सौंपी गई है। पुलिस विभाग के अनुसार यह फेरबदल प्रशासनिक आवश्यकता के अनुरूप किया गया है, जिससे अपराध नियंत्रण और पुलिसिंग व्यवस्था को और मजबूती मिलेगी। जारी स्थानांतरण आदेश के अनुसार पुलिस अवर निरीक्षक कामाख्या पासवान को यातायात थाना साकची से टेल्को थाना, रमेश कुमार पाण्डेय को यातायात थाना साकची से कागलपुर थाना, अरविंद राय को यातायात थाना बिष्टुपुर से घाटशिला थाना, तथा चेंगो राम पिंगुआ को यातायात थाना जुगसलाई से सुंदरनगर थाना भेजा गया है। बाबूराम सिंह को यातायात थाना जुगसलाई से पुलिस केंद्र गोलमुरी में पदस्थापित किया गया है। सहायक अवर निरीक्षक खालिक अहमद अंसारी को पटमदा थाना, लाल बिहारी राम को गालूडीह थाना, नरेंद्र सिंह को घाटशिला थाना, प्रमोद कुमार सिंह-2 को कोवाली थाना, कौलेश्वर बास्की को पोटका थाना, भेषनंदन राय को गोविंदपुर थाना, रामलाल राम-1 को साकची थाना, जय कुमार दास और सुंदर राम को जुगसलाई थाना, जितेंद्र कुमार-3, भीमसागर राम, निर्भय कुमार सिंह, कुमार विनय, प्रभु राम, अशेष कुमार पासवान, कामता प्रसाद सिंह, बृजेश सिंह, खीस्त निकोदिम बेक, प्रमोद रजवार, ब्रजेश कुमार-2, बोधी रजक, संजय कुमार-1, दिनेश कुमार नौनिया तथा रामाकांत राम को सीसीआर साकची में पदस्थापित किया गया है। इसके अलावा मोतीलाल को पुलिस केंद्र गोलमुरी, संतोष कुमार-1 को साकची थाना, अजीत कुमार राय को गोलमुरी थाना, शमशाद आलम को पटमदा थाना, नरेश कुमार राम को घाटशिला थाना, मो. औरंगजेब-1 को आजादनगर थाना, दिलीप कुमार-1 को गोविंदपुर थाना, नरेश प्रसाद महतो को श्यामसुंदरपुर थाना, अर्चना कुमारी को बिष्टुपुर थाना, उमेश सिंह को गुड़ाबांदा थाना, पारस सिंह को मुसाबनी थाना, सुबोध कुमार को कमलपुर थाना तथा नरेंद्र कुमार को डुमरिया थाना में नई जिम्मेदारी दी गई है।

आपसी समन्वय के साथ विभाग एक-दूसरे से साझा करें अपनी उपलब्धियां

बिभा संवाददाता

रांची : राष्ट्रीय कृषि उच्चतर प्रसंस्करण संस्थान, नामकुम सोमवार को पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी), रांची द्वारा अंतर माध्यम प्रचार समन्वय समिति (आईएमपीसीसी) की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता पीआईबी रांची/भुवनेश्वर के अपर महानिदेशक अखिल कुमार मिश्रा ने की।

अपने संबोधन में श्री मिश्रा ने कहा कि किसी भी संदेश के प्रभावी प्रसार के लिए संचार के विभिन्न आयामों पर समान रूप से ध्यान देना आवश्यक है। उन्होंने सूचना के आदान-प्रदान में संतुलित एवं विवेकपूर्ण पारदर्शिता को विश्वसनीय सरकारी सूचना प्रसार का आधार बताया। पीआईबी एवं केंद्रीय संचार ब्यूरो, रांची के कार्यालय प्रमुख गौरव कुमार पुष्कर ने पीआईबी एवं सीबीसी की कार्यप्रणाली तथा सूचना प्रसार में उनकी भूमिका की जानकारी दी।

एमएसएमई-डीएफओ, रांची के निदेशक इन्द्रजीत यादव ने प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना, कौशल विकास एवं उद्यमिता संवर्धन की जानकारी साझा की। दूरदर्शन समाचार, झारखंड के प्रमुख एवं सहायक निदेशक दिवाकर कुमार ने सरकारी योजनाओं एवं राष्ट्रीय आयोजनों के प्रभावी सूचना प्रसार में दूरदर्शन की भूमिका पर प्रकाश डाला, जबकि कार्यक्रम प्रमुख अमित कुमार ने सोशल मीडिया पर दूरदर्शन झारखंड की बढ़ती पहुंच की जानकारी दी।

यूआईडीएआई के क्षेत्रीय निदेशक नीरज कुमार ने आधार सेवाओं के विस्तार, नए आधार ऐप, एपीएआर आईडी तथा डीबीटी में आधार की भूमिका पर जानकारी दी। सीजीएचएस के अपर निदेशक डॉ. अरुण कुमार, सीजीएसटी के प्रतिनिधि रवि कुमार तथा नाबार्ड के प्रतिनिधि अमित कुमार ने अपने-अपने विभागों की प्रमुख उपलब्धियों एवं योजनाओं पर प्रकाश डाला।

आकाशवाणी रांची के कार्यक्रम अधिशासी प्रभु शरण ने जनहितकारी सूचनाओं के प्रसार में आकाशवाणी की भूमिका बताई। माय भारत झारखंड की राज्य निदेशक श्रीमती ललिता कुमारी ने युवा संसद, विकसित भारत यंग लीडर संवाद एवं एक्सपीरिएंशियल लर्निंग कार्यक्रमों की जानकारी दी। एनसीबी के अधीक्षक श्री शारिक उमर तथा भाकृअनुप के प्रिंसिपल साइंटिस्ट डॉ. निरंजन प्रसाद ने क्रमशः नशा नियंत्रण एवं कृषि नवाचारों से संबंधित पहल साझा की। बैठक में आकाशवाणी रांची के जेवियर कंडूलना, दूरदर्शन रांची से सुधीर कुमार तथा यूआईडीएआई से अब्दुल कलाम अंसारी भी शामिल रहे।

आकाशीय बिजली गिरने से महिला की मौत

पश्चिमी सिंहभूम। पश्चिमी सिंहभूम जिले के गोईलकेरा प्रखंड अंतर्गत कदमडीहा पंचायत के छोटा कुईड़ा गांव में सोमवार को आकाशीय बिजली गिरने से एक महिला की मौत हो गई। इस घटना के बाद मृतका के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। स्थानीय लोगों से मिली जानकारी के अनुसार, 42 वर्षीय रोयबारी हेंब्रम सोमवार को बारिश के दौरान घर के आसपास मौजूद थीं। इसी बीच अचानक तेज गर्जना के साथ आकाशीय बिजली गिरने से महिला उसकी चपेट में आ गईं। बिजली गिरने से वह गंभीर रूप से झुलस गईं। स्थानीय ग्रामीण तुरंत उनकी सहायता के लिए पहुंचे, लेकिन घटनास्थल पर ही उनकी मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलने के बाद कदमडीहा पंचायत की मुखिया द्रौपदी पूर्ती तथा पंचायत समिति सदस्य बुधन पूर्ती मौके पर पहुंचे। उन्होंने शोकाकुल परिवार से मुलाकात कर संवेदना व्यक्त की और प्रशासन को घटना की सूचना दी।

रिम्स में प्रशासनिक फेरबदल, कई वरिष्ठ डॉक्टरों को मिली नई जिम्मेदारी

बिभा संवाददाता

रांची : रिम्स रांची में प्रशासनिक व्यवस्था को अधिक प्रभावी और सुव्यवस्थित बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण पदों पर नए प्रभार सौंपे गए हैं. रिम्स प्रशासन का कहना है कि इस पुनर्गठन से चिकित्सा शिक्षा, छात्र कल्याण, सुपरस्पेशियलिटी पाठ्यक्रमों के विस्तार और संस्थान के प्रशासनिक कार्यों को नई दिशा मिलेगी. जारी कार्यालय आदेश के अनुसार, शिशु रोग विभाग के प्राध्यापक प्रो. डॉ. राजीव मिश्रा को अगले आदेश तक संकायाध्यक्ष का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है. वहीं, उनके इस नए दायित्व को देखते हुए प्रो. डॉ. पार्थ कुमार चौधरी को शिशु रोग विभाग का विभागाध्यक्ष (एचओडी) बनाया गया है. रिम्स में एमबीबीएस और पीजी सुपरस्पेशियलिटी सीटों में प्रस्तावित बढ़ोतरी की प्रक्रिया को गति देने के लिए सर्जरी विभाग के अपर प्राध्यापक डॉ. निशीथ एम. पॉल एक्का को उप-संकायाध्यक्ष का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है. उनसे चिकित्सा शिक्षा के विस्तार और शैक्षणिक योजनाओं को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाने की उम्मीद जताई गई है.

रिम्स प्रशासन ने कहा- शैक्षणिक और प्रशासनिक ढांचा होगा मजबूत इसके अलावा नेत्र रोग विभाग के अपर प्राध्यापक डॉ. राहुल प्रसाद को उनके वर्तमान दायित्वों के साथ डीन, छात्र कल्याण का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है. छात्र कल्याण से जुड़े कार्यों और अभिलेखों का औपचारिक हस्तांतरण एनेस्थीसिया विभाग के विभागाध्यक्ष एवं प्राध्यापक प्रो. डॉ. शिव प्रिये द्वारा किया जाएगा. इसके बाद डॉ. राहुल प्रसाद नए दायित्व का कार्यभार संभालेंगे. रिम्स प्रशासन ने कहा कि इन प्रशासनिक बदलावों का उद्देश्य संस्थान के शैक्षणिक और प्रशासनिक ढांचे को मजबूत करना है. इससे छात्रों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी, चिकित्सा शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार होगा. सुपरस्पेशियलिटी पाठ्यक्रमों के विस्तार को गति मिलेगी और मरीजों को भी बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकेंगी.

संक्षिप्त खबरें

डीएसपीएमयू में रक्तदान शिविर का आयोजन

राँची(बिभा)। डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय, रांची की यूनिवर्सिटी कैंटीन में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती के अवसर पर रोटार्क्ट क्लब ऑफ डीएसपीएमयू द्वारा रोटरी क्लब ऑफ राँची तथा एनएसएस इकाई के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया, जिसमें सदर अस्पताल, राँची ने तकनीकी सहयोग दिया। मौके पर कुलपति डॉ. राजीव मनोहर ने स्वयं रक्तदान कर विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया। शिविर का शुभारंभ भूगोल विभाग के अध्यक्ष एवं रोटार्क्ट क्लब मेंटर डॉ. अभय कृष्ण सिंह ने प्रथम रक्तदाता के रूप में किया। मौके पर कुलपति डॉ राजीव मनोहर ने कहा कि रक्तदान से बड़ा और कोई दान नहीं होता और विशेष तौर पर आज डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती के मौके पर ऐसे आयोजन की प्रासंगिकता और महत्व और अधिक बढ़ जाती है। उन्होंने कहा कि रक्तदान सामाजिक सरोकार से जुड़ा विषय है और हमें विद्यार्थियों को प्रेरित करना होगा कि वह इन कार्यों में जागरूकता दिखाएं। इस अवसर पर रोटरी क्लब ऑफ राँची के अध्यक्ष रोटेरियन ललित त्रिपाठी, पूर्व अध्यक्ष गौरव बागरोय, पूर्व अध्यक्ष दीपक श्रीवास्तव तथा सचिव शालिनी सिंघानिया, डॉ शमा सोनाली विशेष रूप से उपस्थित रहे। एनसीसी और एनएसएस के बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने भी रक्तदान किया। कार्यक्रम में कुल 48 यूनिट रक्त संग्रहित हुआ, जो सदर अस्पताल, राँची को सौंपा जाएगा। यह जानकारी पीआरओ डॉ राजेश कुमार सिंह ने दी।

चाईबासा: फाइलेरिया उन्मूलन को लेकर नाइट ब्लड सर्वे अभियान जारी, 13,500 रक्त नमूने संग्रह करने का लक्ष्य

चाईबासा(बिभा) : राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत पश्चिमी सिंहभूम जिले में फाइलेरिया उन्मूलन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए नाइट ब्लड सर्वे, एनबीएस-2026 अभियान को बेहद तेजी से और सुनियोजित तरीके से संचालित किया जा रहा है। जिला स्वास्थ्य विभाग द्वारा तैयार किए गए विशेष माइक्रोप्लान के अनुसार जिले के सभी 15 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों के अंतर्गत आने वाले 45 चयनित गांवों में यह रात्रिकालीन रक्त सर्वेक्षण कार्य किया जा रहा है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य जिले के भीतर फाइलेरिया संक्रमण की वर्तमान और वास्तविक स्थिति का सटीक पता लगाना है, ताकि इसके आधार पर भविष्य में बीमारी की रोकथाम तथा प्रभावितों के उपचार के लिए एक प्रभावी एवं ठोस रणनीति तैयार की जा सके। स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, इस पूरे अभियान के दौरान जिले भर से कुल 13,500 रक्त नमूनों को संग्रहित करने का एक बड़ा लक्ष्य निर्धारित किया गया है। स्वास्थ्य कर्मियों की सक्रियता और बेहतर समन्वय के चलते अब तक विभिन्न गांवों से 4,470 रक्त नमूनों को सफलतापूर्वक एकत्र भी किया जा चुका है। बचे हुए शेष लक्ष्य को तय समय सीमा के भीतर हर हाल में पूरा करने के लिए स्वास्थ्य विभाग की समर्पित टीमें लगातार सुदूरवर्ती और ग्रामीण क्षेत्रों में देर रात तक सक्रियता से कार्य कर रही हैं। तकनीकी रूप से यह नाइट ब्लड सर्वे प्रतिदिन रात्रि 10 बजे के बाद ही शुरू किया जा रहा है, क्योंकि फाइलेरिया का कारक माने जाने वाला परजीवी (माइक्रो फाइलेरिया) मानव शरीर के रक्त में इसी समय सबसे अधिक सक्रिय अवस्था में आता है। इन सभी संग्रहित किए जा रहे रक्त नमूनों की उच्च स्तरीय प्रयोगशाला में बारीकी से जांच की जाएगी और संक्रमण की दर का सटीक आकलन किया जाएगा। प्रयोगशाला से प्राप्त होने वाली रिपोर्ट के आधार पर ही जिला स्तर पर फाइलेरिया के पूर्ण उन्मूलन, आगामी रोकथाम और प्रभावी चिकित्सा प्रबंधन के लिए आगे की विस्तृत कार्ययोजना को अंतिम रूप दिया जाएगा।

रांची विश्वविद्यालय में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष कराधान पर चार दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ

बिभा संवाददाता

रांची : रांची विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष कराधान पर चार दिवसीय कार्यशाला का भव्य शुभारंभ हुआ। 06 से 09 जुलाई तक चलने वाली इस कार्यशाला का आयोजन 'द इंस्टीट्यूट ऑफ कॉस्ट अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया', रांची चैप्टर के सहयोग से किया जा रहा है। कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए रांची विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. (डॉ.) सरोज शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि प्रबंधन केवल व्यावसायिक संस्थानों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में संसाधनों और कार्यों के प्रभावी संचालन की एक कला है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत विद्यार्थियों में बहुविषयक ज्ञान, कौशल विकास और रोजगारोन्मुख शिक्षा का होना अनिवार्य है। आज के दौर में भी कौटिल्य एवं चाणक्य के प्रशासनिक विचार पूरी तरह प्रासंगिक हैं। उन्होंने लूथर गुलिक के प्रसिद्ध POSDCORB सिद्धांत का उल्लेख करते हुए विद्यार्थियों को ज्ञान, अनुशासन और समर्पण के साथ जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। इससे पूर्व, संस्थान के निदेशक एवं वाणिज्य विभागाध्यक्ष डॉ. अमर कुमार चौधरी ने स्वागत भाषण दिया और कुलपति महोदया को अंगवस्त्र एवं पौधा भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के प्रॉक्टर-सह-उश्र निदेशक डॉ. मुकुंद चंद्र मेहता, अर्थशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. ज्योति प्रकाश तथा क्ळटअक, रांची चैप्टर की चेयरपर्सन सीएमए मीरा प्रसाद को भी सम्मानित किया गया।

डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी राष्ट्रीय चेतना के प्रमुख स्वर है: कुलपति

बिभा संवाददाता

रांची : में डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125 वीं जयंती के अवसर पर जयंती समारोह सह पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर राजीव मनोहर ने अपने उद्बोधन में कहा कि डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी राष्ट्रीय चेतना के प्रमुख स्वर हैं। उन्होंने कहा कि डॉ मुखर्जी ने भारतीय शिक्षा परंपरा को लोक परंपरा एवं लोक ज्ञान से जोड़ा परिणामस्वरुप नई शिक्षा नीति का उदय हुआ। उन्होंने भारतीय भाषा एवं भारतीय संस्कृति को सबसे ऊपर रखते हुए कहा कि वैचारिक तौर पर भले ही लोगों में मतभिन्नता हो परंतु डॉ मुखर्जी आज भी सबों के लिए प्रासंगिक हैं।कुलपति महोदय ने कई कोटेशन के जरिए डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के उदाहरणों को बताते हुए कहा कि शिक्षा चरित्र निर्माण का प्रमुख आधार है। इस अवसर पर कुल सचिव डॉ धनंजय वासुदेव द्विवेदी ने कहा कि राष्ट्रवाद के प्रमुख व्यक्तित्व डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने उद्योगों के क्षेत्र में भी प्रमुख कार्य किया। स्वागत भाषण में इस आयोजन के कार्यक्रम समन्वयक डॉ जिन्दर सिंह मुण्डा ने कहा कि डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने अंग्रेजी भाषा एवं सिद्धांतों का पुरजोर विरोध करते हुए मातृभाषा के महत्व पर विशेष बल दिया एवं एक देश एक विधान पर विशेष जोर दिया।डॉ विनोद कुमार ने कहा कि श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने जन संघ की स्थापना की और भारतीय राजनीति में एक उच्च आदर्श की स्थापना की। कार्यक्रम का संचालन मनीष कुमार मिश्रा एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉआशा कुमारी गुप्ता ने किया।

ईस्टर्न रेलवे इज वॉचिंग यू: गंदगी फैलाने और थूकने पर रोक लगाने के लिए विशेष अभियान शुरू

बिहान भारत

कोलकाता: पूर्व रेलवे ने अपने स्टेशनों और ट्रेनों में स्वच्छता तथा यात्रियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से व्यापक स्वच्छता अभियान शुरू किया है। ईस्टर्न रेलवे इज वॉचिंग यू थीम पर आधारित इस विशेष अभियान का शुभारंभ 4 जुलाई, 2026 को पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक श्री मिलिंद देऊस्कर ने किया। यह अभियान हावड़ा मंडल में स्वच्छता नियमों के उल्लंघन को रोकने और दोषियों की पहचान करने के लिए सीसीटीवी निगरानी के प्रभावी उपयोग को रेखांकित करता है। इस अभियान के तहत सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से कूड़ा फैलाने, थूकने तथा प्रतिबंधित स्थानों पर मूत्रत्याग करने जैसी गतिविधियों में लिप्त व्यक्तियों की पहचान की जा रही है और रेलवे के लागू नियमों के अनुसार उन पर जुमार्ना लगाया जा रहा है। इसका उद्देश्य रेलवे परिसरों को स्वच्छ बनाए रखने की प्रतिबद्धता को और सुदृढ़ करना है।

अभियान के पहले ही दिन इसके सकारात्मक प्रभाव देखने को मिले। हावड़ा मंडल में सीसीटीवी निगरानी के माध्यम से कुल 50 लोगों को गंदगी फैलाते हुए पकड़ा गया, जिनसे 10,000 का जुमार्ना वसूला गया। इसके अलावा, प्रतिबंधित स्थानों पर मूत्रत्याग करने के 17 मामलों का पता चला, जिनमें 3,400 का जुमार्ना लगाया गया। वहीं, सीसीटीवी निगरानी के जरिए थूकने के 2 मामलों का भी पता चला, जिनसे 400 का जुमार्ना वसूला गया। यह पहल स्वच्छ यात्रा वातावरण सुनिश्चित करने के लिए पूर्व रेलवे की सतर्क निगरानी और कड़े प्रवर्तन के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाती है। यात्रियों से अनुरोध है कि वे स्वच्छता बनाए रखने तथा रेलवे के नियमों का पालन करने में पूरा सहयोग दें, क्योंकि जिम्मेदार यात्री व्यवहार और आधुनिक निगरानी प्रणाली के संयुक्त प्रयासों से ही रेलवे स्टेशन और ट्रेनें अधिक स्वच्छ, सुरक्षित और सुखद बन सकती हैं।

पूर्व रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री शिबराम माझि ने कहा, हमारा मुख्य उद्देश्य यात्रियों को विश्वस्तरीय और स्वच्छ यात्रा अनुभव प्रदान करना है। हम सभी से सहयोग की अपील करते हैं, क्योंकि आधुनिक निगरानी व्यवस्था और यात्रियों के जिम्मेदार व्यवहार के समन्वय से ही स्वच्छ रेलवे का निर्माण संभव है।

झारखंड कांग्रेस कमेटी ने गठित की शिकायत निवारण सेल

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने पार्टी के झारखंड प्रभारी के राजू के निर्देश पर प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में शिकायत निवारण सेल का गठन किया है।

इस सेल में नरेंद्र लाल गोपी, जितेंद्र त्रिवेदी, राजेश चंद्र राजू और इस्तियाक अहमद टूनू को सदस्य के रूप में मनोनीत किया गया है। प्रदेश कांग्रेस मिडिया प्रभारी राकेश सिन्हा ने सोमवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि शिकायत निवारण सेल राज्य के सभी जिलों और प्रखंडों से प्राप्त शिकायतों का संकलन करेगा एवं उन्हें संबंधित प्रदेश पदाधिकारियों तक भेजकर उनके त्वरित निष्पादन और आवश्यक समन्वय की व्यवस्था सुनिश्चित करेगा।

साथ ही समय-समय पर शिकायतों की मॉनिटरिंग और फॉलो-अप की जिम्मेदारी भी निभाएगा।

प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने सभी मनोनीत सदस्यों से अपेक्षा व्यक्त की है कि वे संगठन के प्रति पूर्ण निष्ठा, जवाबदेही और अनुशासन के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगे एवं प्रदेश संगठन को और अधिक जवाबदेह तथा कार्यकर्ता-केंद्रित बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

प्रदेश कांग्रेस ने विश्वास व्यक्त किया है कि शिकायत निवारण सेल के गठन से संगठन और कार्यकताओं के बीच संवाद और समन्वय मजबूत होगा एवं कार्यकताओं की समस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जा सकेगा।

बिहान भारत की ओर से स्वात्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक **संजय कुमार** के लिए वाटिका अपार्टमेंट,भोसले गली,हरिहर सिंह रोड,बरियातू,रांची-834009(झारखंड) दूरभाष: 7761060594, 7004767601 से प्रकाशित तथा शिवा साई पब्लिकेशन प्रा.लि. (एसएच प्रिंटर प्रा.लि.), काठीटांड रातु, नियर टेंडर बगीचा, एचपी पेट्रोल पंप, रातु, रांची - 835222 झारखंड से मुद्रित। समस्त दीवानी विवाद, न्यायोचित कार्रवाई एवं दंडित परिवादो के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। **संपादक : कविता साहू**(*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)। **प्रबंध संपादक : बीरेन्द्र महली** ।
Email-bihanbharat@gmail.com, bihanbharatranchinews@gmail.com